आज समाज

वर्ष-19 अंक 283, नई दिल्ली, पृष्ठ-12, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025, विक्रमी सम्वत-2082, शक सम्वत-1947, पूर्णिमांत-कार्तिक, 17 प्रविष्टे 24 रज्जब हिजरी, 1446, अमांत-आश्विन, कृष्ण पक्ष पंचमी, मूल्य 3.50 रुपए

राष्ट्रीय संस्करण

www.aajsamaaj.com

10 दिल्ली टेस्ट के पहले दिन भारत 318/2, यशस्वी का 7वां शतक, वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना बेस्ट...

रकुल प्रीत सिंह को जन्मदिन पर जैकी भगनानी ने खास अंदाज में दी बधाई 12

खबर एक्सप्रेस

हिसार के प्रगतिशील किसान शशि और कृष्ण से मिलेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। हरियाणा के 2 प्रगतिशील किसान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लंच करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी देश के चुनिंदा 20 प्रगतिशील किसानों से मिलेंगे। इसमें हरियाणा के 2 किसान हैं। यह दोनों हिसार जिले के रहने वाले हैं। दलहनी फसलों को बढ़ावा देने वाले किसानों को इस कार्यक्रम के लिए चुना गया है। इसमें हिसार के गांव रावलवास निवासी कृष्ण कुमार तथा गांव खरिया निवासी शशि कुमार बैनीवाल को पीएम से मिलने का मौका मिलेगा। गांव खारिया निवासी 35 वर्षीय शशि कुमार बैनीवाल 10वीं कक्षा तक पढ़े हैं। उन्हें पहली बार किसी सम्मान के लिए चुना गया है। शशि कुमार बैनीवाल ने कहा कि पीएम से मिलने का सौभाग्य मिलना बड़ी बात है। उन्होंने वर्ष 2013 में 1 एकड़ से चने की खेती शुरू कर इसे 13 एकड़ तक पहुंचा दिया।

हरियाणा आईपीएस सुसाइड केस- पीड़ित परिवार की सुरक्षा बढ़ाई

चंडीगढ़। हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई. पूरन कुमार का चौथे दिन भी पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया। परिवार को मनाने के लिए हरियाणा सरकार ने ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार की ड्यूटी लगाई गई है। पंवार ने 2 बार वाई. पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी. कुमार से मुलाकात कर पोस्टमॉर्टम और अंतिम संस्कार के लिए राजी करने की कोशिश की लेकिन अमनीत ने डीजीपी शत्रुजीत कपूर को पद से हटाने और रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया को गिरफ्तार करने तक इससे इंकार कर दिया। इस मामले में गुरुवार देर रात चंडीगढ़ के सेक्टर-11 थाने में हरियाणा के चीफ सेक्रेटरी अनुराग रस्तोगी, डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया सहित 15 अफसरों पर एफआईआर दर्ज कर ली गई थी।

याचिका खारिज, सीबीआई नहीं करेगी कफ सिरप से मौत के मामले की जांच

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से खांसी की जहरीली सिरप से बच्चों की मौत के मामलों पर सीबीआई जांच और देशभर में दवा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की मांग करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति उज्जल भूयान और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। शुरूआत में पीठ नोटिस जारी करने के पक्ष में थी लेकिन बाद में विचार कर याचिका खारिज कर दी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता अखबार पढ़कर सीधे अदालत पहुंच जाते हैं। मेहता ने कहा कि तमिलनाडु और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने इस मामले में गंभीर कदम उठाए हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई नौसेना बेस का किया दौरा, ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील संग द्विपक्षीय बैठक की

पानी में चलने वाले वाहन से लेकर रक्षा उत्पादन में भारत-ऑस्ट्रेलिया का सहयोग तय

- दोनों नेताओं ने रक्षा, तकनीक व इंडो-पैसिफिक में सहयोग को आगे बढ़ाने पर जताई सहमति

एजेंसी

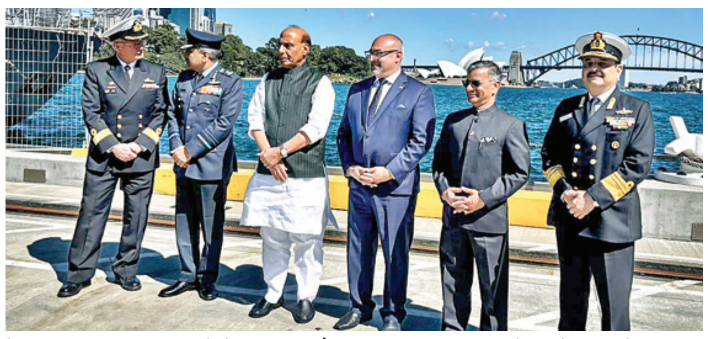

सिडनी। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी बेस एचएमएएस कुट्टाबुल का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी, तकनीकी सहयोग और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता पर चर्चा की। इस दौरान पीटर खलील ने राजनाथ सिंह की यात्रा को ऐतिहासिक और बेहद महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि 12 वर्षों बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की यह पहली यात्रा है। हमें उम्मीद है कि अगली यात्रा इतने लंबे अंतराल के बाद नहीं होगी। राजनाथ सिंह ने भी भारत और ऑस्ट्रेलिया के मजबूत होते रिश्ते पर जोर दिया। राजनाथ सिंह ने अपने बयान में कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अब केवल साझेदार नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सह-निर्माता बन चुके हैं। उन्होंने 2024 में हुई शिखर बैठक और 2+2 वार्ता का हवाला देते हुए कहा कि संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने लोकतंत्र, विविधता और स्वतंत्रता जैसी समानताओं को दोनों देशों के रिश्ते की मजबूत नींव बताया। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। भारत का रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ रुपए (लगभग $18 बिलियन) तक पहुंच चुका है जोकि गत वर्ष से 18% अधिक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि डीआरडीओ और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकी समूह पहले से ही टोड एरे सेंसर पर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में क्वांटम टेक्नोलॉजी, एआई, साइबर सुरक्षा, सूचना युद्ध और अन्य उन्नत तकनीकों पर भी सहयोग बढ़ेगा। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों को भारतीय रक्षा उद्योग में सह-विकास और सह-निर्माण के लिए आमंत्रित किया है जैसे कि पनडुब्बी ड्रोन, फ्लाइट सिमुलेटर और एडवांस मटेरियल्स।

तेजी से बढ़ रहा है भारत का रक्षा निर्यात

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात अब तेजी से बढ़ रहा है और पिछले साल यह 23,622 करोड़ रुपए (करीब $2.76 बिलियन) तक पहुंच गया। उन्होंने बताया कि भारतीय रक्षा कंपनियां अब करीब 100 देशों को अपने उत्पाद निर्यात कर रही हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र में विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति को उदार बनाया है।

अब 74% तक विदेशी निवेश ऑटोमैटिक रूट से और उससे अधिक निवेश सरकारी मंजूरी के जरिए किया जा सकता है, खासकर जब निवेश से अत्याधुनिक तकनीक भारत में आती हो। उन्होंने कहा कि भारत का डिफेंस प्रोडक्शन इकोसिस्टम लगातार आसान और अनुकूल बनाया जा रहा है ताकि विदेशी और घरेलू निवेशकों को अधिक सुविधा मिल सके।

नीति सुधारों और प्रक्रियाओं को सरल कर भारत को बिजनेस फ्रेंडली डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। इस दौरान पीटर खलील ने पीएम मोदी की पिछली ऑस्ट्रेलिया यात्रा का भी जिक्र किया। साथ ही सिडनी में 25,000 भारतीयों के कार्यक्रम को याद करते हुए भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा की। खलील ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंडो-पैसिफिक में साझा दृष्टिकोण है जो खुला, स्थिर और समृद्ध क्षेत्र होना चाहिए।

इजरायल-हमास की 2 साल से जारी जंग हो सकती है खत्म

पीएम मोदी ने गाजा में शांति प्लान पर ट्रंप को दी बधाई

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। इजरायल और हमास के बीच चल रहा युद्ध 2 साल बाद अब खत्म हो सकता है। इससे गाजा में शांति की उम्मीद जागी है। हमास और इजरायल के बीच गाजा में शांति की स्थापना के तहत बंधकों और कैदियों की रिहाई पर सहमति बनी है। हमास इजरायल के 20 बंधकों (जीवित) को रिहा करेगा तो इजरायल भी करीब 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों को आजाद करेगा। गाजा में शांति की स्थापना के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अहम् भूमिका निभा रहे हैं।

इसी सिलसिले में गत गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात की। पीएम मोदी ने गत गुरुवार को ट्रंप से फोन पर बात की और इस दौरान उन्होंने ट्रंप को गाजा में शांति प्लान की सफलता पर बधाई दी। गौरतलब है कि ट्रंप के लगातार दबाव डालने की वजह से ही इजरायल और हमास में सहमति बनी है। पीएम मोदी और ट्रंप के बीच भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड पर भी बातचीत हुई।

दोनों देशों के लीडर्स ने भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड वार्ता में हुई अच्छी प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही पीएम मोदी और ट्रंप में आने वाले हफ्तों में निकट संपर्क में रहने पर भी सहमति बनी। ऐसा होने पर दोनों देशों के संबंधों में सुधार होने की संभावना भी बढ़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भी फोन कर बधाई दी और कहा कि आतंकवाद किसी भी रूप में अस्वीकार्य है।

उधर, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पेश की गई 20 सूत्रीय गाजा शांति योजना का पहला चरण संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई पर केंद्रित है। इस समझौते पर बातचीत काहिरा में हुई जिसमें अमेरिका, इजरायल, मिस्र और कतर के अधिकारी शामिल थे।

भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की डॉ. जयशंकर से मुलाकात, बोले-

अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करीबी दोस्त भारत के खिलाफ नहीं होगा

- कहा- भूकंप के दौरान सबसे पहले मदद भारत ने की थी

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारतीय समकक्ष डॉ. जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने भारत को अफगानिस्तान का करीबी दोस्त देश बताया और दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की मांग की। मुत्तकी ने कहा कि दिल्ली आकर अच्छा लग रहा है और यह दौरा दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर करेगा। भारत और अफगानिस्तान को संपर्क बढ़ाना चाहिए।

मुत्तकी ने कहा कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी अन्य देश के खिलाफ नहीं होने देगा। अफगानी विदेश मंत्री ने कहा कि जब अफगानिस्तान में हाल ही में भूकंप आया तो सबसे पहले मदद भेजने वाला देश भारत ही था। अफगानिस्तान भारत को करीबी मित्र राष्ट्र के तौर पर देखता है। अफगानिस्तान भारत के साथ आपसी सम्मान पर आधारित रिश्ते चाहता है जिसमें व्यापारिक और लोगों के लोगों से संबंध रहें। हम ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए तैयार हैं जिससे दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हो सकें।

काबुल में भारत के तकनीकी मिशन को मिला दूतावास का दर्जा

भारत ने अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करते हुए काबुल स्थित भारतीय तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा दे दिया। इसके साथ ही भारत ने आधिकारिक रूप से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने का एलान किया। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर ने कहा कि भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत-अफगानिस्तान के करीबी संबंध अफगानिस्तान के विकास के साथ-साथ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी जरूरी हैं। इसे और मजबूत करने के लिए मुझे आज काबुल स्थित भारत के तकनीकी मिशन को भारतीय दूतावास के स्तर पर उन्नत करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी गत 9 अक्टूबर को भारत दौरे पर पहुंचे थे। उनका ये दौरा 16 अक्टूबर तक चलेगा। अगस्त, 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद यह काबुल से नई दिल्ली आने वाला पहला शीर्ष प्रतिनिधिमंडल है।

अफगानिस्तान में खनन करेंगी भारतीय कंपनियां

बैठक के दौरान भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर ने कहा कि अफगानिस्तान सरकार द्वारा भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में खनन के लिए आमंत्रित करने का हम स्वागत करते हैं। इस बार आगे चर्चा की जाएगी। व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने के हमारे साझे हित हैं। काबुल और नई दिल्ली के बीच उड़ान सेवाएं बढ़ाने का एलान करते हुए हमें खुशी हो रही है।

आतंकवाद से निपटने के समन्वित प्रयास करने होंगे

भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा कि विकास और समृद्धि के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता है। हालांकि, दोनों देशों द्वारा सीमा पार आतंकवाद के साझा खतरों का सामना किया जा रहा है। हमें आतंकवाद से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति आपकी संवेदनशीलता की हम सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद हमारे साथ आपकी एकजुटता उल्लेखनीय थी।

अमेरिका ने पाक को आधुनिक मिसाइलें देने से किया इंकार

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा झटका देते हुए आधुनिक मिसाइलें देने से इंकार कर दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान को कुछ हथियारों को उपकरण आदि की सप्लाई की जाएगी लेकिन किसी नए हथियार की डिलीवरी नहीं की जाएगी। दरअसल, मीडिया में ऐसी रिपोर्ट्स चल रही थीं कि अमेरिका पाकिस्तान को आधुनिक एडवांस्ड मीडियम रेंज एअर टू एअर मिसाइल (एएमआरएएएम) देगा।

अब अमेरिका ने ही इससे इंकार कर दिया है। अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि गत 30 सितंबर को युद्ध विभाग ने कई देशों जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है, को हथियारों के उपकरण बेचने का एलान किया था।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान को एएमआरएएएम मिसाइलों की डिलीवरी की जाएगी लेकिन ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही पाकिस्तान की मौजूदा क्षमताओं में इजाफे का भी कोई विचार नहीं है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के कई मीडिया चैनल ने दावा किया था कि अमेरिका के युद्ध विभाग ने पाकिस्तान को एएमआरएएएम मिसाइलों को बेचने की मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका के एरिजोना के टकसन में स्थित रेथियोन कंपनी पाकिस्तान को आधुनिक मिसाइलों की आपूर्ति करेगी। इन खबरों को अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की वायुसेना की सैन्य क्षमताओं में इजाफा करने के तौर पर देखा गया लेकिन अब अमेरिका ने साफ कर दिया है कि उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है।

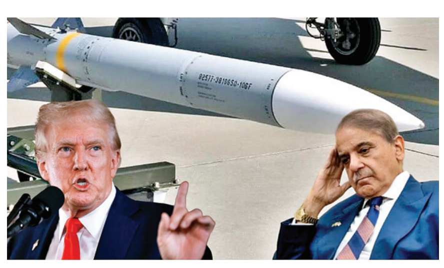

राजस्थान-एमपी के शहरों में रात का पारा 15 डिग्री तक रिकॉर्ड

पहाड़ों पर बर्फबारी, हिमाचल प्रदेश के केलांग में पारा माइनस 1 डिग्री दर्ज, मनाली-लेह हाईवे 4 दिन से बंद

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पहाड़ों पर बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में देखने को मिल रहा है। हवा का रुख बदलकर उत्तरी होने से ठंड ने दस्तक दे दी है। हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है। सुबह सर्द हवाओं के साथ हल्का कोहरा भी छाने लगा है। मध्य प्रदेश का राजगढ़ गत गुरुवार को सबसे ठंडा रहा। यहां रात का पारा 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

भोपाल का न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री गिरकर 18 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जोकि सामान्य से 2.4 डिग्री कम है। राजस्थान के सिरोही में भी रात का तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस रहा। सीकर में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री, पिलानी में 16.6 डिग्री और अजमेर में 16.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में धौलाधार की पहाड़ियों पर शुक्रवार को एवलांच हुआ। धर्मशाला के विधानसभा भवन के पास एक महिला ने पहाड़ से बर्फ खिसकने का वीडियो फोन में रिकॉर्ड किया। हिमाचल प्रदेश में लगातार 4 दिन बारिश और बर्फबारी के बाद मौसम साफ रहा। हालांकि, कुल्लू, लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चम्बा, मंडी, कांगड़ा और शिमला में बर्फ की चादर बिछी है।

लाहौल-स्पीति के केलांग में सबसे कम तापमान -1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुकुमसेरी में -0.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। शिमला में न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री और मनाली में 7.7 डिग्री दर्ज किया गया।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूरी तरह बैन लगाना असंभव : उच्चतम न्यायालय

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिवाली से कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन हटाने की याचिका पर सुनवाई की।

इस दौरान कोर्ट ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाना असंभव-सा है। यह व्यावहारिक और आदर्श नहीं है। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि ऐसे प्रतिबंधों का अक्सर उल्लंघन होता है। इसी के साथ बेंच ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को बनाने और बेचने की परमिशन देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली-एनसीआर के राज्यों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बच्चों को त्योहार मनाने दें। बिना टाइम लिमिट और रोक-टोक पटाखे फोड़ने दिए जाएं। इससे पहले 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे बनाने की मंजूरी दी थी लेकिन बिना कोर्ट की इजाजत एनसीआर में बिक्री न करने की शर्त रखी थी। दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली और उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के 16 जिले आते हैं।

बता दें कि 2017 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन लगाते हुए ग्रीन पटाखे जलाने का आदेश दिया था। इसके बाद 2018 में पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया। 2024 तक यह बैन लगा रहा लेकिन सुप्रीम कोर्ट और सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदूषण स्तर ज्यादा नहीं घटा।

लोकतंत्र व मानवाधिकारों के लिए काम करने वाली 'आयरन लेडी' अपने ही देश में रह रही हैं छिपकर

ट्रंप का सपना टूटा, वेनेजुएला की मचाडो को शांति का नोबेल प्राइज

- महिला ने सुमाते नाम से बनाया है एक संगठन

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार से चूक गए हैं। नोबेल समिति (जूरी) ने शुक्रवार को वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार-2025 देने का ऐलान किया।

इसके साथ ही ट्रंप का नोबेल पुरस्कार का सपना टूट गया। ट्रंप सार्वजनिक तौर पर इस दफा कई बार नोबेल पुरस्कार मिलने का इशारा कर चुके थे। बता दें कि नोबेल शांति पुरस्कार दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक माना जाता है और यह उन शख्सियतों या संस्थाओं को दिया जाता है जिन्होंने दुनिया में जंग या संघर्ष रुकवाने, शांति स्थापित करने और मानव अधिकारों की रक्षा करने में अहम् भूमिका निभाई हो। ट्रंप इस सम्मान के लिए नामांकित थे क्योंकि उन्हें यूक्रेन जंग व अन्य अंतरराष्ट्रीय मामलों में मध्यस्थता करने के लिए संभावित माना जा रहा था लेकिन जूरी ने वेनेजुएला में आयरन लेडी के नाम से भी मशहूर मारिया कोरिना मचाडो को यह पुरस्कार देने का फैसला किया। मचाडो ने लोकतंत्र और मानव अधिकारों के लिए लगातार काम किया है। मचाडो अपने ही देश में छिपकर रह रही हैं। नोबेल समिति ने कहा कि मचाडो ने वेनेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने में अथक प्रयास किए हैं।

उन्होंने सुमाते नाम से एक संगठन बनाया है और लोकतांत्रिक अधिकारों को मजबूत करने और तानाशाही के खिलाफ शांतिपूर्ण बदलाव लाने के लिए वह 20 सालों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की लड़ाई लड़ रही हैं। वर्ष 2024 के चुनाव से पहले मचाड विपक्ष की राष्ट्रपति प्रत्याशी थीं लेकिन वेनेजुएला की सरकार ने उनकी उम्मीदवारी रद कर दी थी।

रिपोर्ट्स में बताया गया है कि पाकिस्तान, कंबोडिया, आर्मेनिया व इजरायल सहित 8 देश डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल के लिए नामांकित कर चुके थे। हालांकि, ट्रंप इसमें पीछे रह गए।

मचाडो को मिलेंगे लगभग 10.36 करोड़ रुपए

नोबेल शांति पुरस्कार के साथ विजेता को नकद राशि भी दी जाती है। स्वीडिश क्रोना में यह राशि दी जाती है। इस साल यह राशि 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना रखी गई है। इसे अगर भारतीय रुपए में बदलें तो यह लगभग 10.36 करोड़ रुपए होंगे। इस रकम के अलावा विजेता को स्वर्ण पदक और प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाता है।

बढ़ते अंधकार में लोकतंत्र की लौ जलाए रखी है

मचाडो का नाम टाइम पत्रिका की '2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों' की लिस्ट में भी शामिल है। जूरी ने मचाडो के लिए पुरस्कार की घोषणा करते हुए उनकी शांति की एक साहसी व प्रतिबद्ध समर्थक के रूप में जमकर तारीफ की। समिति ने कहा कि मचाडो बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखती हैं।

आज का पंचांग

शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025
तिथि-पंचमी-16:48 तक
नक्षत्र-रोहिणी-15:22 तक
प्रथम करण-तैतिल-16:48 तक
द्वितीय करण-गारा-27:28 तक
पक्ष-कृष्ण
योग-व्यतिपाता-14:04 तक
सूर्योदय-06:19/सूर्यास्त-17:48
चंद्रमा-वृषभ
राहुकाल-09:11-10:38
विक्रमी सम्वत-2082
मास-कार्तिक
शक सम्वत-1947, विश्वावसु
शुभ मुहूर्त-अभिजीत-11:41-12:27

आज का राशिफल

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ)

मेष राशि के जातकों का दिन बेहद शुभ रहने वाला है। शनिवार को धनु केंद्र में कोष भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। शाम 5 बजे तक आपकी कोई महत्वपूर्ण डील फाइनल हो सकती है। इससे आपको आर्थिक लाभ होगा। राज्य में आपको मान-सम्मान मिलने की भी प्रबल संभावना दिख रही है। भौतिक विकास के भी अच्छे योग बन रहे हैं। चंद्रमा के उच्च राशि में गोचर करने से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगा। चंद्रमा शाम 5 बजकर 30 मिनट पर उच्च राशि में प्रवेश करेंगे। इसके प्रभाव से आपको मंगल कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वृषभ (इ,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो)

दिन वृष राशि के लोगों को मानसिक शांति प्रदान करने वाला रहेगा। इस दौरान आपको नई योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने का समय मिलेगा। किसी धार्मिक यात्रा के भी संयोग बनते दिख रहे हैं। इससे आपको मानसिक शांति का अहसास होगा। वहां, वृषभ राशि के लोगों को कानूनी विवादों में सफलता मिलने की संभावना है। अगर आप स्थान परिवर्तन की सोच रहे हैं तो यह योजना आपके लिए सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में आपको कुछ उलझनों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन (की,कु,घ,ङ:,छ,के,को,ह)

दिन मिथुन राशि के लोग ऊर्जा से भरे रहेंगे। दिन आपके लिए आरामदायक और मानसिक सुकून देने वाला रहेगा। रचनात्मक कार्यों को करने के लिए दिन अत्यंत उपयुक्त रहेगा। किसी क्रिएटिव प्रोजेक्ट में समय बिताने का अवसर मिलेगा जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। वहीं, अपने प्रिय काम को करने से आप ऊर्जा महसूस करेंगे। इससे आपके मन में नई योजनाओं का आगमन होगा। वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कर्क (हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो)

शनिवार का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए लाभदायक रहने वाला है। मन से किए गए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी और जल्द ही उसका परिणाम आपको देखने को मिलेगा। इस दौरान आपके अधूरे कार्य पूरे होंगे और महत्वपूर्ण चर्चाओं से लाभ होगा। कार्य स्थल का माहौल भी आपके पक्ष में रहेगा और आपको सहयोगियों का पूरा समर्थन भी मिलेगा। आपकी रचनात्मक सोच आपके काम में भी दिखेगी, जिसका आगे चलकर आपको लाभ मिलेगा।

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)

दिन सिंह राशि के जातकों के लिए अत्यधिक व्यस्त नजर आ रहा है। अध्यात्म से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में अड़चन डाल सकते हैं। ऐसे में आपको संयम बनाकर रखना होगा। आज के दिन अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें। रात का समय आपके लिए शुभ रहने वाला है। परिवार के साथ मंगलमय कार्यों में समय बिताने का मौका मिलेगा।

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण:,ठ,पे,पो)

जातकों को आज के दिन अपनी वाणी पर ध्यान रखना होगा। व्यवहार में संयम व सावधानी बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी है। आस-पास के लोगों से बेवजह का टकराव हो सकता है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि वाद-विवाद से दूरी बनाकर रखें। घर में किसी शुभ कार्य के आयोजन को लेकर चर्चा हो सकती है। आज के दिन आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

तुला (रा,री,रु,रे,रो,ता,ती,तू,ते)

दिन तुला वालों के लिए जबरदस्त लाभ देने वाला साबित होगा। आपका दिन लाभ और उन्नति देने वाला रहेगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में चल रहे विवाद के समाप्त होने की संभावना है। नए प्रोजेक्ट की शुरूआत हो सकती है। इससे आपको आर्थिक लाभ होगा। हालांकि इस दौरान जमीन-जायदाद के मामलों में पारिवारिक मतभेद उभर सकते हैं। जिसे आपको धैर्यपूर्वक संभालना होगा।

वृश्चिक (ना,नी,नु,ने,नो,या,यी,यू)

शनिदेव की कृपा से वृश्चिक राशि के जातकों का आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। इस दौरान किए गए आपके प्रयास रंग लाएंगे और लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे।

वहीं, पारिवारिक जीव की बात करें तो परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

नौकरीपेशा और व्यापारी वर्ग के लोगों को नई योजनाओं से भविष्य में लाभ होगा। इस दौरान आपको सिर्फ अपने काम पर फोकस रखना होगा।

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फ)

धनु राशि के लोगों के लिए दिन थोड़ा उथल पुथल भरा रहने वाला है। इस समय सोच-समझकर निर्णय लेने में ही आपकी भलाई है। हालंकि, व्यापार में थोड़ा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ मिल सकता है। आपके लिए दिनचर्या के कार्यों से हटकर कुछ नई शुरूआत लाभकारी साबित हो सकती है। आज के दिन आपको किसी करीबी व्यक्ति के लिए आर्थिक सहायता भी करनी पड़ सकती है।

मकर (जा,जी,जू,जे,जो,खा)

मकर राशि वालों के लिए शनिवार का दिन सामान्य रहने वाला है। इस दिन भागीदारी में किया गया व्यापार आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। आज के दिन घर के कामों को निपटाने के लिए अच्छा रहेगा। ऐसे में अगर किसी काम को लंबे समय से टाल रहे हैं तो आज उसे पूरा करना आपके लिए उत्तम रहेगा। संतान से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। ईमानदारी और नियमों का पालन करना आपके लिए आज का मूल मंत्र है।

कुंभ (गू,गे,गो,सो,सी,सू,से,सो,दा)

कुंभ राशि वालों को अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा। मौसम में परिवर्तन से संबंधित परेशानी हो सकती है। ऐसे में आपके लिए जरूरी है कि अपने खानपान में लापरवाही न बरतें।

व्यापार के क्षेत्र में आपका दिन सुखद रहेगा और नए अवसर मिलेंगे। हालांकि आपको कार्य करते समय जल्दबाजी से बचना होगा। किसी भी प्रकार की गलती आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)

जातकों का आज का दिन आज का दिन आर्थिक रूप से लाभदायक रहने वाला है। व्यापार में उठाया गया जोखिम आपको जबरदस्त लाभ दिलाएगा। हालांकि इस दौरान कुछ अड़चन भी आएंगी, लेकिन आज अपने व्यवहार से सुलझा लेंगे। पेंडिंग काम भी आज के दिन पूरे होते दिख रहे हैं। वहीं, शनि देव की कृपा से समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और परिवार के लोगों से सम्मान प्राप्त होगा। आज के दिन किसी जरूरतमंद की सहायता करने से आपको शुभ फल मिलेगा।

तुलसी के पास रखें ये शुभ चीजें, घर में बढ़ेगी सकारात्मकता और रुके हुए काम होंगे पूरे!

तुलसी का पौधा घर में खुशहाली और सकारात्मक ऊर्जा लाने वाला है। इसके पास शालिग्राम, हल्दी, गोमती चक्र, कच्चा दूध और अन्य शुभ वस्तुएं रखने से रुके हुए काम पूरे होते हैं, धन बढ़ता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है...

तुलसी का पौधा हमारे घरों में सिर्फ एक हरी पत्तियों वाला पौधा नहीं है, बल्कि इसे शुभ और पवित्र माना जाता है। पुराने समय से ही इसे परिवार की सुख-शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता रहा है। हिंदू धर्म में तुलसी का विशेष महत्व है और इसे भगवान विष्णु की शक्ति से जोड़कर पूजा जाता है।

माना जाता है कि तुलसी के पौधे के पास रखी गई कुछ चीजें न केवल घर की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाती हैं, बल्कि घर में माता लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। अगर आप चाहते हैं कि आपके रुके हुए काम जल्दी पूरे हों, आर्थिक स्थिति मजबूत हो और घर में सकारात्मक वातावरण बना रहे तो तुलसी के पास कुछ खास चीजें रखना बेहद जरूरी है।

ये उपाय सरल हैं लेकिन प्रभाव बहुत मजबूत है। तुलसी के पौधे की नियमित देखभाल, सही दिशा में इसकी स्थापना और इसके पास विशेष वस्तुएं रखना आपके जीवन में खुशहाली और सफलता लाने का आसान तरीका है। घर में तुलसी के पौधे की उपस्थिति से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और वातावरण स्वच्छ बनता है। इसके साथ ही, तुलसी के पास रखी जाने वाली चीजें न केवल आध्यात्मिक लाभ देती हैं, बल्कि वास्तु के हिसाब से भी घर में धन, सौभाग्य और समृद्धि लाने में मदद करती हैं। तुलसी की नियमित पूजा और देखभाल से जीवन में सफलता मिलती है। आइए जानते हैं ज्योतिषाचार्यों से...

तुलसी के पास शालिग्राम रखें

शालिग्राम को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है। तुलसी के पास शालिग्राम रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। इससे अटके हुए काम पूरे होने की संभावना बढ़ जाती है। यह उपाय खासतौर पर व्यापार, नौकरी और घर में सौभाग्य बढ़ाने के लिए फायदेमंद माना जाता है।

तुलसी के पौधे में हल्दी रखें

हल्दी का प्रयोग पुराने समय से ही शुभ माना जाता रहा है। तुलसी के पास हल्दी रखने से नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और घर में सकारात्मक वातावरण बनता है। इससे व्यक्ति के धन और संपत्ति बढ़ाने में मदद मिलती है। यह उपाय सरल है लेकिन असर बहुत गहरा होता है।

तुलसी के पौधे में कच्चा दूध अर्पित करें

तुलसी के पौधे में कच्चा दूध चढ़ाने से पौधा और घर दोनों पवित्र बनते हैं। यह उपाय न केवल घर की ऊर्जा को साफ करता है, बल्कि व्यक्ति के स्वास्थ्य और मानसिक शांति के लिए भी फायदेमंद है। साथ ही, रुके हुए काम समय पर पूरे होने में मदद मिलती है।

तुलसी के पास गोमती चक्र रखें

गोमती चक्र को वास्तु में शुभ और शक्ति देने वाला माना जाता है। तुलसी के पास गोमती चक्र रखने से घर में धन, सौभाग्य और समृद्धि आती है।

यह उपाय उन लोगों के लिए खास फायदेमंद है जिन्हें आर्थिक या कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ रहा हो।

तुलसी के पौधे के पास पुराने या नए सिक्के रखें

घर में तुलसी के पास कुछ पुराने या नए सिक्के रखने से धन के मार्ग खुलते हैं। यह उपाय छोटे निवेश और धन लाभ में सहायक होता है। रोजाना सिक्कों को हल्के पानी से साफ करना भी जरूरी है।

तुलसी के पास लौंग और कपूर रखें

तुलसी के पास लौंग और कपूर रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और नकारात्मक शक्तियों से सुरक्षा मिलती है। इससे घर में स्वास्थ्य और खुशहाली बनी रहती है।

तुलसी के पास लाल रंग का रेशमी कपड़ा रखें

तुलसी के पौधे के नीचे लाल रेशमी कपड़े की पट्टी रखना शुभ माना जाता है। यह उपाय घर में ऊर्जा संतुलन बनाए रखने और परिवार में सौभाग्य लाने में मदद करता है।

(यहां दी गई जानकारियां धार्मिक आस्था और लोक मान्यताओं पर आधारित हैं।)

कार्तिक मास में करें तुलसी पूजा, सुख-समृद्धि से भर जाएगा घर, पाप का होगा नाश!

कार्तिक मास में तुलसी माता की पूजा अत्यंत पवित्र मानी जाती है। तुलसी स्तोत्र से पाप नष्ट होते हैं। सुख-सौभाग्य, स्वास्थ्य और समृद्धि मिलती है...

कार्तिक मास को हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस मास में तुलसी माता की पूजा का विशेष महत्व है। तुलसी का पौधा केवल एक औषधीय पौधा ही नहीं, बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी बेहद पवित्र माना जाता है। पुराने ग्रंथों के अनुसार, तुलसी का स्तोत्र पढ़ने से व्यक्ति के जीवन के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं।

तुलसी स्तोत्र का पाठ

पद्म पुराण में लिखा है कि जो कोई भी तुलसी स्तोत्र का पाठ करता है, भगवान श्रीविष्णु उसके 32 अपराध क्षमा कर देते हैं। इसके अलावा, तुलसी स्तोत्र पढ़ने से भगवान व्यक्ति को सुख, सौभाग्य और समृद्धि प्रदान करते हैं।

जिस घर में तुलसी स्तोत्र लिखा हुआ रहता है, वहां कभी अशुभता नहीं आती और घर का हर कार्य मंगलमय होता है। विशेष रूप से द्वादशी की रात्रि में जागरण करके तुलसी स्तोत्र का पाठ करने से करोड़ों तीर्थों का पुण्यफल प्राप्त होता है।

तुलसी माता लक्ष्मी जी का रूप

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार तुलसी माता लक्ष्मी जी का रूप हैं और भगवान विष्णु की अति प्रिय हैं। इनके स्तोत्र का पाठ करने से अनंत कोटि फल प्राप्त होते हैं और सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है। ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि भगवान विष्णु बिना तुलसी के कोई भोग स्वीकार नहीं करते इसलिए शालिग्राम के ऊपर हमेशा तुलसी का पौधा रखा जाता है।

तुलसी पत्तों की महिमा

तुलसी माता की महिमा इतनी है कि उनकी उपस्थिति से भूमि पवित्र हो जाती है और उनके मुख में जल, कुमकुम और लाल पुष्प चढ़ाने से व्यक्ति को देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। कहा जाता है कि मृत्यु नजदीक होने पर भी अगर तुलसी का पत्ता मुख में रखा जाए तो अकाल मृत्यु से बचाव होता है।

तुलसी स्तोत्र के पाठ से पापों का होता है नाश

कार्तिक मास में तुलसी की पूजा विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है लेकिन सनातन धर्म के अनुसार इसे पूरे वर्ष पूजा का पात्र माना गया है।

प्रातःकाल शुभ मुहूर्त में तुलसी को जल देना, उसके पास दीप जलाना और फूल चढ़ाना अत्यंत पुण्यदायी होता है। तुलसी माता को औषधीय की रानी भी कहा जाता है क्योंकि उनके पौधे से शरीर और आत्मा दोनों को लाभ मिलता है।

इस मास में तुलसी स्तोत्र के पाठ से न केवल पापों का नाश होता है, बल्कि व्यक्ति को समृद्धि, स्वास्थ्य और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग भी मिलता है। इस प्रकार कार्तिक मास में तुलसी माता की आराधना करना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना जाता है।

(यहां दी गई जानकारियां धार्मिक आस्था और लोक मान्यताओं पर आधारित हैं।)

किस दिशा में पैर करके सोने से जीवन पर क्या होगा असर, जानें धार्मिक और वैज्ञानिक कारण

दक्षिण दिशा में पैर करके सोना धार्मिक रूप से यमराज को नाराज करता है और वैज्ञानिक रूप से चुंबकीय ऊर्जा सिर पर असर डालती है जिससे तनाव और बीमारियां बढ़ सकती हैं...

अच्छी नींद हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा है क्योंकि अनिद्रा इंसान को खोखला बना सकती है। इसके लाभ धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों हैं इसीलिए अक्सर घर के बड़े-बुजुर्ग अच्छी और सही पॉजिशन में सोने की सलाह देते हैं।

एक और सबसे जरूरी बात कि इंसान को दक्षिण दिशा की ओर पैर करके नहीं सोना चाहिए। ऐसा करना न सिर्फ धार्मिक, बल्कि वैज्ञानिक कारण से भी गलत है। अब सवाल है कि आखिर दक्षिण दिशा में पैर करके क्यों नहीं सोना चाहिए?

दक्षिण दिशा में पैर करके सोने के धार्मिक प्रभाव? दक्षिण दिशा की ओर पैर करके सोने के वैज्ञानिक कारण? आइए जानते हैं इनके बारे में...

दक्षिण दिशा में पैर करके न सोने के धार्मिक कारण

माना जाता है कि दक्षिण दिशा यम की होती है। ऐसे में यदि आप इस दिशा में पैर करके सोते हैं तो यमराज नाराज हो जाते हैं। खैर, वजह जो भी हो लेकिन दक्षिण दिशा में पैर करके सोना गलत है। इसको साइंस ने भी सही माना है।

दक्षिण दिशा में पैर करके न सोने के वैज्ञानिक कारण

विज्ञान मानती है कि रात को सोते समय हमारी बॉडी में चुंबकीय ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, यहीं से नकारात्मक ऊर्जा भी समाप्त होती है जिससे एक सुखद और अच्छी नींद आने में मदद मिलती है। साइंस के नजरिए से देखें तो ये माना जाता है कि उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव में चुंबकीय शक्ति है जोकि दक्षिणी ध्रुव से उत्तर की ओर बहती है। ऐसे में यदि कोई दक्षिण की तरफ पैर करके सोता है तो उसके शरीर की चुंबकीय ऊर्जा सिर की तरफ जाती है।

दक्षिण दिशा में पैर करके सोने के शारीरिक प्रभाव

उत्तर की ओर सिर करके यानी दक्षिण की ओर पैर करके सोने से चुंबकीय ऊर्जा पैरों की तरफ से सिर की तरफ बढ़ती है। ऐसे में इंसान जब सुबह उठता है तो वह तनाव में रहता है। घंटों तक उसे ऐसा महसूस होता कि उसकी अभी नींद पूरी नहीं हुई है।

चुंबकीय ऊर्जा का सिर पर ज्यादा प्रभाव होने की वजह से वह थका-थका-सा महसूस करता है लेकिन यदि उत्तर दिशा की तरफ पैर हों तो यह ऊर्जा पैरों से बाहर निकल जाती है जिससे लोग ज्यादा स्फूर्तिदायक और तनाव रहित महसूस करता है इसलिए दक्षिण की ओर पैर करके सोना करना गलत माना गया है।

गलत दिशा में सोने से इन बीमारियों के हो सकते हैं शिकार

दक्षिण की ओर पैर करके सोने का मतलब है कई बीमारियों को बुलावा देना। विज्ञान भी ये मानती है कि उत्तरी ध्रुव की चुंबकीय शक्ति से लोगों में सिर दर्द, नींद की समस्या, तनाव और लगातार चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि, ये बहुत ज्यादा नहीं होतीं लेकिन भविष्य में ये किसी बड़े खतरे या बीमारी का कारण भी बन सकती हैं। ऐसे में कोशिश करें कि दक्षिण की ओर पैर करके सोने से बचें।

(यहां दी गई जानकारियां धार्मिक आस्था और लोक मान्यताओं पर आधारित हैं।)

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनों संग मनाया परंपरा और अपनत्व का उत्सव करवाचौथ

करवाचौथ पर्व भारतीय परंपरा, श्रद्धा और उल्लास का संगम : रेखा गुप्ता

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आज परंपरा, श्रद्धा, उल्लास व उमंग के साथ करवाचौथ पर्व मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विशेष व्यवस्था की और वातावरण को अपनत्व से सराबोर कर दिया।

इस कार्यक्रम में देश व दिल्ली की कई महिला हस्तियां उपस्थित थी, जिन्होंने इस पर्व में पूरे मनोयोग से भागीदारी की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि राजधानी में ऐसी परंपराओं को न केवल संजोया जाए, बल्कि उन्हें और गरिमामय तरीके से मनाया जाए, क्योंकि ये पर्व हमारे समाज में पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं।

रेखा गुप्ता का मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला करवाचौथ का पर्व था, इसलिए उन्होंने अपने कैंप कार्यालय में इस पर्व को परंपरागत रूप से मनाने की पूरी तैयारी की। इस समारोह में केंद्रीय मंत्रियों की पत्नी, महिला सांसद, सांसदों, दिल्ली सरकार के मंत्रियों, महिला विधायक व पुरुष विधायकों की पत्नियां, महिला पार्षद, दिल्ली सरकार की महिला अधिकारी, विभिन्न संस्थानों व संस्थाओं से जुडी महिलाओं सहित अनेक प्रमुख महिला हस्तियां भी उपस्थित थी।

शाम को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन का वातावरण विशेष दिख रहा था, चारों ओर व्रती महिलाएं एक दूसरे को करवाचौथ की शुभकामनाएं देती नजर आ रही थीं। इस दृश्य ने तो मन को भावों से भर दिया, जब महिलाएं वहां बुजुर्ग महिलाओं के पैर छूती और आशीर्वाद लेती दिखीं।

कार्यक्रम में सबसे पहले करवाचौथ की कथा का आयोजन किया गया, जिसे सभी व्रती महिलाओं ने पूरे मनोयोग से सुना। उसके बाद वातावरण को उमंग व उल्लास से भरने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में व्रती महिलाओं ने सहभागिता दिखाई। महिलाओं का कहना था कि उन्होंने पहली बार दिल्ली में इतने मनोयोग व उमंग से करवाचौथ का पर्व मनाया है।

उनका कहना था कि यह मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का ही प्रयास है, जिन्होंने इस पर्व को विशेष बना दिया। उसके बाद जैसे ही चंद्रदेव का उदय हुआ, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अन्य महिलाओं ने पूरी परंपरा और मनोयोग के साथ अपने पतियों की दीघार्यु की कामना करते हुए इस व्रत को संपूर्ण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कि करवाचौथ भारतीय संस्कृति और नारी जीवन की महान परंपराओं का प्रतीक है।

यह पर्व केवल पति-पत्नी के बीच अटूट विश्वास और समर्पण का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे पारिवारिक मूल्यों, त्याग, प्रेम और एकता की जीवंत अभिव्यक्ति भी है।

उन्होंने कहा कि करवाचौथ का व्रत भारतीय नारी की आस्था और श्रद्धा का अद्भुत उदाहरण है, जो पति की दीघार्यु, परिवार की समृद्धि और जीवन की मंगलकामना के लिए पूरे मनोयोग और उत्साह से किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के बदलते समय में भी यह पर्व हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का सशक्त माध्यम है।

इस व्रत की सबसे सुंदर विशेषता यह है कि इसमें केवल उपवास ही नहीं, बल्कि भावनाओं का संगम, रिश्तों की ऊष्मा और परिवार के प्रति समर्पण का संदेश निहित है।

उन्होंने कहा कि करवाचौथ के अवसर पर महिलाएं सजे-धजे पारंपरिक परिधानों में जब एकत्रित होकर कथा सुनती हैं, एक-दूसरे को शुभकामनाएं देती हैं और चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत खोलती हैं, तो वह दृश्य भारतीय संस्कृति की आत्मा को जीवंत कर देता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि राजधानी में ऐसी परंपराओं को न केवल संजोया जाए, बल्कि उन्हें और गरिमामय तरीके से मनाया जाए, क्योंकि ये पर्व हमारे समाज में पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं और प्रेम, श्रद्धा व अपनत्व की भावना को और गहरा बनाते हैं।

दीपावली से पहले कारोबारियों को 694 करोड़ का रिफंड होगा जारी

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। जीएसटी की दरों में कमी का लाभ राजधानी दिल्ली के कारोबारयों को तो मिल ही रहा है। अब दिल्ली सरकार की ओर से व्यापरियों की दीपावली को और जगमग व 'लक्ष्मीमय' बनाने के लिए भी महती प्रयास जारी है, जिससे उनकी दीपावली का आनंद दोगुना हो जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि उनकी सरकार ने व्यापारी व उद्यमी को दी जाने वाली रिफंड प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। इस मद में सरकार ने अभी तक कारोबारियों की 694 करोड़ रुपये की राशि उन तक पहुंचा दी है, जो एक रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री का कहना है कि छोटे-बड़े हर व्यापारी का जीएसटी रिफंड उसे तय समय सीमा में देने के लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने जीएसटी टीम की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की है और कहा है कि संबंधित विभाग के अधिकारी जीएसटी रिफंड वापस करने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग भी कर रहे हैं, जिससे व्यापारियों के बैंक खातों में तेजी से उनकी बकाया राशि पहुंच रही है।

रिफंड के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विचारों से प्रेरित होकर व्यापार में सुगमता (इज ऑफ डुईंग बिजनेस) वाली नीति पर गंभीरता से कार्य कर रही है। इसके लिए बड़े बाजारों के पुनर्विकास की योजनाएं तैयार की जा रही है तो कारोबारी वर्ग की समस्याओं को सुलझाने और उनके कारोबार को बाधा-रहित चलाने के लिए दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड का भी गठन किया जा चुका है। उनकी सरकार मानती है कि राजधानी के कारोबारियों को व्यापार चलाने में जितनी सरलता मिलेगी, राजधानी को विकसित दिल्ली बनाने का सपना उतनी ही तेजी से पूरा होगा। इसलिए व्यापारी वर्ग का रिफंड वापस करने के लिए तेज प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि दिल्ली की पिछली सरकार ने जीएसटी रिफंड करने को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई, जिससे रिफंड राशि में लगातार बढ़ोतरी होती चली गई। लेकिन हमारी सरकार ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया और रिफंड निपटान प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए जीएसटी विभाग ने आईआईटी-हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया। यह मॉड्यूल डेटा एनालिटिक्स, डेटा ऑटोमेशन और त्वरित जांच प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे रिफंड आवेदन शीघ्रता से निपटाए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि दीपावली तक व्यापारी वर्ग तक इतना रिफंड पहुंचा दिया जाए कि उसका सरकार पर विश्वास और बढ़े, साथ ही उसकी दीपावली का पर्व भी अधिक खुशियां और आनंद लेकर आए।

एक माह में रिकॉर्ड रिफंड का भी इतिहास बना

मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार ने इस वित्तीय वर्ष से व्यापारी वर्ग का जीएसटी रिफंड वापस करने की प्रक्रिया पर गंभीरता से कार्य करना शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री के अनुसार व्यापार व कर विभाग ने इस वित्त वर्ष 2025-26 में (अप्रैल से अब तक) कुल 7375 रिफंड आवेदनों का निपटारा कर दिया है और कुल 694 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड राशि व्यापारियों के खातों में जारी कर दी गई है, जो उनका हक था। सरकार ने एक रिकॉर्ड और भी बनाया है कि उसने सितंबर माह में 227 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया, जो दिल्ली के रिफंड इतिहास में पहले कभी नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने व्यापार एवं कर विभाग के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समय पर रिफंड जारी किया जाना व्यावसायिक संस्थाओं में विश्वास पैदा करता है, साथ ही व्यापारियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को तेजी व सुगमता से कार्य करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का स्पष्ट कहना है कि छोटे-बड़े हर वर्ग के कारोबारी को जीएसटी रिफंड देने के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि सभी बकाया, निर्विवादित और वास्तविक रिफंड आवेदनों का निपटारा जल्द से जल्द किया जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार हमारी सरकार का यह भी मानना है।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया LNJP अस्पताल का औचक निरीक्षण

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली: दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने आज लोक नायक अस्पताल (छठखढ) का औचक निरीक्षण कर जमीनी हालात का जायजा लिया। मंत्री महोदय ने अस्पताल में मौजूद मेडिकल सुविधाओं और मेडिकल उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण किया। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि छठखढ अस्पताल में मौजूद सभी 80 वेंटिलेटर पूरी तरह से काम कर रहे हैं। साथ ही आपातकालीन मरीजों के उपयोग के लिए अलग से 18 वेंटिलेटर आरक्षित हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार ने छठखढ अस्पताल के इमरजेंसी विभाग, ओपीडी, ओटी समेत सभी वार्डों का मौके पर जाकर निरीक्षण करने के साथ डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ, मरीजों और उनके परिजनों को भरोसा दिया कि दिल्ली के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और विश्व स्तरीय मेडिकल सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए हमारी सरकार ने समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए सभी अस्पताल प्रबंधन को सख्त निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार राजधानी के प्रत्येक नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं और मजबूत मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने नॉन-फंक्शनल वेंटिलेटर के मुद्दे पर हो रही राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि लोक नायक अस्पताल (छठखढ) जैसे राजधानी के प्रतिष्ठित और व्यस्त अस्पताल में इतनी बड़ी संख्या में वेंटिलेटर खराब होना किसी भी सूरत में संभव नहीं है। हमारी सरकार की तरफ से मेडिकल उपकरणों की कार्यशीलता की जांच और कार्यशील होने की पुष्टि करने के लिए पिछले कई महीनों की आधिकारिक रिपोर्ट भी संकलित की गई है। दिल्ली सरकार की प्राथमिकता राजधानी के सभी नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता और राष्ट्रीय मानक के अनुरूप स्वास्थ्य सुविधाएं और मजबूत मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने बताया कि कि सेंट्रल प्रोक्योरमेंट के तहत हमारे पास 222 अतिरिक्त वेंटिलेटर उपलब्ध हैं। अगर किसी भी सरकारी अस्पताल को अतिरिक्त वेंटिलेटर की आवश्यकता होगी तो वह इस आरक्षित कोटा से वेंटिलेटर को ले सकते हैं।

मंत्री महोदय ने कहा कि कहा नॉन-फंक्शनल वेंटिलेटर के बारे में गलत और भ्रामक जानकारी प्रस्तुत की गई जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह से गलत है। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने यह भी कहा कि सरकारी अस्पतालों के लिए टफ्क्कऔर उळ स्कैन मशीनों के प्रोक्योरमेंट की प्रक्रिया प्रगति पर है। जनवरी 2026 तक दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों में टफ्क्क और उळ स्कैन मशीनों की सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि हमारी सरकार का यह कदम दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को देश में सर्वश्रेष्ठ बनाने की व्यापक सोच का हिस्सा हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने पिछली सरकार की नाकामियों पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार की 11 सालों की लापरवाही और कुप्रबंधन के बाद सब कुछ को ठीक कर व्यवस्थित करने में थोड़ा समय लगेगा। पहले सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी के साथ ही मरीजों को मुफ्त में मिलने वाली दवाइयों की कमी का भी सामना करना पड़ता था। हालात इतने खराब थे कि कई अस्पतालों में दवा के एक्सपायर्ड स्टॉक तक पाया गया। हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित करने का काम किया है कि इस तरह की कोई भी गड़बड़ी सामने नहीं पाए और दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तक में सभी जरूरी दवाइयों की आपूर्ति पर्याप्त रूप से हो सके। प्रतिबंधित कफ सिरप के मुद्दे पर डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूरे मामले पर संज्ञान लिया है। दिल्ली सरकार भी केंद्र सरकार से जारी गाइडलाइंस और निर्देशों का कड़ाई से पालन करवाने में जुटी है और आगे भी केंद्र के सभी निर्देशों के अनुसार सख्ती से कार्रवाई होगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आज मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि दिल्ली सरकार के सभी सरकारी अस्पताल हर दिन इंफ्रास्ट्रक्चर और मेडिकल सुविधाओं को लेकर और अधिक कुशल और मजबूत बन रहे हैं। पिछली सरकार में जो अंतर दिखाई देते थे, उन्हें तेजी से पाटने का काम किया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में मौजूद बेहतर होती स्वास्थ्य सुविधाएं और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर दिल्ली की जनता का फिर से विश्वास जीतने में सफल हो रही है। दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य विभाग देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कुशल मार्गदर्शन में सभी नागरिकों को सस्ती, सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बारबाडोस में 68वें कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस में विजेंद्र गुप्ता ने लिया भाग

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानवता और विकास दोनों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि थोड़ा-सा तापमान बढ़ना भी भारी वर्षा, बाढ़ और ग्लेशियरों के पिघलने जैसी प्राकृतिक आपदाओं को जन्म दे सकता है। गुप्ता ने यह बात बारबाडोस के ब्रिजटाउन में आयोजित 68वें कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री कॉन्फ्रेंस (सीपीसी) में हुई दो कार्यशालाओं में भाग लेते हुए कही। गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक

मानवीय संकट भी है, जो आजीविका, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने देशों से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और समानता की भावना के साथ मिलकर इस चुनौती का सामना करें।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह केवल पृथ्वी की रक्षा का सवाल नहीं है, बल्कि मानव गरिमा और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व का प्रश्न है। उन्होंने जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने और पर्यावरण संरक्षण को नीति निर्माण का मुख्य हिस्सा बनाने पर बल दिया।

खजूरी चौक के पास युवक की चाकू से हत्या

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के खजूरी चौक के पास खड्डुर क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उपायुक्त आशिष मिश्रा ने बताया कि 9 अक्टूबर की रात करीब 11:27 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि खजूरी चौक के पास खड्डुर इलाके में एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां एक व्यक्ति खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला, जिसके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे।

फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।

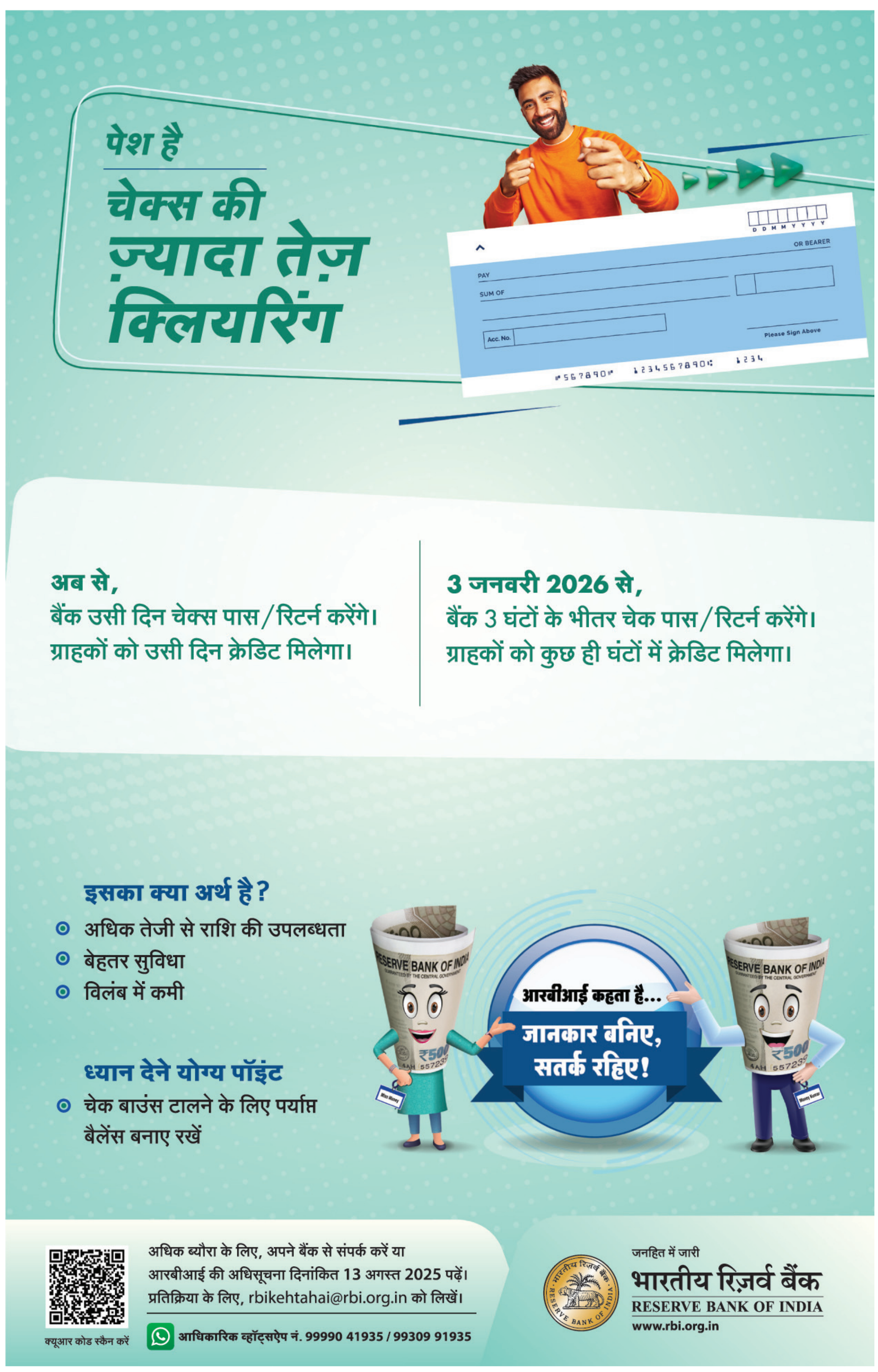

खबर एक्सप्रेस

आईएएस अफसरों ने जताया रोष

चंडीगढ़। कई वरिष्ठ आईएएस अफसरों ने आईपीएस वाई पूरन मामले पर चीफ सेक्रेटरी अनुराग रस्तोगी के सामने अपना रोष जाहिर किया। डी. सुरेश, जो हरियाणा में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी और दिल्ली स्थित हरियाणा भवन के रेजिडेंट कमिश्नर हैं, उन्होंने इस मुद्दे को सीधे उठ नायब सैनी के समक्ष उठाया। डी. सुरेश ने कहा कि, पिछले 3-4 साल से रड़ बिरादरी के अफसरों को टारगेट किया जा रहा है। एक सीनियर आईपीएस अफसर के इशारे पर सिस्टम चल रहा है। डराने-धमकाने के लिए गैंगस्टरों का सहारा लिया गया। बेनामी और झूठी शिकायतों पर कार्रवाई कर अफसरों को अरेस्ट किया गया। यह पूरे सिस्टम की नाकामी है। डी. सुरेश ने सीएम सैनी को साफ कहा कि पूरन कुमार का सुसाइड नोट सबूत है कि वे डर और दबाव में थे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। इस केस में न्याय का यही तकाजा है कि एफआईआर दर्ज हो, आरोपियों की गिरफ्तारी हो और उन्हें तत्काल सस्पेंड किया जाए। पूरन कुमार का परिवार पहले ही एफआईआर की प्रक्रिया और गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध में है। वहीं, अब SC बिरादरी के IAS और IPS अफसर भी खुलकर सामने आ रहे हैं।

आईपीएस आत्महत्या मामले में एसआईटी जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में हो: दीपेन्द्र

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के वरिष्ठ और होनहार आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार द्वारा आत्महत्या किये जाने की घटना बेहद दुखद है और इस घटना से प्रदेश ही नहीं पूरा देश स्तब्ध है। पूरा सिस्टम संदेह के घेरे में है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच तभी संभव है जब एसआईटी जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में कराई जाए। ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो और जांच में निर्धारित दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाए। इस मामले में सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि लोगों का सिस्टम पर विश्वास बने और ये तभी होगा जब न्याय मिले। निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच के बिना न्याय संभव नहीं है। आज पूरा देश, खासकर दलित वर्ग सरकार की तरफ देख रहा है कि न्याय हो और उसमें ये सुनिश्चित किया जाए कि न्याय होता हुआ दिखे साथ ही कोई इस जांच को प्रभावित न कर पाए। उन्होंने कहा कि पूरन कुमार जी के सुसाईड नोट के आधार पर उनकी पत्नी जो स्वयं वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं द्वारा दायर एफआईआर में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का नाम लिखवाया जाना व उत्पीड़न, जातिगत भेदभाव और प्रताड़ना के आरोप पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस परिवार के वरिष्ठतम अधिकारी, कानून-व्यवस्था के मुख्य-संरक्षकों पर ऐसे आरोप लगना अत्यंत गंभीर और बेहद चिंताजनक है। अब निष्पक्ष जांच से ही न्याय संभव है।

सरकार को जवाब देना होगा, बार-बार चेतावनी के बावजूद बात क्यों नहीं सुनी गई: सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एव सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार को आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले में जवाब देना होगा आखिर ऐसा क्यों हुआ, क्यों बार-बार चेतावनी देने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी? यह सरकार खुद कटघरे में खड़ी है और इसे देश के सामने जवाब देना ही होगा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि यह कोई एक दिन की बात नहीं है जिन अफसर के नाम इस पत्र में लिये गए हैं, यह वही बातें हैं जो वह पहले भी बार-बार उठाते रहे, लेकिन अफसोस की बात है कि न सरकार ने, न पूरे सिस्टम ने उनकी पीड़ा पर ध्यान दिया। उल्टा, उन्हें ही बार-बार प्रताड़ित किया गया, उनके खिलाफ कार्रवाई होती रही। आप सोचिए, एक सीनियर अफसर, जिसने पूरी ईमानदारी से अपनी सेवा दी, उसे इस हद तक मानसिक रूप से तोड़ दिया गया कि उसे लगा कि अब कोई रास्ता नहीं बचा। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं है यह पूरे तंत्र की संवेदनहीनता का उदाहरण है। उनके परिवार पर जो बीती है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनकी पत्नी अमनीत, जो खुद एक सीनियर आईएएस अधिकारी हैं, उनके बच्चे, पूरा परिवार आज सदमे में हैं। सांसद ने कहा कि पीड़ित परिवार ने सुरक्षा की मांग की है, परिवार ने एफआईआर भी दर्ज कराई है। सवाल यह है कि क्या इस देश में एक सीनियर ब्यूरोक्रेट और एक आम नागरिक की आवाज का कोई मूल्य नहीं रह गया? क्या किसी अधिकारी को इंसाफ मांगने के बदले प्रताड़ना ही मिलेगी? यह बेहद शर्मनाक है कि कार्रवाई तब हुई जब परिवार ने अंतिम संस्कार से इंकार किया। भाजपा सरकार को इस पर जवाब देना होगा। आखिर ऐसा क्यों हुआ, क्यों बार-बार चेतावनी देने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी? यह सरकार खुद कटघरे में खड़ी है और इसे देश के सामने जवाब देना ही होगा।

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में जारी आदेशों का गंभीरता से पालन करें अधिकारी: विज

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन, ऊर्जा एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में जो भी आदेश दिए जाते हैं, उनका गंभीरता से पालन किया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। मंत्री ने कई मामलों में अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए। उन्होंने पांच अलग-अलग मामलों में एसडीओ सहित जिम्मेदार कर्मचारियों, फाइनेंस कंपनी सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने के आदेश जारी किए। साथ ही एसडीओ को निलंबित करने के भी आदेश दिए। इसके अलावा उन्होंने दो मामलों में जिला कष्ट निवारण समिति सदस्यों व अधिकारियों की कमेटियों का गठन कर जांच रिपोर्ट देने व एक मामले में डीसी को जांच कर रिपोर्ट देने के आदेश दिए। मंत्री आज कैथल के आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में आयोजित जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान मंत्री अनिल विज ने 19 शिकायतों की सुनवाई की। इसमें पांच पुरानी व 14 नई शिकायतें शामिल रही। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि काम में लापरवाही और भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में शिकायत दी कि गई कि गांव धनौरी के विद्यार्थियों सरकारी बसों में सफर करते हैं क्योंकि प्राइवेट बसें पास न चलने से संबंधित थी। मामले की सुनवाई करते हुए मंत्री अनिल विज ने कहा कि वे जल्द ही इस मामले में राज्य स्तर पर बैठक लेकर निर्णय लेंगे और विद्यार्थियों को राहत पहुंचाई जाएगी। साथ ही उन्होंने जीएम रोडवेज को छात्राओं की मांग पर टोहाना कैथल रूट पर अतिरिक्त बस संचालित करने के निर्देश दिए।

रीतू को लगाया अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तुरंत प्रभाव से आईएएस अधिकारी और हरियाणा लोकायुक्त की सचिव रीतू को अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी लगाया है।

हरियाणा सरकार ने दिया तोहफा, जींद के बराड़ खेड़ा में खुलेगा उप-स्वास्थ्य केंद्र

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को सस्ती, बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए जींद जिले के गांव बराड़ खेड़ा में उप-स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मंजूरी प्रदान की है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस केंद्र के शुरू होने से अब स्थानीय लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यहां पर योग्य स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता और नर्सिंग स्टाफ की तैनाती की जाएगी। जल्द ही नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करके इस स्वास्थ्य केंद्र को आम जनता की सेवा में समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह उप-स्वास्थ्य केंद्र केवल बराड़ खेड़ा के ग्रामीणों के लिए ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों बुरा डेहर और बहबलपुर के निवासियों के लिए भी वरदान साबित होगा। अब इन गांवों के लोगों को अपने नजदीक ही जांच और इलाज की सुविधा मिल सकेगी। आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को उसके घर-द्वार पर ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि आपात स्थिति में समय पर उपचार संभव हो सके और लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके।

पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक और कदम, सेवा का अधिकार आयोग को मिलेगी व्यू ओनली लॉगिन सुविधा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सार्वजनिक सेवा वितरण में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग के तहत अधिसूचित सेवाओं की निगरानी के मकसद से व्यू ओनली लॉगिन सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों और निगमों के प्रबंध निदेशकों, मंडल आयुक्तों और उपायुक्तों को एक पत्र लिखकर आयोग को व्यू ओनली लॉगिन सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इस सुविधा से आयोग हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के तहत अधिसूचित तथा विभागीय पोर्टल या अंत्योदय सरल, विभागीय एमआईएस सिस्टम या अन्य डिजिटल इंटरफेस जैसे एकीकृत प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रदान की जा सभी सेवाओं की डिजिटल निगरानी करने में सक्षम होगा। इस पहुंच के माध्यम से आयोग पर्यवेक्षण और निगरानी उद्देश्यों के लिए सेवा वितरण की वास्तविक समय आधार पर समीक्षा कर सकेगा, जिससे सत्यापन, सुनवाई या निरीक्षण के दौरान पारदर्शिता, दक्षता और समय पर निवारण सुनिश्चित होगा। यह व्यवस्था आयोग को निर्धारित समय-सीमा के भीतर विभागीय कार्यों की पुष्टि करने की अनुमति देकर जवाबदेही को भी बढ़ावा देगी। इससे लिखित रिपोर्ट पर निर्भरता कम होगी और मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक वस्तुनिष्ठ एवं आंकड़ा-आधारित बनेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सेक्टर 24 स्थित अमनीत पी कुमार के सरकारी आवास पर पहुंचकर जताया अफसोस

आईजी पुष्पेंद्र कुमार की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय एसआईटी का गठन

- आत्म हत्या के चार दिन बाद भी उनके शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया

डॉ रविंद्र मलिक

चंडीगढ़। दिवंगत पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वाई. पूरन कुमार की कथित आत्महत्या के बाद, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), सागरप्रीत हुड्डा के निर्देशों पर चंडीगढ़, यूटी पुलिस द्वारा छह सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया है। इससे संबंधित जारी आदेशों में कहा गया है कि केस एफआईआर संख्या 156/2025 यू/एस 108/3(5) बीएनएस एंड 3(1) (आर) एससी/ एसटी (पीओए) एक्ट, पुलिस स्टेशन, सेक्टर-11 (पश्चिम), चंडीगढ़ में आरोपों की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए आईजीपी, यूटी, चंडीगढ़ की देखरेख में मामले की त्वरित, निष्पक्ष और गहन जांच करने के लिए तत्काल प्रभाव से एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। पुष्पेंद्र कुमार, आईपीएस और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी), यूटी, चंडीगढ़। आईजीपी के अलावा, एसआईटी में पांच सदस्य शामिल हैं, जिनमें कंवरदीप कौर, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, यूटी, चंडीगढ़; केएम प्रियंका, आईपीएस, एसपी/सीआईडी; चरणजीत सिंह विर्क, सीपीएस, डीएसपी/ट्रैफिक एसआईटी एफआईआर संख्या 156/2025 के सभी पहलुओं की समयबद्ध तरीके से जांच करेगी, जिसमें साक्ष्य संकलन, गवाहों की जांच, विशेषज्ञों की राय लेना, कानूनी सलाह आदि शामिल हैं, और जांच पूरी होने पर अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी।

इससे पहले, आत्महत्या मामले में गुरुवार देर रात मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, डीजीपी शत्रुघ्न कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया समेत 15 अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। सुसाइड नोट के आधार पर, चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर 11 थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 108 और 3(5) और एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(आर) के तहत एफआईआर संख्या 156 दर्ज की। हरियाणा के इतिहास में यह पहली बार है कि मुख्य सचिव और डीजीपी समेत 14 पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार, जिन्होंने कथित तौर पर एक सुसाइड नोट में वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और भेदभाव का आरोप लगाकर खुद को गोली मार ली थी, की पत्नी ने कहा है कि मामले में दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) में अधूरी जानकारी दी गई है।

शुक्रवार को चंडीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को लिखे एक पत्र में, हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव का कार्यभार संभाल रही वरिष्ठ नौकरशाह अमनीत पी. कुमार ने कहा कि उन्हें दी गई प्राथमिकी की प्रति में आरोपियों के नाम "स्पष्ट रूप से" नहीं लिखे गए हैं।

हालांकि, आईपीएस पूरन की आईएएस पत्नी अमनीत पी. कुमार ने प्राथमिकी पर आपत्ति जताई है। उन्होंने गुरुवार को चंडीगढ़ पुलिस को एक आवेदन दिया, जिसमें कहा गया कि प्राथमिकी में आरोपी अधिकारियों के नाम अलग कॉलम में नहीं लिखे गए हैं। प्राथमिकी एक निश्चित प्रारूप में लिखी जानी चाहिए। इस संबंध में उनकी चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर से तीखी बहस भी हुई है।

गौरतलब है कि भाजपा के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार ने पूरे मामले की जांच ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार को सौंपी है। पंवार ने आईजी की पत्नी से दो बार मुलाकात की और उन्हें पोस्टमॉर्टम और अंतिम संस्कार के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन अमनीत ने तब तक इनकार कर दिया जब तक उन्होंने डीजीपी को हटा नहीं दिया और रोहतक एसपी को गिरफ्तार नहीं कर लिया।

सूत्रों के अनुसार, डीजीपी शत्रुजीत कपूर को पद से हटाया जा सकता है, और एडीजीपी रैंक के तीन अधिकारी आलोक मित्तल, अरशिंदर सिंह चावला और ओपी सिंह इस पद की दौड़ में हैं। बताया गया है कि आलोक देर रात सीएम नायब सैनी के साथ बैठक में पहुंचे थे। इसके बाद यह फैसला लिया गया। सरकार ने आलोक मित्तल और अरशिंदर सिंह चावला को डीजीपी रैंक में पदोन्नत करने की मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान ने आत्महत्या मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की

चंडीगढ़। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, जो भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री का कार्यभार संभाल रहे हैं, ने हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की कथित आत्महत्या मामले की निष्पक्ष, उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच की मांग की। पत्र में कहा गया है कि हरियाणा कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार द्वारा 7 अक्टूबर, 2025 को चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर आत्महत्या कर लेने की खबर बेहद दुखद और चिंताजनक है, और इसने पूरे प्रशासनिक तंत्र और समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह सिर्फ एक अधिकारी की आत्महत्या नहीं है, बल्कि हमारे प्रशासनिक ढाँचे में व्याप्त मानसिक और जातिगत उत्पीड़न का एक भयावह संकेत है, जो आज भी समाज में जहर की तरह फैल रहा है। पत्र में आगे लिखा गया है कि यह और भी अधिक दुखद है कि एक उच्च पदस्थ अधिकारी, जिसने अपना पूरा जीवन कानून, अनुशासन और सेवा के लिए समर्पित कर दिया, अंततः इस अमानवीय व्यवस्था के आगे घुटने टेक दिए। उनके सुसाइड नोट में लिखे शब्द हमारी पूरी प्रशासनिक व्यवस्था की अंतरात्मा को झकझोर देते हैं। यह केवल हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश की प्रतिष्ठा और संवैधानिक गरिमा का प्रश्न है। आज भी यदि किसी अधिकारी को उसकी जाति, विचारधारा या निष्ठा के कारण मानसिक प्रताड़ना दी जाती है, तो यह न केवल निंदनीय है, बल्कि संविधान की आत्मा पर भी प्रहार है। पत्र में यह भी कहा गया है कि यह घटना किसी राजनीतिक या प्रशासनिक बहस का विषय नहीं, बल्कि मानवता, न्याय और समानता के मूल्यों की परीक्षा है।

डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी की गिरफ्तारी पर अड़ा आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार का परिवार

- चौथे दिन भी नहीं हुआ पोस्टमार्टम

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। आईपीएस अधिकारी वाई पुरन कुमार की आत्म हत्या के चार दिन बाद भी उनके शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया। पुरन कुमार की आईएएस पत्नी व परिवार के लोग डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनियां की गिरफ्तारी पर अड़े हुए हैं। हालांकि गुरुवार देर को चंडीगढ़ पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया। इतना ही नहीं आईजी के नेतृत्व में 6 अधिकारियों की एक कमेटी भी मामले की जांच के लिए गठित की है। आईएएस अमनीत पी कुमार ने एफआईआर पर एतराज जताया है और इसको बदलने की मांग भी की है। लेकिन चंडीगढ़ के डीजीपी एफआईआर को बदलने से मना कर दिया। अब बताया जा रहा है कि कुछ सामाजिक संगठनों के 31 लोगों की एक कमेटी बनाई गई है जो मामले में आगामी फैसला लेगी। परिवार ने भी साफ कर दिया है कि जब तक डीजीपी कपूर और नरेंद्र बिजारणिया को गिरफ्तार नहीं किया जाता तब तक न तो पोस्टमार्टम करवाया जाएगा और नहीं अंतिम संस्कार होगा।

शुक्रवार को दिन में तीन बार हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और गृह सचिव सुमिता मिश्रा अमनीत पी कुमार को मनाने के लिए उनके घर पर गए लेकिन उन्होंने साफ मना कर दिया कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती तब तक वह किसी प्रकार की बात पर अमल नहीं करेंगे।

इससे पहले गुरुवार रात को आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के सुसाइड केस में चंडीगढ़ पुलिस ने मामले में डीजीपी शत्रुजीत कपूर, रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया सहित 15 प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सेक्टर-11 थाने में 156 नंबर एफआईआर दर्ज की। इसमें भारत न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 108, 3(5) और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(आर) लगाई गई हैं।

बताया जा रहा है कि यह हरियाणा के इतिहास का पहला मौका है जब राज्य के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ सामूहिक रूप से इतनी बड़ी एफआईआर दर्ज हुई है। पुलिस के अनुसार, सुसाइड नोट को आधार मानते हुए कार्रवाई की गई।

एसआईटी गठित, आईजी के हाथ में जांच की कमान

चंडीगढ़ पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए आईजी पुष्पेंद्र कुमार की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय एसआईटी गठित कर दी है। एसआईटी को जल्दी से जल्दी सबूत जुटाने और पूरी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, जांच में पारदर्शिता बनी रहे, यही हमारी प्राथमिकता है।

परिवार का विरोध, एफआईआर के फॉर्मेट पर आपत्ति

आईपीएस पूरन कुमार की क्थर पत्नी अमनीत पी. कुमार ने एफआईआर पर गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि इसमें आरोपियों के नाम अलग कॉलम में स्पष्ट नहीं लिखे गए हैं और एफआईआर को निर्धारित फॉर्मेट में दर्ज किया जाए। परिवार की सहमति न मिलने के कारण चौथे दिन भी पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया। अमनीत का कहना है कि जब तक एफआईआर को सही तरीके से दर्ज कर भरोसा नहीं दिलाया जाएगा, तब तक वे पोस्टमॉर्टम की अनुमति नहीं देंगी।

एनसीएससी चेयरमैन ने किया हस्तक्षेप

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन अशोक मकवाना ने अमनीत पी. कुमार से मुलाकात कर कहा कि आयोग परिवार के साथ खड़ा है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। सरकार ने पूरन कुमार के परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी है। वहीं, विपक्ष ने निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग की है। राजनीतिक गलियारों से लेकर प्रशासनिक हलकों तक इस मामले ने हलचल मचा दी है।

बताया जा रहा है कि एसआईटी जल्द ही सुसाइड नोट, फोन रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की पड़ताल शुरू करेगी। परिवार की आपत्तियों को देखते हुए पुलिस पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पर विचार कर सकती है। राज्य सरकार व गृह विभाग जांच रिपोर्ट के बाद अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई तय करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्टूबर को आएंगे हरियाणा

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्तूबर, 2025को हरियाणा के सोनीपत दौरे पर आएंगे। अपने इस दौरे के दौरान वे प्रदेशवासियों को करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा हरियाणा के विकास को नई गति और दिशा प्रदान करेगा तथा विकसित भारत-विकसित हरियाणा के संकल्प को और सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री के आगामी कार्यक्रम को लेकर आज चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां समयबद्ध और समन्वित तरीके से की जाएं। उन्होंने उद्घाटन एवं शिलान्यास की जाने वाली संभावित परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम की समय-सारिणी, रूट प्लान, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन रणनीति को अंतिम रूप देने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी बुनियादी ढांचे, आयोजन स्थल की तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी हो जाएं। सभी संबंधित विभाग पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के लिए आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसलिए आमजन के लिए भी अलग से रूट प्लान किए जाएं। पार्किंग की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल के आस-पास की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा, यातायात प्रबंधन,जनसुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, स्वच्छता व्यवस्था को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में हरियाणा ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और निवेश को बढ़ावा देने वाली पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के कारण हरियाणा आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के अध्यक्ष ने अमनीत पी. कुमार से मुलाकात की

चंडीगढ़। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के अध्यक्ष अशोक मकवाना ने शुक्रवार शाम दिवंगत वाई. पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी. कुमार से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। उन्होंने परिवार के सदस्यों से लगभग डेढ़ घंटे तक बातचीत की। बातचीत के दौरान, मकवाना ने परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पवार, कांग्रेस सांसद वरुण मुलाना, कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल और आम आदमी पार्टी के सांसद एवं विधायक मालविंदर कंग सहित कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी उनसे मुलाकात की। बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की सूचना दी गया थी थी, लेकिन बाद में अज्ञात कारणों से यह कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी गई। दिल्ली के पूर्व मंत्री संदीप वाल्मीकि और रवि कुमार समेत अन्य राज्यों के दलित नेता चंडीगढ़ पहुंचे और सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो वे चंडीगढ़ में आंदोलन करेंगे और सड़कें जाम करेंगे।

केन्या के पांच दिवसीय दौरे पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

- कृषि नवाचार और तकनीकी सहयोग पर हुई सार्थक चर्चाएं

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा इन दिनों 9 से 13 अक्तूबर तक केन्या की राजधानी नैरोबी में पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। उनके साथ 20 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल भी गया है। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत और केन्या के बीच कृषि, बागवानी और कृषि उत्पादों के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग को मजबूत करना और आधुनिक कृषि तकनीकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

दौरे के दौरान शुक्रवार को हरियाणा प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान और अंतरराष्ट्रीय मक्का एवं गेहूं सुधार केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इन बैठकों में मक्का और गेहूं में नवाचार, कृषि मशीनीकरण, जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीतियों और उन्नत कृषि तकनीकों के साझा उपयोग पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में यह सहमति बनी कि दोनों देशों के कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के बीच एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू किए जाएं, ताकि कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण और नई तकनीकों के विकास में परस्पर सहयोग को बढ़ाया जा सके।

प्रतिनिधिमंडल ने केन्या नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डठउउक) के मुख्यालय का भी दौरा किया, जहां संस्था के सीईओ के साथ सौजन्य भेंट कर कृषि उत्पादों के निर्यात-आयात, बाजार विस्तार और व्यापारिक सहयोग पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि यह दौरा हरियाणा के किसानों के लिए नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य राज्य के किसानों को वैश्विक स्तर की नवीन कृषि तकनीकों और सफल मॉडलों से जोड़ना है, ताकि उत्पादन बढ़ाया जा सके और लागत में कमी लाई जा सके। उन्होंने बताया कि भारत हर प्रकार के अनाज, फल और सब्जियों का उत्पादन करता है और यही विविधता देश को वैश्विक कृषि परिदृश्य में एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में भारत ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में उसका योगदान लगातार बढ़ रहा है। राणा ने कहा, किसानों और पशुपालकों की मेहनत तथा सरकार की किसान-हितैषी नीतियों ने भारत के कृषि क्षेत्र को मजबूती दी है। आज भारत दूध का विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक है, मोटे अनाजों में अग्रणी है, जबकि चावल और गेहूं उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। फलों, सब्जियों और मत्स्य पालन में भी भारत का योगदान उल्लेखनीय है।

सेमिनार — **कुवि में बाबा बंदा सिंह बहादुर की भारतीय इतिहास को देन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित**

बाबा बंदा सिंह बहादुर का जीवन प्रेरणा स्त्रोत : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

डॉ. राजेश वधवा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग एवं पंजाबी विभाग की बाबा बंदा सिंह बहादुर चेयर के तत्वावधान में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी (पंजाबी विंग) पंचकूला, स्वतंत्रता सेनानी राजा अजीत सिंह लाडवा मेमोरियल ट्रस्ट (रजि.) तथा बाबा बंदा सिंह बहादुर सिख सम्प्रदाय भारत (रजि.) के सहयोग से बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की जयंती के उपलक्ष्य में बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की भारतीय इतिहास को देन विषय पर शुक्रवार को केयू सीनेट हॉल में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर का जीवन भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनका साहस, त्याग और बलिदान राष्ट्र निर्माण के आदर्शों को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने अपने आदर्शों के माध्यम से भारतीय संस्कृति में एक नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक और न्यायप्रिय प्रशासक भी थे। इससे पहले सभी अतिथियों का स्वागत इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. धर्मवीर ने किया। उन्होंने बाबा बंदा सिंह बहादुर को भारतीय इतिहास का महान योद्धा एवं समाज सुधारक बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। सेमिनार के मुख्य अतिथि जम्मू कश्मीर के बाबा जतिंदर पाल सिंह सोढी, दसवें वंशज व वर्तमान गद्दीनशीन, डेरा बाबा बंदा बहादुर रियासी ने केयू में बाबा बंदा सिंह बहादुर चेयर को 10 लाख रुपये अनुदान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर का योगदान न केवल सिख इतिहास तक सीमित है, बल्कि वे भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूतों में से एक थे। मुख्य वक्ता प्रो. वाइस चांसलर, देशभगत विश्वविद्यालय मंडी गोबिंदगढ़, प्रो. अमरजीत सिंह ने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने किसानों, आम जनता और वंचित वर्ग को आत्मसम्मान और स्वराज्य का अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर जी की गाथा भारतीय इतिहास की अमर धरोहर है तथा उनकी शिक्षाएं आज के समाज के लिए भी प्रासंगिक हैं। डॉ. शिव शंकर सिंह पाहवा, स. हरपाल सिंह गिल, स. लखविंदर पाल सिंह ग्रेवाल ने भी अपने विचार साझा किए। सेमिनार की रूपरेखा डॉ. कुलदीप सिंह तथा मंच संचालन डॉ. लता खेड़ा सचदेवा ने किया।

कैबिनेट मंत्री ने पंजाब राज्य मानसिक स्वास्थ्य नीति की शुरूआत की

■ यह ऐतिहासिक नीति सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को सुनिश्चित करेगी: बलबीर सिंह

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सोच के अनुरूप अपने नागरिकों की मानसिक तंदुरुस्ती सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डा. बलबीर सिंह ने आज यहां विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर पंजाब राज्य मानसिक स्वास्थ्य नीति की शुरूआत की। इस क्रांतिकारी पहल का उद्देश्य मानसिक तंदुरुस्ती को प्रोत्साहित करना और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच सुनिश्चित करना है। डा. बलबीर सिंह ने कहा कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर पंजाब सरकार द्वारा यह नीति लागू करने का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य के अधिकार को सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब राज्य मानसिक स्वास्थ्य नीति पंजाब सरकार की प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक तंदुरुस्ती और सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है। स्वास्थ्य मंत्री, जिनके साथ प्रमुख सचिव स्वास्थ्य कुमार राहुल भी मौजूद थे, ने जोर देकर कहा कि यह हमारे समाज के लिए बड़ी त्रासदी है कि अक्सर मानसिक रूप से प्रभावित व्यक्ति को बिना कुछ बताए अकेले ही कष्ट झेलना पड़ता है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं।

उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए हम मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को अपने प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल ढांचे में एकीकृत कर यह सुनिश्चित करेंगे कि मदद मांगने वाले को बिना किसी देरी के तुरंत सहायता और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सके। डा. बलबीर सिंह ने इस नीति के तहत सबसे अधिक जरूरत वाले व्यक्तियों, खासकर

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य पर शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता को उजागर किया।

उन्होंने कहा कि सामने आया है कि महिलाओं को अक्सर विभिन्न तरीकों से सामाजिक और घरेलू दबाव झेलना पड़ता है, जो उनकी मानसिक तंदुरुस्ती को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इसलिए हमारी नीति लिंग-संवेदनशील दृष्टिकोण को अनिवार्य करते हुए यह सुनिश्चित करती है कि महिलाओं को सुरक्षित, गोपनीय और सहानुभूतिपूर्ण तरीके से मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच मिले। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मानसिक तंदुरुस्ती को प्राथमिकता देना न केवल स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि एक लचीला और समानता पर आधारित समाज बनाने की नींव भी है। इस वर्ष के थीम सेवा तक पहुंचः आपदाओं और आपातकाल में मानसिक स्वास्थ्य को उजागर करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमारे राज्य ने आपरेशन सिंदूर और हाल ही में आए विनाशकारी बाढ़ जैसी गंभीर आपातकालीन स्थितियों का डटकर सामना किया है।

उन्होंने कहा कि ऐसी आपदाएं जीवन और रोजगार को बड़े नुकसान के माध्यम से गहरे मानसिक घाव देती हैं, जिससे मजबूत मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली केवल एक सेवा नहीं, बल्कि एक संपूर्ण आवश्यकता बन जाती है। उन्होंने कहा कि यह नीति विशेष रूप से ऐसे संकटकालीन समय में राज्य की स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार की गई है।डा. बलबीर सिंह ने कहा कि राज्य मानसिक स्वास्थ्य नीति समानता, न्याय और एकीकृत देखभाल जैसे सिद्धांतों पर आधारित है, जो राज्य में प्रशिक्षित मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की संख्या बढ़ाकर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता को बढ़ाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इस नीति का उद्देश्य आत्महत्या के जोखिम जैसे मामलों और अन्य संबंधित मुद्दों को कम करना और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले व्यक्तियों को समाज से जोड़कर रखना है।

सतलुज मिटाएगा नंगल वासियों की प्यास 16 करोड़ रुपये के पाइपलाइन प्रोजेक्ट की घोषणा की

■ 18 महीनों के अंदर नंगल के हर घर को मिलेगा नदी का पीने योग्य पानी

चंडीगढ़/नंगल। पीने योग्य पानी की कमी से जूझ रहे नंगल वासियों के लिए बड़ी राहत की घोषणा करते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि 16 करोड़ रुपये का पाइपलाइन जल प्रोजेक्ट लगाया जाएगा, जो सतलुज नदी से शहर के हर घर तक साफ पीने योग्य पानी की आपूर्ति करेगा। यह प्रोजेक्ट 18 महीनों के अंदर पूरा होने की उम्मीद है।इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी साझा करते हुए बैंस ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत, जिसके लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं, दो नए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे और मौजूदा प्लांटों की 4 एमएलडी क्षमता में वृद्धि की जाएगी। यह बुनियादी ढांचा अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट नंगल वासियों, जिन्होंने लंबे समय से पानी की कमी और भूमिगत जल के दूषित होने जैसी समस्याओं का सामना किया है, की दशकों पुरानी समस्या को समाप्त करेगा। हरजोत सिंह बैंस ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि नंगल के निवासियों के लिए पीने योग्य साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के हमारे प्रयासों को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि 18 महीनों के अंदर हर घर को सतलुज नदी से शुद्ध पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बहुत हैरानी की बात है कि नंगल, जहां से सतलुज नदी पंजाब में अपना प्रवाह शुरू करती है, को इतने लंबे समय तक पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि नंगल के पानी संकट को हल करने के पिछले प्रयास, जिसमें नगर परिषद द्वारा कई बोर किए गए, टिकाऊ या सुरक्षित पानी की आपूर्ति प्रदान करने में असफल रहे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र का भूमिगत जल औद्योगिक प्रदूषण के कारण बुरी तरह दूषित हो गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात को देखते हुए यहां सुरक्षित और साफ पानी की आपूर्ति के लिए ठोस समाधान की आवश्यकता महसूस हुई, जिसे नए प्रोजेक्ट के तहत सतलुज नदी से नंगल वासियों को पानी की आपूर्ति के जरिए पूरा किया जाएगा। बैंस ने नंगल के नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि यहां के निवासी सतलुज नदी के साफ पानी के हकदार हैं, जो हमेशा से उनका अधिकार था। सतलुज नदी से नंगल के निवासियों को सीधे साफ पानी की आपूर्ति का यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट लोगों को बड़े पैमाने पर लाभ पहुंचाएगा।

रजिंदर गुप्ता के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान बोले सीएम मान

त्योहारी सीजन में कानून-व्यवस्था पर सख्त नजर

■ मुख्यमंत्री ने चीफ जस्टिस पर जूती मारने की कोशिश की कड़ी आलोचना की

■ भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का उजागर बताया

■ सिद्धू के राजनीति में पुन: सक्रिय होने पर तंज कसा

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। भारत के चीफ जस्टिस पर जूती फेंकने की कोशिश की कड़ी निंदा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि यह घटिया हरकत भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का परिणाम है। राज्यसभा के लिए उम्मीदवार प्रमुख उद्योगपति रजिंदर गुप्ता द्वारा नामांकन पत्र दाखिल

करने के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अपने नफरत भरे प्रचार के माध्यम से कमजोर और पिछड़े वर्ग के लोगों के हितों को लगातार ध्वस्त करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यह घटना उसी का परिणाम है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह देश की न्याय व्यवस्था और यहां तक कि देश की धार्मिक सद्भावना और सामाजिक भाईचारे के लिए भी गंभीर खतरा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भारत के चीफ जस्टिस अपने पद पर कड़ी मेहनत और समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं और ऐसी घिनौनी हरकत वास्तव में निंदनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार त्योहारों के सीजन को ध्यान में रखते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और किसी को भी राज्य की शांति और सद्भावना भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते कई विरोधी ताकतें राज्य की शांति, प्रगति, खुशहाली और आम कानून व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास करती रहती हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि ऐसी ताकतों को सफल नहीं होने दिया जाएगा और किसी भी आपराधिक कार्रवाई का उचित जवाब दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पुलिस राज्य के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्षम है और किसी को भी कानून व्यवस्था भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि त्योहारों के दौरान वे सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से सभी पर्व मनाएं। त्योहारों के सीजन में खाद्य सामग्री में मिलावट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को इसकी जांच के लिए व्यापक अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही व्यापारियों से अपील की कि त्योहारों के दौरान बेची जाने वाली मिठाइयाँ और अन्य सामान मिलावट रहित और उच्च गुणवत्ता वाले हों। उन्होंने तंदरुस्त स्वास्थ्य पर जोर देते हुए जैविक उत्पाद अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और कहा कि इन्हें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। पूर्व मंत्री नवजोत सिद्धू के राजनीति में पुनः सक्रिय होने पर मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि कोई भी अपने समय और रुचियों के अनुसार राजनीति में शामिल या बाहर होने के लिए स्वतंत्र है। मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध पंजाबी गायक राजवीर जवंदा की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसे पंजाबी संगीत उद्योग के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने साथ ही युवा खिलाड़ी और बाडीबिल्डर वरिंदर घूमण के निधन पर भी शोक व्यक्त किया जिनका गत वीरवार को देहांत हो गया था। भगवंत सिंह मान ने दोनों नौजवानों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण घटना और राज्य के लिए बड़ी क्षति बताया।

यूनिफाइड सिटिजन पोर्टल पर उपलब्ध होंगी 848 नागरिक सेवाएं

■ सरकार ने कतारों में खड़े होने और बार-बार दस्तावेज जमा करवाने का झंझट किया खत्म

चंडीगढ़। पंजाब के सुशासित प्रशासन और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अमन अरोड़ा ने आज बताया कि पंजाब को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने और नागरिकों को पारदर्शी तथा भ्रष्टाचार-मुक्त सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब यूनिफाइड सिटिजन पोर्टल को लांच करने वाला प्रमुख राज्य बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस सिंगल-विंडो प्लेटफार्म यानी यूनिफाइड सिटिजन पोर्टल के माध्यम से राज्य के नागरिकों को विभिन्न विभागों की सरकारी सेवाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होगी। पंजाब भवन में अरोड़ा ने बताया कि सुशासित प्रशासन और सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने इस नए सिटिजन पोर्टल की व्यापक डिजाइनिंग, विकास, लागूकरण और रखरखाव के लिए ई-कनेक्ट साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 13 करोड़ रुपये का समझौता किया है।अरोड़ा ने कहा कि नया सिटिजन पोर्टल सभी सरकारी सेवाओं के लिए एक सिंगल, एकीकृत डिजिटल गेटवे होगा, जो नागरिकों को आसानी से सेवाएं प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली की मुख्य विशेषता यह होगी कि नागरिकों को सेवाएं लेने के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करवाने की झंझट से छुटकारा मिलेगा, क्योंकि इस प्रणाली के तहत संबंधित विभाग द्वारा किसी भी सेवा के लिए पहले जमा कराए गए आवश्यक दस्तावेज आटो-फेच (स्वतः प्राप्त) किए जाएंगे। एक बार जब कोई नागरिक किसी सेवा के लिए दस्तावेज अपलोड करता है, तो भविष्य में किसी भी आवेदन के लिए ये दस्तावेज स्वतः उपलब्ध होंगे। केबिनेट मंत्री ने कहा कि एकीकृत सिटिजन पोर्टल सभी सरकारी सेवाओं के लिए वन-स्टाप साल्यूशन प्रदान करेगा, जिससे नागरिकों को अलग-अलग वेबसाइटों पर विज़िट करने की आवश्यकता नहीं होगी। एआई आधारित वर्कफ़्लो प्रणाली तुरंत निर्णय लेने और सेवा प्रदान करने के समय को कम करना सुनिश्चित करेगी। अमन अरोड़ा ने बताया कि इस पहल से पंजाब सरकार लगभग 600 आफलाइन सेवाओं को आनलाइन प्लेटफार्म पर लाकर डिजिटल शासन में क्रांति लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। पंजाब सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में पारदर्शिता और जवाबदेही अधिनियम 2018 के तहत 848 सेवाओं को नोटिफाई किया गया है और 236 सेवाएं पहले ही कनेक्ट पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

खबर एक्सप्रेस

श्री गुरु तेग बहादर जी के 350वें शहीदी दिवस समारोहों के लिए प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज अपने साथी कैबिनेट मंत्रियों के साथ अमृतसर और गुरदासपुर के ज़िला प्रशासन को श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस समारोहों के लिए सुचारू प्रबंधों और बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के विस्तृत निर्देश जारी किए। बैंस ने पीडब्ल्यूडी मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ, ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री स तरुनप्रीत सिंह सौंद तथा पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली के साथ मिलकर गुरदासपुर और अमृतसर में हुई अलग-अलग बैठकों के दौरान तैयारियों की समीक्षा की। बैंस ने कहा कि पंजाब सरकार कई महीनों से श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी और उनके अटूट सिख साथियों-भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी-की अद्वितीय शहादत को श्रद्धांजलि देने के लिए व्यापक तैयारियां कर रही है। बैठक के दौरान बैंस ने दोनों ज़िलों के डिप्टी कमिश्नरों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बुनियादी ढांचा, सफाई, रोशनी, संगत के ठहरने, यातायात और सुरक्षा से जुड़े सभी प्रबंध समय से पहले पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने धार्मिक संस्थाओं और स्थानीय गुरुद्वारा कमेटियों के साथ नजदीकी तालमेल बनाए रखने के निर्देश भी दिए ताकि सभी कार्यक्रम शांति और श्रद्धा से संपन्न हों। शिक्षा मंत्री ने पीडब्ल्यूडी, ग्रामीण विकास, स्थानीय सरकार और पर्यटन विभागों को पूर्ण समन्वय से कार्य करने के आदेश दिए, ताकि नगर कीर्तन मार्गों की सुंदरता, सड़कों का उन्नयन, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था और पेयजल व पार्किंग की उचित सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने कहा, हमारा कर्तव्य है कि सेवक के रूप में हम इन पवित्र और ऐतिहासिक समारोहों को पूर्ण श्रद्धा और अनुशासन के साथ आयोजित करें। उन्होंने बताया कि चार बड़े नगर कीर्तन देश के विभिन्न हिस्सों से प्रारंभ होंगे और 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब में एकत्रित होंगे। पहला नगर कीर्तन 19 नवंबर को श्रीनगर से शुरू होकर जम्मू, पठानकोट और होशियारपुर से गुजरेगा; दूसरा गुरदासपुर से प्रारंभ होकर बटाला, बाबा बकाला और अमृतसर के रास्ते से, तीसरा फरीदकोट से फिरोजपुर, लुधियाना और श्री फतेहगढ़ साहिब होकर, और चौथा तख्त श्री दमदमा साहिब से बठिंडा, संगरूर, पटियाला और मोहाली के रास्ते से गुजरेगा। बैंस ने बताया कि अमृतसर और बाबा बकाला में कीर्तन दरबार और लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए जाएंगे, जो श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी के जीवन और शहादत को प्रदर्शित करेंगे। ऐसे शो 1 नवंबर से 18 नवंबर तक राज्य के सभी 23 ज़िलों में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि गुरु के महल (गुरु जी का जन्म स्थान) और आसपास के विरासती स्थलों की सुंदरता के लिए कार्य जारी है। बैंस ने बताया कि मुख्य समारोह 23 से 25 नवंबर तक श्री आनंदपुर साहिब में होंगे, जहां एक करोड़ से अधिक संगत के पहुंचने की उम्मीद है। चक्क नानकी नामक टेंट सिटी में प्रतिदिन 11,000 से अधिक श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था होगी। तीन दिवसीय समारोहों में अखंड पाठ साहिब, सर्व धर्म सम्मेलन, विरासत-ए-खालसा प्रदर्शनी, गुरु जी के जीवन पर ड्रोन शो और शहादत की लौ जैसे कई कार्यक्रम शामिल होंगे। नौवें गुरु साहिब की महान कुबार्नी को नमन करने के लिए भाई जेटा जी स्मारक में पहली बार पंजाब विधानसभा का ऐतिहासिक विशेष सत्र भी आयोजित किया जाएगा। बैठकों में उपस्थित अन्य प्रमुख हस्तियों में संत बाबा कश्मीर सिंह जी भूरीवाले, विधायक अमनशेर सिंह शैरी कलसी, गुरदासपुर और अमृतसर के वरिष्ठ अधिकारी, धार्मिक नेता और सिख संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल थे।बैंस ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादर साहिब जी की शहादत के ये पवित्र समारोह आने वाली पीढ़ियों को गुरु जी के शांति, करुणा और धार्मिक स्वतंत्रता के शाश्वत संदेश से प्रेरणा देंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार पूरी निष्ठा से यह सुनिश्चित कर रही है कि हर संगत को अध्यात्मिकता और प्रबंधन की सुचारू व्यवस्था का अनोखा संगम अनुभव हो।

पैसको ने मनाया 47वां स्थापना दिवस पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

चंडीगढ़। पंजाब एक्स-सर्विसमैन कापोर्रेशन (पैसको) ने आज अपना 47वां स्थापना दिवस चंडीगढ़ में बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित थे।पैसको राज्यभर में पूर्व सैनिकों को रोजगार उपलब्ध करवाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समारोह को संबोधित करते हुए पैसको के प्रबंध निदेशक, मेजर जनरल हरमनदीप सिंह (से.नि.) ने संस्था के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्य के प्रति निष्ठा और अनुशासन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत के मार्गदर्शन और नेतृत्व में पैसको पूर्व सैनिकों के कल्याण और रोजगार सृजन के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष के दौरान पैसको द्वारा 6,000 से अधिक पूर्व सैनिकों को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं, जो पंजाब सरकार की सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पैसको आगे भी पूर्व सैनिकों के लिए और अधिक रोजगार अवसर पैदा करने तथा उनके परिवारों के कल्याण के लिए सतत प्रयास करता रहेगा।

पंजाब में शहरी और ग्रामीण इलाकों में गरीबी दर हुई कम: रिपोर्ट

■ अब वर्ष 2022-23 में सिर्फ 0.6 फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे रह गए

■ गरीबी दर कम करने में सरकारी योजनाओं ने गरीब लोगों की स्थिति में सुधार में अहम भूमिका निभाई

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के लोग अपने खाने पीने और शौक के लिए जाने जाते है। पिछले एक दशक के दौरान गरीबों की संख्या घटी है। अब शहरों में सिर्फ 2.6 फीसदी लोग ही गरीब हैं। इसी तरह गांवों में भी सुधार हुआ है। ग्रामीण इलाके में वर्ष 2011-12 में 7.4 फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे थे लेकिन वर्ष 2022-23 में सिर्फ 0.6 फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे रह गए हैं। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) की रिपोर्ट में यह सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2011-12 के दौरान शहरों में 17.6 फीसदी लोग गरीबी के रेखा के नीचे थे लेकिन वर्ष 2022-23 में गरीबी में रिकार्ड स्तर की गिरावट दर्ज की गई है। सिर्फ 2.6 फीसदी ही लोग ही गरीबी रेखा के नीचे रह गए हैं। पंजाब में अब असमानता दूर हो रही है और साथ ही लोगों की प्रति व्यक्ति मासिक खपत भी बढ़ रही है जिसका सीधा असर सुधार के रूप में मिल रहा है। केंद्र और राज्य सरकारें समावेशी विकास और गरीबों के लिए आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने वाले नीतियां बनाकर भी गरीबी उन्मूलन के लिए काम कर रही हैं जिसके अच्छे नतीजे मिल रहे हैं।

शहरी गरीबी रेखा 1479 रुपये प्रति व्यक्ति हर माह थी

रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में गरीबी के पैमाने में भी बदलाव आया है। वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी रेखा 1127 और शहरी गरीबी रेखा 1479 रुपये प्रति व्यक्ति हर माह थी। वर्ष 2022-23 में यह बढ़कर ग्रामीण इलाकों में 2048 और शहरी क्षेत्रों में 2622 रुपये हो गई है। अगर ग्रामीण क्षेत्रों में कोई व्यक्ति 2048 रुपये से कम प्रति माह खर्च करता है, तभी उसे गरीब माना जाएगा। इससे साफ है कि गरीबी का पैमाना बदलने के बावजूद गरीबों की संख्या में कमी हो रही है।

सरकारी योजनाओं से भी हुआ है सुधार

मुफ्त राशन, रोजगार गारंटी व अन्य सरकारी योजनाओं ने गरीब लोगों की स्थिति में सुधार में अहम भूमिका निभाई है। शहरी क्षेत्रों में भी गरीबी दर बहुत कम है। इसका श्रेय कृषि उत्पादन, उद्योग और सरकारी योजनाओं को जाता है। गरीबी कम होने के बावजूद प्रदेश के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। इसमें बेरोजगारी, नशा, किसानों की आय बढ़ाना और आर्थिक असमानता शामिल हैं। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में अधिकतर लोग मुफ्त राशन योजना से भी बाहर हो रहे हैं। हाल ही में सरकार ने इसे लेकर दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। इसके तहत प्रदेश में जिस किसी भी घर में गाड़ी, एयर कंडीशनर (एसी) या फिर परिवार के किसी भी सदस्य के पास 2.5 एकड़ भूमि है तो उन्हें मुफ्त राशन का लाभ नहीं मिलेगा। पंजाब में फिलहाल 1.52 करोड़ लाभार्थी हैं जिन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त गेहूं मिलता है। इनमें से अब 10.28 लाख लाभार्थियों को मुफ्त राशन से हाथ धोना पड़ सकता है।

पीएसपीसीएल की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो सहनशीलता नीति

■ भ्रष्टाचार विरोधी जीरो टालरेंस नीति अपनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब राज्य पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) ने पंजाब विकास आयोग (पीडीसी) के सहयोग से पारदर्शिता और भ्रष्टाचार विरोधी जीरो टालरेंस नीति अपनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है।जून 2025 में पीएसपीसीएल द्वारा भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की शिकायतों के पंजीकरण के लिए एक समर्पित आनलाइन पोर्टल https://grms.pspcl.in शुरू किया गया था। उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए, जब भी कोई उपभोक्ता पीएसपीसीएल से नए बिजली कनेक्शन, बिल भुगतान या इसे वापस लेने, बिलों के निपटारे, सेवा संबंधी शिकायतों या बिजली बाधित होने की रिपोर्ट जैसी मुख्य सेवाएं लेना चाहता है, तो एसएमएस के माध्यम से पोर्टल का लिंक भेजा जाता है। यह पहल सुनिश्चित करती है कि उपभोक्ता पीएसपीसीएल के साथ अपनी सहभागिता के किसी भी चरण पर किसी भी अनुचित मांग या अनुचित व्यवहार की आसानी से रिपोर्ट कर सकते हैं। इसकी शुरूआत के बाद पंजाब भर में उपभोक्ताओं द्वारा कई शिकायतें दर्ज की गई हैं। निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक मामले की स्वतंत्र रूप से तीन सदस्यीय जोनल कमेटी द्वारा जांच की जाती है। जांच पूरी होने के बाद मामला सही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाती है।

18 जुलाई 2025 को संगरूर के भलवान सब-डिवीजन (धूरी डिवीजन) से एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें एक स्मार्ट मीटर को पारंपरिक मीटर से बदलने के बदले 5,000 रुपये की मांग करने का आरोप लगाया गया था। जांच से पता चला कि मीटर बदलने का आदेश नवंबर 2022 से लंबित था और इसे 17 सितंबर 2024 को बदला गया। आरोपी मीटर रीडर एक आउटसोर्स कर्मचारी था और शिकायत के समय पीएसपीसीएल में कार्यरत नहीं था। मामला एफआईआर के लिए और आगे की जांच हेतु डीसीपी नाभा को भेजा गया है। 24 अगस्त 2025 को लुधियाना के फोकल प्वाइंट से एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक आउटसोर्स मीटर रीडर ने सरकार की मुफ्त-बिजली योजना के तहत पात्रता पूरी करने के लिए अतिरिक्त यूनिटों को एडजस्ट करके बिल में हेराफेरी करने हेतु 1,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। जांच में आरोप सही पाया गया और 16 सितंबर 2025 को मीटर रीडर को नौकरी से निकाल दिया गया। लुधियाना जिले से 7 अगस्त 2025 को कनेक्शन की स्वीकृति के बावजूद मीटर न लगाने संबंधी एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। यह आरोप लगाया गया था कि जूनियर इंजीनियर ने सिस्टम रद्द होने का हवाला देते हुए फाइल को दोबारा खोलने के लिए अतिरिक्त पैसे देने की मांग की। जांच में रिश्वतखोरी साबित नहीं हो सकी और कनेक्शन की प्रक्रिया में अनुचित देरी की पुष्टि हुई। परिणामस्वरूप 26 सितंबर 2025 को अधिकारी को लापरवाही के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पीएसपीसीएल सार्वजनिक सेवा प्रदान करने में पारदर्शिता और जवाबदेही के नए मानदंड स्थापित करने के लिए भ्रष्टाचार के प्रत्येक मामले की जांच जारी रखेगा और आवश्यकतानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

चुनाव प्रक्रिया

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने तरन तारन के डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी के साथ की समीक्षा बैठक

निगरानी : तरन तारन उपचुनाव की तैयारियों का जायजा

■ चुनाव आचार संहिता को सख्ती से लागू करने और उल्लंघनों की शिकायतों का समयबद्ध निपटारा करने के निर्देश

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने शुक्रवार को तरन तारन सीट के उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए जिले के डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल, एसएसपी डा. रवजोत ग्रेवाल और अन्य जिला अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की।

बैठक के दौरान सिबिन सी ने कहा कि चूंकि तरन तारन जिला अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगा हुआ है, इसलिए और अधिक सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदान से 72, 48 और 24 घंटे पहले से लेकर चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक हर गतिविधि पर करीबी निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आचार संहिता को सख्ती से लागू किया जाए और उससे संबंधित सभी शिकायतों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारी को मतदान केंद्रों, मतगणना हाल और स्ट्रॉन्ग रूम में उचित प्रबंध और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर पेयजल, प्रतीक्षा क्षेत्र,

शौचालय और दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर आदि की व्यवस्था करने को कहा। सिबिन सी ने सभी बूथों पर कैमरे लगाकर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग सुनिश्चित करने और स्वीप गतिविधियाँ बढ़ाने के निर्देश भी दिए ताकि मतदाताओं की भागीदारी को बढ़ाया जा सके।

सिबिन सी ने एसएसपी को सुरक्षा कड़ी करने और नाकों पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी रखने के आदेश दिए ताकि नशीले पदार्थों, शराब, नकदी और अन्य सामान की अवैध तस्करी पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए नकदी या कोई अन्य वस्तु (फ्री बीज) वितरित करने की कोशिश करता है तो उसके विरुद्ध तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने सी-वीजल ऐप के प्रति जनता में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने के निर्देश भी दिए ताकि मतदाता बिना किसी भय के इस ऐप पर शिकायत दर्ज करा सकें। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी और एसएसपी ने बताया कि कुल 114 स्थानों पर 222 मतदान केंद्र (60 शहरी और 162 ग्रामीण) स्थापित किए गए हैं, जिनमें से अब तक 100 को संवेदनशील घोषित किया गया है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीकी गांवों में दर्जनभर से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां सख्त सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अब तक 1435 पुलिस कर्मी और अन्य सुरक्षा बल तैनात किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से कपूरथला और अमृतसर जिलों की सीमाओं पर 6 नाके पहले से ही स्थापित किए जा चुके हैं, जहाँ 24 घंटे हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज कराने के लिए 1950 नंबर जारी किया गया है। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए 6 फ्लाइंग स्क्वाड की टीमें अत्याधुनिक वाहनों सहित चौबीसों घंटे निगरानी में लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों और नियमों के अनुसार उपचुनाव को पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराया जाएगा। हलके में 9 माडल मतदान केंद्र और महिलाओं को समर्पित 3 विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि तरन तारन हलके में कुल 1,93,742 मतदाता हैं, जिनमें 1,01,494 पुरुष और 92,240 महिला मतदाता शामिल हैं।

पटना में छोरा, लखनऊ में ढिंढोरा

बेबाक विचार

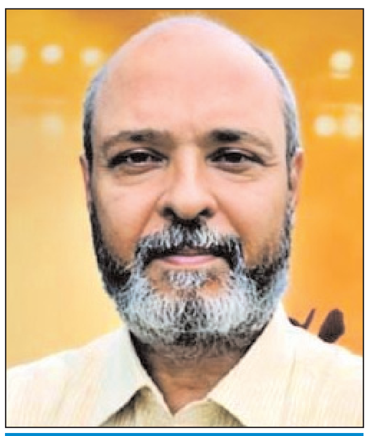

राजीव रंजन तिवारी

लखनऊ के रमाबाई रैली स्थल पर तीन से चार लाख लोगों की अनुमानित भीड़ (जिसमें बिहार, पंजाब और हरियाणा सहित पांच राज्यों के बसपा समर्थक शामिल थे) को संबोधित करते हुए मायावती ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की जमकर प्रशंसा की, जबकि सपा और कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने अपने समर्थकों से 2027 में यूपी में बसपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। यूपी की वर्तमान सरकार के प्रति उदारता दिखाते हुए मायावती ने अपने कार्यकाल के दौरान बनाए गए दलित विचारकों और प्रतीकों को समर्पित स्मारकों और पार्कों के रखरखाव के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि इन स्थलों के आगंतुकों से मिलने वाली टिकट की आय का उपयोग उनके रखरखाव के लिए किया जाए।

शीर्षक पढ़कर आप सोच रहे होंगे, ये मैंने क्या लिख दिया। जी, आपकी सोच सही है। लेकिन ये हकीकत है, फसाना नहीं। इस हकीकत को समझिए। करिश्मे के इंतजार में हकीकत की इमारत खड़ी करने की बसपा प्रमुख मायावती की सोच से सभी हतप्रभ हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। बिहार की राजधानी पटना में जबरदस्त हलचल है और मायावती लखनऊ में शोर मचा रही हैं। अब तो समझ में आ ही गया होगा कि मैंने क्यों लिखा कि पटना में छोरा और लखनऊ में ढिंढोरा। मायावती की नीति, अनीति, कुनीति, सुनीति के विश्लेषण से यह स्पष्ट हो जाएगा कि आखिर बसपा की रणनीति क्या है। आइए समझते हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने तकरीबन नौ साल के लंबे अंतराल के बाद लखनऊ के राजनीतिक परिदृश्य पर गुरुवार को विशाल रैली के साथ जोरदार दस्तक दी। बसपा के संस्थापक अध्यक्ष और उनके गुरु कांशीराम की पुण्यतिथि पर उन्होंने अपनी पार्टी के पुनरुद्धार का प्रदर्शन करते हुए राजनीतिक विमर्श को तेज किया। लखनऊ के रमाबाई रैली स्थल पर तीन से चार लाख लोगों की अनुमानित भीड़ (जिसमें बिहार, पंजाब और हरियाणा सहित पांच राज्यों के बसपा समर्थक शामिल थे) को संबोधित करते हुए मायावती ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की जमकर प्रशंसा की, जबकि सपा और कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने अपने समर्थकों से 2027 में यूपी में बसपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। यूपी की वर्तमान सरकार के प्रति उदारता दिखाते हुए मायावती ने अपने कार्यकाल के दौरान बनाए गए दलित विचारकों और प्रतीकों को समर्पित स्मारकों और पार्कों के रखरखाव के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि इन स्थलों के आगंतुकों से मिलने वाली टिकट की आय का उपयोग उनके रखरखाव के लिए किया जाए। भाजपा सरकार ने सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया और रखरखाव का खर्च वहन किया। इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करती हूं। इसके उलट, समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला और उन पर पाखंड व दोहरे मापदंड का आरोप लगाया। मायावती ने कहा कि जब वे (अखिलेश) सत्ता में होते हैं तो कांशीराम और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के एजेंडे को भूल जाते हैं। लेकिन सत्ता से बाहर होते ही उन्हें दोनों याद आने लगते हैं। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि इस तरह के दोहरे चरित्र वाले लोगों से दूर रहने की जरूरत है। मायावती ने कहा कि अगर समाजवादियों ने कांशीराम का इतना सम्मान किया तो यूपी के अलीगढ़ मंडल में जिस जिले का नाम हमने उनके नाम पर रखा था, उसे सपा सरकार ने क्यों बदल दिया? उन्होंने सपा पर कांशीराम के नाम पर बनाई गई संस्थाओं और कल्याणकारी योजनाओं को खत्म करने का भी आरोप लगाया। इसे उनकी दलित-विरोधी और जातिवादी मानसिकता का प्रमाण बताया। मायावती ने कांग्रेस को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कांग्रेस को नौटंकी करने वाली पार्टी करार दिया जिसने ऐतिहासिक रूप से दलितों के हितों की अनदेखी की है। आजम खान और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए मायावती ने संभावित गठबंधनों की अटकलों को खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने बसपा में आजम खान के शामिल होने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि मैं किसी से छिपकर नहीं मिलती। जब भी मैं किसी से मिलती हूं, खुलेआम मिलती हूं। वहीं दूसरी तरफ बसपा प्रमुख मायावती के आरोपों के जवाब में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा कि बहुजन समाज पार्टी का भाजपा के साथ गुप्त समझौता है। अखिलेश ने कहा कि मायावती अपने लाभ के लिए उत्पीड़कों के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित कर रही हैं। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यादव ने कहा कि चूंकि उनकी भाजपा से आंतरिक मिलीभगत जारी है, इसीलिए वे अपने उत्पीड़कों के प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सपा और पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने कांशीराम को इटावा से सांसद बनने में समर्थन दिया था। उधर, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने भी एक वीडियो संदेश जारी कर मायावती को निशाने पर लिया। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने सवाल किया कि मायावती की रैली भाजपा की रैली थी या बहुजन समाज पार्टी की रैली थी? यह फर्क करना बड़ा मुश्किल था। क्योंकि भाजपा की ओर से दिल्ली से जो स्क्रिप्ट आई थी मायावती उसे ही मंच से पढ़ रही थीं। सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि वह स्क्रिप्ट इतनी उबाऊ थी कि बसपा का काडर आधी रैली छोड़कर जाने लगा। उन्होंने कहा कि मायावती ने आरक्षण विरोधियों व संविधान विरोधियों की बड़ाई करके अपने समर्थकों को नाराज कर दिया। इसका नुकसान बसपा को आने वाले वक्त में होगा। खैर, चर्चा इस बात की है कि बिहार में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है और बसपा प्रमुख मायावती लखनऊ में सियासी हलचल मचा रही हैं। हालांकि उनकी पार्टी बिहार में भी चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटी है। बसपा के केंद्रीय प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार की देखरेख में बिहार में बसपा के कार्यकर्ता लगातार अपने अभियान को अंजाम दे रहे हैं। कहा जा रहा है कि बसपा बिहार में सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इसके लिए टिकट चाहने वालों की चयन प्रक्रिया भी आरंभ हो गई है, लेकिन मायावती की लखनऊ की रैली के निहितार्थ क्या हैं? यह समझने की कोशिश की जा रही है। जानकार मानते हैं मायावती काफी चालाक और चतुर किस्म की राजनेता हैं। उन्हें मौके पर चौका मारने आता है। यह अलग बात है कि बीते कुछ वर्षों से उनकी पार्टी गर्दिश में चल रही है। लखनऊ में 9 अक्टूबर की रैली के माध्यम से मायावती ने शायद यह संदेश देने का प्रयास किया कि बसपा में अब भी दम है। कहा जा रहा है कि मायावती को उम्मीद है कि लखनऊ में हुई रैली का संदेश बिहार विधानसभा चुनाव तक पहुंचेगा। इसके लिए धरातल पर पार्टी के केंद्रीय प्रभारी अनिल कुमार के मार्गदर्शन में बसपा कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। हकीकत यह है कि बीते करीब तेरह वर्ष में बसपा का ग्राफ लगातार गिरा है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी, बाबू सिंह कुशवाहा, लालजी वर्मा आदि कई बड़े नेताओं के पार्टी छोड़कर जाने से संगठन कमजोर हुआ है। चुनावी नतीजों पर नजर डालें तो 2014 में लोकसभा चुनाव में पार्टी शून्य पर थी जबकि 2022 में सिर्फ एक विधानसभा सीट मिली थी। सपा के खिलाफ सीधे हमलावर होकर मायावती ने भाजपा के खिलाफ मजबूती से सक्रिय और प्रभावशाली हो रहे पीडीए को कमजोर करने की कोशिश की है। जबकि योगी आदित्यनाथ सरकार की तारीफ कर एक प्रकार से सपा के अंदरखाने गठबंधन के आरोप को और मजबूत करने का ही काम किया है। इससे भाजपा के खिलाफ पीडीए में गए बसपा समर्थकों के बीच घर वापसी का अच्छा संदेश नहीं गया। हालांकि भीड़ के लिहाज से रैली की सफलता ने यह साबित किया कि बसपा का काडर अभी भी सक्रिय है। विश्लेषक मानते हैं कि अगर मायावती हर दो माह पर ऐसी रैलियां करें तो यूपी की सियासत में उसका असर दिख सकता है। इसे 2024 की हार के बाद रिवाइवल का कदम माना जा रहा है। बसपा की रणनीति को ठीक से समझने वाले कहते हैं कि यह रैली बसपा के लिए संजीवनी की तरह थी। रैली में उमड़ी भारी भीड़ ने पार्टी की प्रासंगिकता को साबित की लेकिन भाषण की रणनीति ने इसे आधा-अधूरा छोड़ दिया। मायावती ने सही कहा कि आज की भीड़ ने सारे रिकॉर्ड तोड़े, लेकिन असली परीक्षा 2027 में होगी। अगर बसपा बूथ-स्तरीय एकीकरण पर फोकस करे और गठबंधनों से दूर रहे, तो यह पीडीए वोट को सपा से छीन सकती है। वरना, यह सिर्फ एक उत्साहपूर्ण स्मृति बनकर रह जाएगी। यूपी की राजनीति में बसपा फिर से हाथी की चाल चलेगी या नहीं, यह आगामी रैलियों पर निर्भर है। वहीं दूसरी तरफ जानकार यह सवाल भी कर रहे हैं कि जब पूरे देश के राजनीतिज्ञों का ध्यान बिहार पर केंद्रित है तो मायावती यूपी में 2027 की उलटबांसी क्यों बजा रही हैं। जबकि बसपा के कई दिग्गज नेता-कार्यकर्ता बिहार में चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। मतलब यह कि मायावती बिहार के चुनाव को बहुत गंभीरता से नहीं ले रही हैं। यही वजह है कि बिहार के नेताओं-कार्यकताओं को उनके हाल छोड़ की उनकी मंशा है। आपको बता दें कि बसपा ने 9 अक्टूबर की रैली के लिए एक महीने पहले से काडर मोबिलाइजेशन का काम शुरू किया था। आकाश आनंद (मायावती के भतीजे और राष्ट्रीय समन्वयक) ने युवा नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी थी। इसमें काफी हद तक सफलता मिली। ठीक-ठाक भीड़ उमड़ने से बसपा नेताओं के चेहरे पर संतोष का भाव दिख रहा है। लखनऊ में सजे मायावती के मंच के भी अलग संकेत थे। मायावती के अलावा आकाश आनंद, आनंद कुमार, सतीश चंद्र मिश्रा और नौशाद अली जैसे प्रमुख नेता मंच पर थे। यह बसपा के सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय फॉमूर्ले को री-लॉन्च करने का संकेत था। मायावती ने करीब 3 घंटे मंच पर रहकर कार्यकताओं को संबोधित किया, जो उनके नए अंदाज का हिस्सा था। भाषण में उन्होंने यूपी के 2027 चुनावों के लिए अकेले लड़ने का ऐलान किया, साथ ही गठबंधनों को सरकार तोड़ने वाला बताते हुए गठबंधन की राजनीति को खारिज किया। बहरहाल, खबर है कि मायावती बिहार विधानसभा चुनाव में भी दमखम से उतरने वाली हैं। इसके लिए आकाश आनंद को टास्क दे दिया गया है। बहरहाल, देखते हैं कि बिहार से बसपा के लिए किस तरह का संदेश सामने आता है।

(लेखक आज समाज के संपादक हैं।)

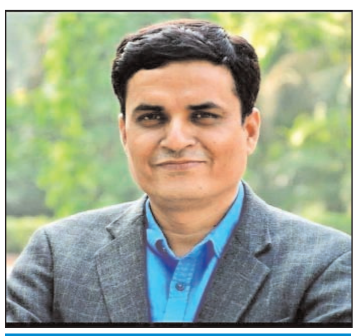

राकेश सिंह

रणनीतिकार भारत-अफगानिस्तान की इस यारी को एक कूटनीतिक साझेदारी के रूप में आंक रहे हैं। अब सवाल ये है कि इस दौरे के क्या मायने हैं? क्या भारत और अफगानिस्तान अब करीब आ रहे हैं? चीन और पाकिस्तान इससे परेशान क्यों हैं? इससे भारत को क्या फायदा होगा? आइए, पहले थोड़ी पृष्ठभूमि को समझते हैं। वर्ष 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। उसके बाद से भारत का अफगानिस्तान से रिश्ता थोड़ा ठंडा पड़ गया था। पहले अशरफ गनी की सरकार के साथ भारत के अच्छे ताल्लुकात थे। तब भारत ने वहां स्कूल, अस्पताल, सड़कें और यहां तक की पार्लियामेंट बिल्डिंग भी बनवाई थी। करीब चार बिलियन डॉलर का निवेश किया था। लेकिन अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत आने के बाद भारत ने अपनी एम्बेसी बंद कर दी। फलस्वरूप कूटनीतिक रिश्ते ठंडे बस्ते में चले गए। बावजूद इसके मानवीय मदद जारी रहा। जैसे हाल ही में भूकंप आया तो भारत ने तुरंत टेंट्स, फूड और मेडिसिन भेज दी।

भारत-अफगान की यारी या कूटनीतिक साझेदारी

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी का भारत दौरा इन दिनों खूब चर्चा में है। नौ अक्टूबर को वे दिल्ली पहुंचे। उनकी यह यात्रा यहां 16 अक्टूबर तक चलेगी। तालिबान की सरकार बनने के बाद ये किसी सीनियर अफगानिस्तानी नेता का भारत का पहला दौरा है। पहले यह संयुक्त राष्ट्र के ट्रैवल बैन की वजह से मुमकिन नहीं था, लेकिन अब संयुक्त राष्ट्र कमेटी ने अस्थायी तौर पर प्रतिबंध हटा दिया है। मुत्तकी रूस से होते हुए दिल्ली आए हैं। यहां उनका स्वागत भी काफी गर्मजोशी से हुआ। रणनीतिकार भारत-अफगानिस्तान की इस यारी को एक कूटनीतिक साझेदारी के रूप में आंक रहे हैं। अब सवाल ये है कि इस दौरे के क्या मायने हैं? क्या भारत और अफगानिस्तान अब करीब आ रहे हैं? चीन और पाकिस्तान इससे परेशान क्यों हैं? इससे भारत को क्या फायदा होगा? आइए, पहले थोड़ी पृष्ठभूमि को समझते हैं। वर्ष 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। उसके बाद से भारत का अफगानिस्तान से रिश्ता थोड़ा ठंडा पड़ गया था। पहले अशरफ गनी की सरकार के साथ भारत के अच्छे ताल्लुकात थे। तब भारत ने वहां स्कूल, अस्पताल, सड़कें और यहां तक की पार्लियामेंट बिल्डिंग भी बनवाई थी। करीब चार बिलियन डॉलर का निवेश किया था। लेकिन अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत आने के बाद भारत ने अपनी एम्बेसी बंद कर दी। फलस्वरूप कूटनीतिक रिश्ते ठंडे बस्ते में चले गए। बावजूद इसके मानवीय मदद जारी रहा। जैसे हाल ही में भूकंप आया तो भारत ने तुरंत टेंट्स, फूड और मेडिसिन भेज दी। अब मुत्तकी का दौरा एक तरह से रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने का काम कर रहा है। ये दौरा सिर्फ बैठकों के लिए नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने का मौका भी है। अफगानिस्तान को ट्रेड, इन्वेस्टमेंट और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में भारत से मदद चाहिए। भारत चाबहार पोर्ट के जरिए अफगानिस्तान को ट्रेड रूट दे सकता है, जो पाकिस्तान को बायपास करता है। अब सवाल है कि क्या भारत और अफगानिस्तान करीब आ रहे हैं? क्या मुत्तकी का ये दौरा भारत की स्ट्रैटेजिक मूव है। भारत हमेशा से अफगानिस्तान में स्थायित्व देखना चाहता है। क्योंकि अगर वहां अराजकता फैली तो आतंकी संगठन जैसे टीटीपी या आईएसआईएस-के मजबूत हो जाएंगे। उनका असर पाकिस्तान के रास्ते भारत तक दिखने लगता है। मुत्तकी के आने से भारत को अफगानिस्तान में अपनी पुरानी परियोजनाओं को फिर से शुरू करने का मौका मिल सकता है। जैसे शहतूत डैम, जो पानी की समस्या का निदान कर सकता है लेकिन पाकिस्तान को पसंद नहीं क्योंकि वह अमू दरिया नदी पर है। इसके अलावा, भारत-अफगान दूतावास में तालिबान के ऑफिशियल एनवॉय को पोस्ट करने की परमिशन दे सकता है, जो तालिबान की इंटरनेशनल पहचान की कोशिशों को बूस्ट देगा। भारत की पॉलिसी हमेशा से इंक्लूसिव रही है, हम तालिबान से बात कर रहे हैं, लेकिन महिलाओं के अधिकार और माइनॉरिटी प्रोटेक्शन पर भी जोर दे रहे हैं। मुत्तकी का यह दौरा दिखाता है कि भारत क्षेत्रीय शक्ति के तौर पर अफगानिस्तान को नजरअंदाज नहीं कर सकता। रूस, चीन और ईरान पहले से तालिबान से डील कर रहे हैं, तो भारत क्यों पीछे रहे? ये एक तरह की संतुलन बनाने की सकारात्मक नीति है। कौतूहल इस बात की है कि मुत्तकी के इस दौरे से चीन और पाकिस्तान परेशान क्यों हैं? पाकिस्तान हमेशा से अफगानिस्तान को अपना बैकयार्ड मानता रहा है। तालिबान को पाकिस्तान ने ही नर्चर किया था, लेकिन अब तालिबान पाकिस्तान की नहीं सुन रहा। टीटीपी जैसे ग्रुप अफगानिस्तान से पाकिस्तान पर हमला कर रहे हैं और पाकिस्तान का आरोप है कि तालिबान उन्हें संरक्षण दे रहा है। मुत्तकी का भारत दौरा पाकिस्तान के लिए डबल झटका है। एक तो तालिबान भारत की तरफ झुक रहा है, जो पाकिस्तान की स्ट्रैटेजिक डेप्थ थ्योरी को चुनौती देता है। दूसरा, ठीक उसी दिन जब मुत्तकी दिल्ली में थे, पाकिस्तान ने काबुल पर एयर स्ट्राइक कीं। वह भी टीटीपी नेताओं को लक्षित करते हुए। ये कोई को-इंसिडेंस नहीं लगता। पाकिस्तान शायद सिग्नल दे रहा है कि अगर तालिबान भारत से करीब जाएगा तो अंजाम भुगतेगा। पाकिस्तानी मीडिया और एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि मुत्तकी का यह दौरा पाकिस्तान के खिलाफ साजिश है, और भारत टीटीपी को आर्थिक मदद दे रहा है। पाकिस्तान को डर है कि भारत-अफगानिस्तान संबंध से सीमा पर तनाव बढ़ेगा।

कारोबार के रास्ते बंद होंगे और विस्थापितों के मामले पहले अधिक बिगड़ेंगे। अब इस मुद्दे पर चीन की चालाकी पर नजर दौड़ाते हैं। चीन अफगानिस्तान में अपने निजी हितों की रक्षा करना चाहता है। जैसे सीपीईसी का विस्तार, माइनिंग प्रोजेक्ट्स और बीआरआई। लेकिन भारत का अफगानिस्तान के करीब आना चीन की रीजनल डोमिनेंस को चुनौती देता है। चीन को डर है कि भारत अफगानिस्तान को इस्तेमाल करके पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाएगा जो चीन का करीबी साझेदार है। इसके अलावा, अगर अफगानिस्तान भारत की तरफ झुकता है तो चीन के निवेश पर रिस्क बढ़ेगा, क्योंकि तालिबान को इंटरनेशनल पहचान की जरूरत है और भारत उसमें उसकी मदद कर सकता है। कुछ रिपोर्ट्स कहती हैं कि मुत्तकी के दौरे से चीन और पाकिस्तान दोनों मिलकर कूटनीतिक दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं। जैसे बॉर्डर्स टाइट करना या ट्रेड रोकना। कुल मिलाकर, मुत्तकी का ये दौरा साउथ एशिया की जियोपॉलिटिक्स को शिफ्ट कर रहा है। पाकिस्तान और चीन को लगता है कि भारत अफगानिस्तान को अपने कैंप में खींच रहा है, जो उनके स्ट्रैटेजिक योजना को बिगाड़ सकता है। अब सबसे जरूरी सवाल कि क्या इससे भारत को फायदा होगा? जी हां। सबसे बड़ा फायदा तो सिक्योरिटी का है। अफगानिस्तान से अगर टेरर थ्रेट्स कम होंगे तो भारत की वेस्टर्न बॉर्डर सेफ रहेगी। भारत टीटीपी और आईएसआईएस-के जैसे ग्रुप्स पर इंटेलिजेंस शेयरिंग कर सकता है, जो पाकिस्तान को काउंटर करेगा। आर्थिक तौर पर भारत अफगानिस्तान को चाबहार पोर्ट के जरिए सेंट्रल एशिया से कनेक्ट कर सकता है, जो ट्रेड बूस्ट करेगा। अफगानिस्तान के मिनरल रिसोर्सेज, जैसे लिथियम, कॉपर में भारत निवेश कर सकता है, जो ईवी और टेक इंडस्ट्री के लिए जरूरी हैं। मानवीय दृष्टिकोण से भारत की छवि भी अच्छी बनेगी और अफगानी लोगों के साथ रिश्ते प्रगाढ़ होंगे। कूटनीतिक तौर पर मुत्तकी का ये दौरा भारत को रीजनल लीडर के तौर पर पोजिशन करता है। अमेरिका, रूस, चीन सब अफगानिस्तान में इंटरेस्टेड हैं, लेकिन भारत की पॉलिसी बैलेंस्ड है।

(लेखक आईटीवी नेटवर्क के प्रबंध संपादक हैं।)

प्रभुनाथ शुक्ल

राज्य विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सत्ता और विपक्ष अपनी-अपनी कमर कसता दिख रहा है। हालांकि अभी चुनाव में वक्त है, लेकिन राजनीतिक दलों ने माहौल बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां सत्ता खोना नहीं चाहती, वहीं उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी पीडीए को साधने में जुटा है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का बेहतर प्रदर्शन रहा था। इस प्रदर्शन ने भारतीय जनता पार्टी की नींद उड़ा दी थी। समाजवादी पार्टी अगर यही प्रदर्शन दोहराती है तो विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जुटे हैं और सत्ता पक्ष के काम का अक्सर विरोध करते दिखते हैं। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज हैं और वह बसपा में जा सकते हैं। इन सब अटकलें को देखकर अखिलेश यादव को आखिर आजम खान के दरबार में माथा टेकना पड़ा।

आजम के दरबार में क्यों पहुंचे अखिलेश

जेल से बाहर आने के बाद यूपी के दिग्गज नेता आजम खान और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मुलाकात आजकल बेहद चर्चा में है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में नए क्षितिज उभर रहे हैं। राज्य विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सत्ता और विपक्ष अपनी-अपनी कमर कसता दिख रहा है। हालांकि अभी चुनाव में वक्त है, लेकिन राजनीतिक दलों ने माहौल बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां सत्ता खोना नहीं चाहती, वहीं उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी पीडीए को साधने में जुटा है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का बेहतर प्रदर्शन रहा था। इस प्रदर्शन ने भारतीय जनता पार्टी की नींद उड़ा दी थी। समाजवादी पार्टी अगर यही प्रदर्शन दोहराती है तो विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जुटे हैं और सत्ता पक्ष के काम का अक्सर विरोध करते दिखते हैं। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज हैं और वह बसपा में जा सकते हैं। इन सब अटकलें को देखकर अखिलेश यादव को आखिर आजम खान के दरबार में माथा टेकना पड़ा। आजम खान के सियासी शरण में जाना अखिलेश यादव की मजबूरी है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग ही उनका जनाधार है।

पिछड़ा वर्ग में भी सभी जाति को हम शामिल नहीं कर सकते हैं। लेकिन यादव और मुसलमान अखिलेश के साथ खड़े रहते हैं। आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। समाजवादी पार्टी से अगर आजम खान किनारा करते हैं तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ कमजोर हो सकती है। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए अखिलेश यादव को आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा। आजम खान का पश्चिमी यूपी में खासा प्रभाव है। यूपी में 2011 जनगणना के अनुसार, मुसलमानों की कुल आबादी तकरीबन 20 फिसदी है। 2025 में अनुमान है कि आबादी तकरीबन साढ़े चार करोड़ पहुंच जाएगी। सबसे अहम सवाल यह है कि क्या मुसलमान आजम खान को अपना नेता मानते हैं। हालांकि यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि यूपी का मुसलमान आजम के साथ पूरी तरह खड़ा है। मुसलमानों में कई नेता हैं और सबके अपने-अपने समर्थक। सिर्फ आजम खान के इशारे पर मुसलमान नहीं खड़ा होगा। हालांकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों की अहमियत को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। इसकी वजह है कि प्रदेश के सभी राजनीतिक दल मुसलमान वोट बैंक साधने के लिए उनके साथ खड़े रहते हैं।

हालांकि यह भी सच है मुसलमान भारतीय जनता पार्टी को भी पड़े पैमाने वोटिंग करता है। भाजपा साल 2017 के चुनाव में पश्चिम के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी हुआ अपना परचम लहरा चुकी है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में तकरीबन 55 से 60 सीटों पर मुसलमानों का दबदबा है। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां कल 82 सीटों में 62 पर विजय हासिल किया था। यह चौंकाने वाला आंकड़ा था और राजनीतिक विश्लेषकों को चक्कर में डाल दिया था।

मुस्लिम सभी सियासी मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े मिले। उत्तर प्रदेश की लोकसभा में 80 सीटों में तकरीबन 20 से 22 सीटों पर मुसलमानों का प्रभाव है। इसमें सहारनपुर बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, संभल और मुजफ्फरनगर एवं रामपुर जैसे संसदीय इलाके शामिल हैं। यही कारण है कि अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने रामपुर हवेली जाना पड़ा। समाजवादी पार्टी से अगर मुस्लिम नाराज होता है तो उसके लिए बड़ी चुनौती होगी। सवाल यह भी है कि वह नाराज होकर भी कहां जाएगा। लेकिन पूरा मुसलमान सिर्फ समाजवादी पार्टी के साथ है ऐसा कहना भी मुश्किल है। वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी और भाजपा के साथ भी खड़ा मिलता है। चुनाव में यह भी ट्रेंड देखा गया है कि मुसलमान परिस्थितियों को देखते हुए अपनी वोटिंग करता है। उत्तर प्रदेश में उधर एक और सियासी घटना ने सपा के लिए नई चुनौती का जन्म दिया है। लखनऊ में काशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से आयोजित रैली से समाजवादी पार्टी की नींद उड़ गई है।

उधर, दलितों का मसीहा बनने की कोशिश कर रहे चंद्रशेखर आजाद रावण भी उलझन में है। क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी कमजोर स्थिति में नहीं। तकरीबन 10 साल बाद मायावती की राजनीतिक सक्रियता ने उनके सपने पर पानी डाल दिया है। लखनऊ में उमड़ी दलितों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि मायावती में दलित पूरी तरह आस्था रखता है। बसपा काडर बेस पार्टी है बगैर प्रचार के इतनी भारी भीड़ ने सब की नींद उड़ा दी है। मायावती ने जहां भाजपा की जमकर प्रशंसा किया वहीं अखिलेश यादव पर निशान साधा। सपा सरकार में किए गए कार्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों के साथ अखिलेश सरकार ने दोगली राजनीति की। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मायावती की सक्रियता ने अखिलेश यादव के पीडीएफ फामूर्ले को झटका दिया है। मायावती की कुछ वर्षों की निष्क्रियता से भाजपा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के बदौलत दलित को अपनी तरफ मोड़ने में कुछ कमयाब दिखीं।

हालांकि जमीनी सच्चाई यही है इस भीड़ से बसपा और दलित भले खुश हों कि बसपा तेजी से उभर रहीं है, लेकिन सिर्फ दलित वोट से वह राजनीति में वापसी नहीं कर सकती। क्योंकि मौजूदा वक्त गठबंधन के दौर का है और भारतीय जनता पार्टी इसमें सबसे सशक्त दिखाई पड़ती है। केंद्र और राज्य में उसकी सत्ता होने से इसका सीधा लाभ मिल रहा है। छोटे दल भाजपा की सत्ता में सहभागी बनकर मलाई काट रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में यह भी माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की पकड़ कमजोर हो रही थी। माना जा रहा था कि 2027 के चुनाव में भाजपा की राह आसान नहीं होगी।

जिसकी वजह से भाजपा ने मायावती को री-लांच किया है। क्योंकि मायावती ने इस रैली के दौरान भाजपा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की। जबकि अखिलेश यादव पर खूब बरसी। रैली ने समाजवादी पार्टी के लिए चुनौती बढ़ा दी है और बसपा जितना उत्तर प्रदेश में मजबूत होगी आने वाले 2027 के चुनाव में भाजपा की राह उतनी ही आसान होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। यह इनके निजी विचार हैं।)

आज समाज
RNI NO:DELHIN/2007/23083*

प्रकाशक, मुद्रक एवं कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा द्वारा मै गुडमॉर्निंग इंडिया मीडिया प्रा लिमिटेड के लिए खसरा नं 39, ग्राम-बसई ब्राहुद्दीन नगर, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (यूपी)- 201301 से एवं मै. विभा पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, डी-160बी, सेक्टर-7, नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर बी-116, ओखला फेस-1, नई दिल्ली 110020 से प्रकाशित। **संपादक : राजीव रंजन तिवारी***
* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी

दिल्ली की आम आदमी पार्टी की राह पर चल रही पीके की जन सुराज

बिहार में प्रशांत किशोर के लिए आसान नहीं है केजरीवाल जैसी कामयाबी

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर यानी पीके और उनकी जन सुराज पार्टी की जबरदस्त चर्चा है। कहा जा रहा है कि वह राजग का खेल बिगाड़ सकते हैं। शायद यही कारण है कि प्रशांत किशोर का सियासी व्यवहार भी बदला-बदला सा दिखने लगा है। एक चर्चा यह भी है कि प्रशांत किशोर चाह रहे थे कि दिल्ली में जिस तरह अरविंद केजरीवाल ने कामयाबी हासिल की थी, वैसे ही वे भी बिहार में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन लगता नहीं। बिहार की परिस्थितियां थोड़ी भिन्न है। कहा जा है कि पिछले दिनों कम से कम तीन सुलझे हुए पत्रकारों से पीके ऐसे उलझे जो उनके लिए जरूरी नहीं था। इस तरह का व्यवहार कोई भी शख्स गुस्सा या खीझ में करता है। मतलब या तो उन्हें अहसास हो गया है कि वो सत्ता में आ रहे हैं या ऐसा भी हो सकता है कि उन्हें यह पता चल गया हो कि उनकी पार्टी बहुत बुरी तरह चुनाव परिदृश्य से गायब हो रही है। सवाल है कि क्या प्रशांत किशोर ने अपनी जन सुराज पार्टी के जरिए बिहार की राजनीति में एक नया विकल्प पेश करने की जो कोशिश की है, उसमें वे कितने सफल हो रहे हैं। वे रोजगार, शिक्षा, भ्रष्टाचार-मुक्त शासन और जाति-विहीन राजनीति के मुद्दों को लेकर बिहार के लोगों को पिछले दो साल से जगा रहे हैं। जाहिर है कि उनकी रणनीति बहुत कुछ दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) की शुरूआती रणनीति से मिलती-जुलती है। केजरीवाल ने 2013 में अन्ना हजारे के आंदोलन की लहर पर सवार होकर दिल्ली में स्थापित पार्टियों (कांग्रेस-बीजेपी) को चुनौती दी और 2015 में 28/70 सीटें जीत लीं। पीके भी 2022 से 5,000 किमी की पदयात्रा कर बिहार के गांवों में घूमे, आरोप लगाए (जैसे नीतीश कुमार के मंत्रियो पर भ्रष्टाचार के आरोप) और दावा किया कि जन सुराज 2025 चुनाव में 243 में से 200 से अधिक सीटें जीतेगी। तो क्या यह समझा जाए कि प्रशांत किशोर भी अरविंद केजरीवाल की तरह बिहार में दिल्ली वाली सफलता दोहराएंगे? या उन्हें केजरीवाल बनने में अभी काफी वक्त लगेगा?दिल्ली में जाति की बजाय शहरी मध्यम वर्ग, प्रवासी मजदूर और भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन (इंडिया अगेंस्ट करप्शन) ने केजरीवाल को जबरदस्त सपोर्ट किया। दिल्ली में केजरीवाल ने फ्री बिजली-पानी जैसे त्वरित लाभ दिए और वोटर चेंज के लिए तैयार हो गए। पर बिहार में शायद स्थितियां ऐसी नहीं है। बिहार में जाति (यादव, कुशवाहा, मुस्लिम, दलित) का गणित चुनाव तय करता है। आधे से अधिक वोटर अपनी जाति के उम्मीदवार को प्राथमिकता देते हैं। पीके का 'जाति भूलो, रोजगार चुनो' नारा अच्छा लगता है, लेकिन जमीनी स्तर पर काम नहीं करता। बिहार में लालू-नीतीश-बीजेपी की बाइपोलर राजनीति है।यहां कोई शख्स पूरे चुनाव के दौरान यह कहता है कि वह जाति के नाम पर वोट नहीं डालेगा पर वोटिंग का टाइम आते आते जातीय वर्चस्व की बात आ जाती है। किसी और जाति को हराने के लिए अपनी जाति के कैंडिडेट को वोट देना मजबूरी हो जाती है। प्रशांत किशोर के बहुत से समर्थक जो आज कह रहे हैं कि वो जाति और धर्म के नाम पर वोट नहीं देंगे। लेकिन यह सच है कि वे अंतिम चरण आते-आते घोर जातिवादी और धर्मवादी हो जाएंगे। केजरीवाल एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्होंने सूचना के अधिकार को लेकर बहुत काम किया। बाद में मैग्सेसे अवॉर्ड भी मिला, अन्ना हजारे जैसे आइकॉन के सबसे करीबी बन चुके थे। आम आदमी की छवि ऐसी बनाई कि एक वक्त बीजेपी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वो सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरे थे। एक समय ऐसा था कि उन्हें देश भर से छोटे आंदोलनों को समर्थन में आने के लिए आमंत्रण मिलने लगा था।दूसरी तरफ पीके चुनावी स्ट्रैटेजिस्ट रहे हैं। उन्होंने नरेंद्र मोदी (2014), नीतीश (2015), केजरीवाल (2020), ममता (2021) सबके लिए काम किया। उनकी कंसल्टेंट के तौर पर ऐसी इमेज बनती है जो पैसा कमाने के लिए कुछ भी कर सकता है। बिहार क्रांति लाने वाले लोगों की भूमि रही है। यहां लोकनायक जयप्रकाश नारायण, लालू यादव और नीतीश कुमार जैसे क्रांतिकारी विचारधारा वाले लोगों को जनता पसंद करती रही है। शायद प्रशांत किशोर को बिहार की जनता पसंद तो करती है पर उनके लिए वो कुबार्नी को तैयार नहीं है। केजरीवाल ने दो साल के आंदोलन के बाद मजबूत संगठन बनाया। दिल्ली में 10 साल बाद भी उनको भरपूर फंडिंग मिल रही है और

उनके कार्यकर्ता एक्टिव हैं। 2013 में ही एक समय ऐसा था कि दिल्ली में हर गली-मुहल्लों में छोटी-छोटी बात के लिए आप के कार्यकर्ता टोपी पहने दिखाई देते थे। हर बात के लिए आम आदमी पार्टी की प्रेस विज्ञप्ति समाचार पत्रों के कार्यालयों में घूमती रहती थी। जबकि जनसुराज के लिए अभी ये बहुत दूर की कौड़ी है। इसके पीछे बिहार और दिल्ली के बीच क्षेत्रफल भी बहुत मायने रखता है। दिल्ली बहुत छोटी और घनी बसी हुई है। जबकि बिहार एक बहुत बड़ा स्टेट है। एक्स पर एक यूजर लिखता है कि पीके पुष्पम प्रिया 2.0 हैं। हाइप ज्यादा, क्राउड कम। तमाम सर्वे में जन सुराज को 10 से 12 प्रतिशत वोट मिलते दिख रहा है। जाहिर है कि जनसुराज को कुछ सीटें भी मिल सकती हैं पर किंगमेकर बनने की उम्मीद कम ही है। केजरीवाल के पास जन लोकपाल आंदोलन था, जो राष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ उबाल था। पीके के पास ऐसा कोई बड़ा मूवमेंट नहीं है। राहुल गांधी और तेजस्वी ने एसआईआर के खिलाफ आवाज उठाई। तेजस्वी लुभावने वादे कर रहे हैं। कांग्रेस जाति जनगणना और आरक्षण में बढ़ोतरी की राग अलाप रही है। जन स्वराज के पास इनमें से कुछ नहीं है। केजरीवाल के आंदोलनों के चलते उन्हें पूरे विश्व से सपोर्ट मिल रहा था। एक बार तो पूरे अमेरिका में 20 शहरों के सपोर्टरों को उन्होंने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करके माहौल बनाया था। देश के सबसे बड़े वकीलों के तमाम नाम, सबसे बड़े एक्टिविस्टों के कई नाम, तमाम टेक्नोक्रेट, पूर्व प्रशासनिक अफसरों की एक लंबी फेहरिस्त उनके साथ थी। किशोर भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं पर ऐसे दिग्गजों से मिल रहे समर्थन के मामले में अभी केजरीवाल से मीलों पीछे हैं। केजरीवाल की राजनीति शुरूआती दौर से ही स्कूल और हॉस्पिटल पर केंद्रित रही। पर स्थानीय राजनीति करते हुए भी उन्होंने मोदी और शाह को हिट करना नहीं छोड़ा था। वो हर रोज अपने भाषण में तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को जेल भेजने की बात करते थे। पीके भी उसी स्टाईल की राजनीति कर रहे हैं। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर मर्डर केस, अशोक चौधरी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने का अंदाज उनका लगभग वैसा ही है। पर प्रशांत किशोर आज भी नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खिलाफ उस लेवल पर नहीं जा पा रहे हैं जिस लेवल पर राहुल गांधी या तेजस्वी यादव जा रहे हैं। यही कारण है कि बीजेपी से नाराज वोटर्स को अपने पाले में कितना कर पाएंगे इसमें संदेह होता है।

बिहार में बनेगी जन सुराज की सरकारः विवेक

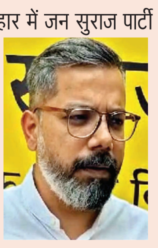

पटना। जन सुराज पार्टी के प्रवक्ता विवेक का का दावा है कि बिहार में जन सुराज पार्टी की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले चालीस वर्षों में यह पहली बार है जब लोगों के सामने जन सुराज विकल्प के रूप में खड़ी है। पहले राज्य की जनता के पास विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि लालू-नीतीश ने बिहार के दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और वंचितों का सबसे अधिक नुकसान किया है। इसका खामियाजा आज भी लोग भुगत रहे हैं। विवेक ने कहा कि बिहार के लोगों ने तय कर लिया है कि इस बार किसी भी सूरत में जन सुराज पार्टी की सरकार बनाना है।

बाढ़ पीड़ितों में पैसा बांटने के आरोप में पप्पू यादव के खिलाफ मामला दर्ज

आज समाज नेटवर्क

पटना। बिहार में विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान के बाद से सरगर्मियां लगातार जारी हैं। राज्य की 243 सीटों के लिए इलेक्शन दो चरणों में छह और 11 नवंबर होना है। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। जैसे-जैसे समय घट रहा है, सभी राजनीतिक पार्टियां धुआंधार चुनावी रैलियों में जुटना शुरू हो गई हैं। कुछ नेता चुनाव जीतने पर गंगा के बाढ़ पीड़ितों को राहत मुहैया करवाने का वादा कर रहे हैं। उधर, प्रशांत किशोर उर्फ पीके की जन सुराज पार्टी ने अपने पहले 51 उम्मीदवार की गुरुवार को पहली सूची जारी कर दी। प्रदेश में चुनावी माहौल के बीच पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव गुरुवार को गंगा के बाढ़ पीड़ितों को रुपए बांटते देखे गए हैं जिसको लेकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। सूत्रों के मुताबिक वह पिछले कल वैशाली जिले के सहदेई प्रखंड के तहत आने वाले गनियारी गांव पहुंचे थे। यहां पप्पू यादव ने गंगा के तेज कटाव से प्रभावित परिवारों को नोट बांटे हैं। इसको लेकर अचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में उनके खिलाफ वैशाली में प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल मामले में प्रशासन

या चुनाव आयोग ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। सूत्रों के अनुसार पप्पू यादव ने बाढ़ प्रभावित के परिवार को आर्थिक सहायता के तौर पर दो से तीन हजार रुपए कैश दिए हैं। रुपए वितरित करते तस्वीरें कैमरे में कैद होने बाद उनके खिलाफ शिकायत दी गई। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि पप्पू यादव सूची से नाम पढ़कर लोगों को रुपए देते देखे गए हैं। बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात के दौरान लोगों ने पप्पू यादव को अपनी परिशानियां बताई और बताया जा रहा है कि सांसद ने वहीं से इलाके के संबंधित अफसरों को फोन करके लोगों की समस्याओं को सुलझाने का आग्रह भी किया। पप्पू यादव ने बताया कि वैशाली डीएम ने फोन रिसीव नहीं किया। उन्होंने इस दौरान क्षेत्रीय सांसद चिराग पासवान और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय पर इस दौरान हमला भी बोला।

बिहार चुनाव 2025 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर बैठक

गया। बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के लिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में स्वीप अभियान के सफल आयोजन पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 40 प्रतिशत से कम मतदान वाले सभी चिह्नित मतदान केंद्रों पर व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाए। इस काम में आईसीडीएस, शिक्षा विभाग और जीविका दीदी सक्रिय भूमिका निभाएंगी, ताकि आम जनता को मतदान के लिए प्रेरित किया जा सके। जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे सभी निजी और सरकारी महाविद्यालयों व शैक्षणिक संस्थाओं में मतदाता जागरूकता अभियान चलाएं। इसका उद्देश्य नए मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, बच्चों के माध्यम से उनके माता-पिता से मतदान करने के लिए संकल्प पत्र भी प्राप्त किए जाएंगे। मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जाएगा, जिनमें साइकिल रैली, मेहंदी, रंगोली, मानव श्रृंखला, प्रभात फेरी और चौपाल शामिल हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी को झटका

जदयू के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने थामा तेजस्वी का हाथ

आज समाज नेटवर्क

पूर्णिया। बिहार की सियासत में आज एक बड़ा भूचाल आ गया। जनता दल यूनाईटेड को पूर्णिया क्षेत्र में एक तगड़ा झटका देते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व लोकसभा सांसद संतोष कुमार कुशवाहा राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने शुक्रवार को दोपहर एक बजे जदयू से इस्तीफा दे दिया। पार्टी में लंबे समय से अनदेखी झेल रहे कुशवाहा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ पटना में राजद की सदस्यता ग्रहण की। कुशवाहा के इस कदम से सीमांचल की राजनीति गरमा गई है। संतोष कुमार कुशवाहा ने जदयू छोड़ने के पीछे नेतृत्व की उपेक्षा को मुख्य कारण बताया है। दो बार सांसद रहने के बावजूद जदयू के शीर्ष नेतृत्व द्वारा संतोष कुशवाहा को दरकिनार किया जाना ही उनके इस बड़े फैसले की वजह बना। उनके करीबियों का कहना

है कि कुशवाहा राजद के टिकट पर धमदाहा विधानसभा सीट से मैदान में उतरेंगे।धमदाहा विधानसभा सीट वर्तमान में जदयू की वरिष्ठ नेत्री और राज्य सरकार में मंत्री लेसी सिंह के पास है। संतोष कुशवाहा के चुनावी मैदान में उतरने से इस सीट पर मुकाबला सीधा और बेहद कड़ा हो जाएगा। राजद का यह दांव जदयू के मजबूत किले में सेंधमारी करने की एक सोची-समझी रणनीति मानी जा रही है। सीमांचल में संतोष कुशवाहा को कोइरी समुदाय का एक बड़ा नेता माना जाता है। धमदाहा विधानसभा में मुस्लिम, यादव के साथ कोइरी समाज के मतदाताओं की संख्या भी अधिक है। राष्ट्रीय जनता दल ने संतोष कुशवाहा की नाराजगी को भरपूर भुनाया है। उन्हें पार्टी में शामिल करने से राजद को न सिर्फ धमदाहा सीट पर मजबूती मिलेगी, बल्कि यह निर्णय कुशवाहा वोट बैंक को अपने पाले में खींचने के लिए राजद की एक महत्वपूर्ण चाल भी है। बता दें कि संतोष कुशवाहा का राजनीतिक जीवन कई बार पाला बदलने वाला रहा है। पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने पहली बार 2005 में पहली बार भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा लेकिन हार गए।

वर्ष 2010 में उन्होंने बायसी विधानसभा से भाजपा के टिकट पर फिर चुनाव लड़ा। इस बार जीत कर विधायक बने। 2013 भाजपा छोड़कर जदयू में शामिल हो गए। 2014 जदयू के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने। 2019 जदयू के टिकट पर पुनः लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने। 2024 के लोकसभा चुनाव में जदयू के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे लेकिन निर्दलीय पप्पू यादव उन्हें हरा दिया। अब आज विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने चार दिन बाद ही जदयू छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए।

देश

उत्तर प्रदेश में बड़ा खेला होने के आसार

आजम खान ने यूं ही नहीं की मायावती की तारीफ

अजीत मेंदोला

नई दिल्ली। बिहार चुनाव से पूर्व उत्तर प्रदेश में बड़ा खेला होता दिखता है।सपा महासचिव आजम खान का शुक्रवार को बसपा नेत्री मायावती की तारीफ करना इसके संकेत देता है।आजम खान अभी हाल में ही जेल से छुटे हैं।एक दिन पहले ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उनसे मुलाकात की थी।संदेश देने की कोशिश की थी दोनों के बीच सब कुछ ठीक ठाक है।लेकिन अगले दिन ही आजम खान का मायावती की तारीफ करते हुए यह कहना कि मायावती नायक है जब चाहूं मिल सकता हूं।आजम खान के इस बयान के कई मायने हैं।क्योंकि एक समय ऐसा था जब आजम खान मायावती पर जमकर हमला करते थे।लेकिन उत्तर प्रदेश में बीजेपी का राज आने के बाद प्रदेश की राजनीति पूरी तरह से बदल गई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तमाम घोटालों के मामले उठा आरोपियों के खिलाफ जांच करवा कानूनी कार्रवाई की।जिसकी चपेट में आजम खान भी आए।रामपुर में कई जमीन घोटालों को लेकर उन्हें जेल जाना पड़ा।इसके बाद से उनके सपा के साथ संबंध बिगड़ने लगे। हालांकि कभी खुल कर दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ नहीं बोला।लेकिन इसी बीच खबरें आई कि आजम खान के जेल में रहते हुए उनका परिवार मायावती से मिलता रहा है।कभी किसी ने न खंडन किया और ना ही पुष्टि की।मायावती ने जरूर कहा वह जब मिलेंगी तो खुल कर मिलेंगी। राजनीतिक जानकार

आजम खान के इस बयान के कई मतलब निकाल रहे हैं।यही माना जा रहा है कि आजमखान का सपा से मोह भंग हो गया है।अगर आजम खान सपा छोड़ मायावती से हाथ मिलाते हैं तो प्रदेश की राजनीति में हलचल मचना तय है।क्योंकि अभी तक मुस्लिम वोट पूरी तरह से सपा के साथ माना जाता है।पिछले दो चुनाव में मुस्लिम वोट मायावती से छिटका है।गौर करने वाली बात यह है कि पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने भी मायावती से समझौते की कोशिश की थी लेकिन वह तैयार नहीं हुई।आजम खान के मायावती के साथ आने से मुस्लिम वोट बंट सकता है।मायावती ने सत्ता में रहते हुए अगड़ों को साधा था।अगर दलित, मुस्लिम, ओबीसी और अगड़ी जातियों की बसपा में वापसी हुई तो समाजवादी पार्टी सबसे ज्यादा संकट में आ जाएगी।बीजेपी को इससे फायदा मिल सकता है।क्योंकि मुस्लिम और दलित वोटों का विभाजन होगा।आजम खान की मुस्लिम समाज में ठीक ठाक पकड़ मानी जाती है।बिहार चुनाव से पूर्व आजम खान दल बदलते हैं तो बसपा बिहार चुनाव में उनकी मदद लेगी।मायावती की पार्टी बिहार में अकेले चुनाव लड़ रही है।लेकिन सबसे ज्यादा असर उत्तर प्रदेश की राजनीति पर पड़ेगा।क्योंकि वहां पर सवा साल बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं।

15 करोड़ का आसामी निकला PWD का पूर्व चीफ इंजीनियर

संपत्ति के वेल्युएशन में जुटी लोकायुक्त टीम, नर्मदापुरम-भोपाल में दो और संपत्तियां मिलीं

नई दिल्ली। लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को लोक निर्माण विभाग (PWD) के पूर्व चीफ इंजीनियर गोविंद प्रसाद (जीपी) मेहरा के भोपाल स्थित आवास समेत 4 ठिकानों पर छापा मारा था। शुक्रवार को उनके घर से मिले संपत्तियों और बैंक के कागजात का लोकायुक्त ने आंकलन शुरू कर दिया है। लोकायुक्त की टीम मेहरा की 8 एफडी, नर्मदापुरम में एक अन्य जमीन और भोपाल की पॉश कॉलोनी में एक और फ्लैट होने के प्रमाण मिले हैं। इस लिहाज से मेहरा की अब तक मिली कुल चल और अंचल संपत्ति की कीमत 15 करोड़ रुपए को पार कर चुकी है। जानकारी के मुताबिक लोकायुक्त टीम ने मेहरा के पूरे कार्यकाल की जानकारी ढहऊ

से पत्राचार कर मांगी है। इस पत्र के माध्यम से मेहरा के कार्यकाल के दौरान उनकी भर्ती से लेकर रिटायरमेंट तक कमाई कुल वेतन की जानकारी मांगी गई है। वे कब-कब और कहां-कहां तैनात रहे, इसकी जानकारी भी मांगी गई है। पत्राचार के माध्यम से लोकायुक्त ने रजिस्ट्रार ऑफिस से भी मेहरा और उनके परिवार के नाम दर्ज कुल संपत्तियों की जानकारी मांगी है। इसी के साथ उनके रिश्तेदारों और करीबियों जिनके नाम से जीपी मेहरा ने एग्रीमेंट अथवा संपत्तियों की खरीद फरोख्त की है, उनको भी पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

75 का दूल्हा, 45 साल की दुल्हन से की लव-मैरिज

आज समाज नेटवर्क

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गुरुवार की रात 75 साल के बुजुर्ग ने 45 साल की महिला से लव मैरिज की है। करवाचौथ से एक दिन पहले शिव मंदिर में सात फेरे लिए। वरमाला और मांग भरकर सभी रस्म निभाई। शादी के बाद बुजुर्ग अपनी मूंछों पर ताव देते नजर आया। इस दौरान पूरे मोहल्लेवासी बाराती बने। बाकायदा बाजे गाजे के साथ नाच गाकर विधि विधान से शादी कराई। बुजुर्ग पहले से शादीशुदा है, लेकिन उसकी पत्नी की कई साल पहले मौत हो चुकी है। महिला की भी ये दूसरी शादी है। पहला पति नशे में मारपीट करता था, इसलिए 10 साल पहले उसे छोड़ दिया था। दरअसल, मामला सरकंडा के चिंगराजपारा अटल आवास क्षेत्र का है। जहां मजदूरी का काम करने वाले 75 साल के दादू राम गंधर्व का दिल मोहल्ले के ही रहने वाली आरती

त्रिवेदी (45) पर आ गया। युवती ने भी दादू राम के प्यार को स्वीकार किया। प्यार परवान चढ़ा, तो दोनों ने शादी कर साथ में जीवन बिताने का फैसला लिया। फैसले को हकीकत में बदलने का दिन आया, तो गुरुवार की रात दोनों ने पूरे विधि विधान से शादी की। खास बात यह रही कि इस अनोखे प्रेम विवाह का गवाह पूरा मोहल्ला बना। बाजे-गाजे और नाच-गाने के साथ मोहल्ले के लोग शादी में शामिल हुए और दोनों को नवविवाहित जीवन की बधाई दी। यह शादी लोगों को हैरान जरूर कर गई, लेकिन दोनों के प्यार को देखकर लोग उत्साहित और खुश भी नजर आए। महिला ने बताया कि उनकी पहली शादी 1993 में हुई थी। पति शराब पीकर विवाद करता था। इसलिए 10 साल पहले उसको छोड़ दी थी। इसके बाद से अकेले जिंदगी काट रही थी। उनके 2 बच्चे भी हैं। बेटी की शादी हो चुकी है।

चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर किया गया मॉक ड्रिल

ट्रेन की खिड़की काटकर निकाले गए यात्री, अस्थाई मेडिकल कैंप में किया गया इलाज

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। सायरन बजते ही स्टेशन पर अफरातफरी मच गई और धुएं का गुब्बार उठता दिखाई दिया।

हालांकि, यह कोई वास्तविक दुर्घटना नहीं थी, बल्कि आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए रेलवे की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक अभ्यास था।

इस मॉक ड्रिल में एक ट्रेन दुर्घटना का परिदृश्य बनाया गया था, जिसमें पांच यात्रियों की मौत और आठ के घायल होने की स्थिति दिखाई गई। घायलों में एक यात्री गंभीर रूप से घायल दिखाया गया। यात्रियों को ट्रेन की खिड़कियां काटकर बाहर निकाला

गया और उन्हें अस्थाई मेडिकल कैंप में प्राथमिक उपचार दिया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में रेलवे की प्रतिक्रिया क्षमता को परखना और लोगों को रेलवे की सतर्कता के प्रति जागरूक करना था। ड्रिल में रेलवे की सिविल डिफेंस टीम, एनडीआरएफ की 9वीं बटालियन, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के साथ-साथ रेलवे के रनिंग, इंजीनियरिंग, ऑपरेटिंग, मेडिकल और कॉमर्शियल विभाग के कर्मचारी शामिल हुए। ड्रिल के दौरान डीआरएम तरुण हुरिया और एडीआरएम विनय हेंब्रम सहित रेलवे के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे और पूरी प्रक्रिया की निगरानी की। रेलवे प्रशासन ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपात स्थितियों से निपटने के लिए इस तरह के अभ्यास अत्यंत आवश्यक हैं, जो रेलवे की हर समय की तैयारी को दर्शाते हैं।

तमिलनाडु में दवा की जांच में अनदेखी, टारगेट से कम टेस्ट किए

कफ सिरप मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की सीबीआई जांच की मांग

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु में बने कफ सिरप से एमपी-राजस्थान में बच्चों की मौत का मामला चर्चा में आने के बाद भारत के महालेखा परीक्षक (उअत्र्) की 10 दिसंबर 2024 की तमिलनाडु के पब्लिक हेल्थ इंफ्रास्ट्रचर एंड मैनेजमेंट ऑफ हेल्थ सर्विस से जुड़ी एक रिपोर्ट में सामने आई। इसमें बताया गया है कि राज्य में ड्रग इंस्पेक्शन (टेस्टिंग) में कमी देखी गई थी। साथ ही ड्रग्स (दवा) सैंपल कलेक्शन में भी कमी की गई थी। तमिलनाडु में एक लाख सैंपल के टेस्टिंग का टारगेट था, लेकिन सिर्फ 66,331 टेस्ट ही किए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश-राजस्थान में कफ सिरप से बच्चों की मौत मामले में उइक या ज्यूडिशियल जांच की मांग खारिज कर दी है। उखकबीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने ब्रीफ सुनवाई के बाद ये फैसला किया। विशाल तिवारी ने याचिका में मांग की थी कि ये

लापरवाही की चरम सीमा है। इसलिए मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। केंद्र की ओर से पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध किया। उन्होंने कहा- याचिका अखबारों में पढ़ी गई खबरों पर आधारित है। घटना से संबंधित कोई भी दस्तावेज या सबूत याचिकाकर्ता के पास मौजूद नहीं है। ऐसे में इस याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।

MP के छिंदवाड़ा, बैतूल और पांढुर्णा में जहरीले कफ सिरप कोल्ड्रिफ के सेवन से अब तक 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। सिरप बनाने वाली श्रीसन फार्मास्युटिकल का मालिक रंगनाथन 9 अक्टूबर को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया। उसे आज छिंदवाड़ा लाया जा रहा है। मामले में जांच रव्ळ कर रही है।

CAG ने 2024 में क्या कहा...

2016-17 में तमिलनाडु में कुल 1,00,800 टेस्टिंग का टारगेट था, लेकिन 34% कम यानी 66,331 टेस्ट ही किए गए।

2020-21 में ड्रग्स इंस्पेक्शन की कमी बढ़कर 38% हो गई, इस दौरान 1लाख 800 टेस्ट की जगह केवल 62,358 टेस्ट ही किए गए।

2016 से 2021 के पीरियड में सबसे ज्यादा 40% टेस्ट की कमी 2019-20 में दर्ज की गई थी।

ड्रग्स इंस्पेक्टरों ने दवा के सैंपल कलेक्ट करने में लापरवाही दिखाई, साल 2018-19 और 2020-21 में सैंपल कलेक्शन में 54% की कमी रही।

याचिकाकर्ता एडवोकेट विशाल तिवारी, केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता

याचिकाकर्ता: यह पहली बार नहीं है जब ऐसी मिलावटी दवा से मौतें हुई हैं। राज्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं, इसलिए जांच एक केंद्रीय एजेंसी से कराई जानी चाहिए।

रत्र् कोर्ट को बताते हुए- तमिलनाडु, मध्य प्रदेश सहित संबंधित राज्य सरकारें इस मामले में खुद कार्रवाई कर रही हैं। हम राज्यों पर भरोसा नहीं कर सकते? बेशक, वे कार्रवाई करेंगे।

याचिकाकर्ता: कई बच्चों की मौत हो चुकी है और किसी तरह की लैब टेस्टिंग या क्लीनिकल ट्रायल नहीं किए गए।

SG: आपत्ति जताते हुए- जब भी कुछ होता है, वे अखबार में पढ़कर सीधे कोर्ट चले आते हैं, जबकि सारी संस्थाएं पहले से मौजूद हैं।

CJI: याचिकाकर्ता से पूछते हुए- आपने अब तक कितनी जनहित याचिकाएं दायर की हैं... तिवारी ने कहा कि 8-10 पीआईएल... इसके बाद बेंच ने याचिका खारिज कर दी

तमिलनाडु में बनने वाली कोल्ड्रिफ सिरप में 48% जहर

कांचीपुरम जिले के सुंगुवर्चत्रम में स्थित श्रीसन फार्मास्यूटिकल की यूनिट से कोल्ड्रिफ सिरप (बैच नंबर रफ 13) जब्त किया गया। जांच में पता चला कि इसमें नॉन-फार्माकॉपिया ग्रेड प्रोपीलीन ग्लाइकॉल का इस्तेमाल हुआ, जो संभवतः डायथिलीन ग्लाइकॉल (उअत्र्) और एथिलीन ग्लाइकॉल से दूषित था। दोनों ही केमिकल किडनी को नुकसान पहुंचाने वाले जहरीले पदार्थ हैं।

जैसे ही सैंपल चेन्नई की सरकारी ड्रग्स टेस्टिंग लैब में भेजे गए, वहां से 24 घंटे में रिपोर्ट दी गई। इसमें पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप का यह बैच 48.6% w/v DEG से जहरीला है। जबकि अन्य चार दवाओं (रेस्पोलाइट D, GL, ST और हेप्सैंडिन सिरप) को स्टैंडर्ड क्वालिटी का पाया गया। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) देशभर में सिरप बनाने वाली फॉर्मा कंपनियों की जांच और सैंपल टेस्टिंग करेगी। सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से सिरप बनाने वाली कंपनियों की लिस्ट मांगी है, ताकि उनकी क्वालिटी और सुरक्षा की जांच की जा सके। CDSCO ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) को बताया कि तीन सिरप कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश-टीआर और रिलाइफ की बाजार में बिक्री और उनके प्रोडक्शन पर भी रोक लगाई है।

शिक्षाविद जहूर अहमद व सामाजिक कार्यकर्ता अहमद मलिक सहित कई ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की हैं याचिकाएं

जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा देने के मामले में केंद्र से 4 हफ्ते में जवाब तलब

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा देने की लगातार उठ रही मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिया है। कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को चार हफ्ते का समय दिया है ताकि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने से जुड़ी याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल कर सके।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। बता दें कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित ये याचिकाएं शिक्षाविद जहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता अहमद मलिक सहित कई लोगों ने दाखिल की हैं। इन याचिकाओं में केंद्र सरकार से मांग की गई है कि वह दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में दिए गए वादे के अनुसार, जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द फिर से राज्य का दर्जा दे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

वहीं मामले में याचिकाकताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का हवाला दिया जिसमें अनुच्छेद 370 को रद्द करने को सही ठहराया गया था और केंद्र को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर 2024 तक कराने और जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश दिया गया था।

जम्मू-कश्मीर को जल्दी राज्य दर्जा देना संवैधानिक जरूरत- इरफान हाफीज

साथ ही जम्मू-कश्मीर राज्य दर्जा याचिका के वादी इरफान हाफी लोन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों वाली पीठ ने पहले यह निर्देश दिया था कि जम्मू-कश्मीर में सेप्टंबर 2024 तक चुनाव कराए जाएं और राज्य दर्जा जल्द बहाल किया जाए। इस दिशा में उन्होंने कोर्ट को एक प्रस्ताव भेजा है जिसमें कहा गया है कि संविधान की संघवाद की भावना के अनुसार, राज्य दर्जा एक निश्चित समय सीमा के भीतर बहाल हो जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज इस प्रस्ताव की एक प्रति कोर्ट में पेश की गई, जिसे जम्मू-कश्मीर कैबिनेट द्वारा पारित किया गया था।

तुषार मेहता ने अदालत में क्या कहा?

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि यह एक विशेष स्थिति है और इसमें कई संवेदनशील पहलू जुड़े हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग केंद्र शासित प्रदेश के बारे में जानबूझकर नकारात्मक छवि पेश कर रहे हैं।

स्पाइसजेट एयरलाइन ने अपने बेड़े में तीन और विमान जोड़े

नई दिल्ली। देश में सस्ती विमानन सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी स्पाइसजेट ने अपने परिचालन बेड़े में तीन नए विमान जोड़े हैं। इनमें एक एयरबस ए340 चौड़ा आकार और दो बोइंग 737 विमान शामिल हैं। एयरलाइन के बेड़े का विस्तार होने से छुट्टियों के मौसम में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग पूरी हो सकेगी। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को ह्यएक्सूह्न पोस्टे पर बताया कि उसे तीन नए विमान मिले हैं, जिनमें एक एयरबस ए340 वाइड-बॉडी और दो बोइंग 737 हैं।एयरलाइन ने कहा कि अक्टूबर और नवंबर के बीच कुल 20 विमान उसके परिचालन बेड़े में शामिल होंगे। इनका संचालन डैम्प लीज मॉडल के तहत किया जाएगा। हालांकि, कंपनी ने लीज की अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। एयरलाइन ने बताया कि ये नए विमान 10 और 11 अक्टूबर के बीच परिचालन में आ जाएंगे। इसके साथ ही एयरलाइन दिसंबर के मध्य तक चार विमानों को भी उतार देगी, जिससे उसकी क्षमता और बढ़ेगी। एयरलाइन ने कहा कि उसके बेड़े का विस्तार इस छुट्टियों के मौसम में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। कंपनी ने कहा कि हम गति पकड़ रहे हैं। शीतकालीन योजना प्रमुख शहरों के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करके हमारे मेहमानों के लिए नए अवसर खोलेगी।

सिपाही ने नौकरी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

आज समाज नेटवर्क

मेरठ। ब्रह्मपुरी थाने में 2024 में तैनात रहे एक सिपाही पर युवती ने पुलिस में नौकरी लगवाने के नाम पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। पीड़िता ने बृहस्पतिवार को एसएसपी ऑफिस पर शिकायत पत्र देते हुए कार्रवाई की मांग की। पीड़िता ने सिपाही के भाई पर हरियाणा के एक कुख्यात गैंगस्टर से हत्या कराने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। सिपाही जिले के ही एक थाने में तैनात है। एसएसपी ने सीओ ब्रह्मपुरी को जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया है। एसएसपी ऑफिस पर बृहस्पतिवार को एक युवती ने शिकायत पत्र देते हुए बताया कि अगस्त 2024 में सिपाही कुछ पुलिसकर्मियों के साथ उनके भाई के एक मामले में घर पर आया था। सिपाही ने उनसे थाने आने के लिए कहा था। अगले दिन पीड़िता अपने भाई के मामले में थाने मिलने पहुंची थी। सिपाही ने उस दौरान उसका मोबाइल

नंबर ले लिया था। पीड़िता का आरोप है कि 14 अगस्त को सिपाही ने उनके नंबर पर व्हाट्सएप पर कॉल किया था। कुछ दिन बाद दोनों में बातचीत शुरू हो गई थी। सिपाही ने उसे पुलिस की नौकरी दिलवाने की बात कही थी। 14 सितंबर को सिपाही ने नौकरी लगवाने के बहाने सदर थाना क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट में बुलाया था। आरोप है कि सिपाही ने कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया था। इसके बाद सिपाही ने उससे दुष्कर्म किया था। घटना के बाद पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से करने की बात कही तो सिपाही ने शादी करने की बात कर उसे मना लिया। मगर बाद में सिपाही ने शादी से इन्कार कर दिया। सिपाही ने उनके बुंदे, सोने की अंगूठी व चांदी की पायल भी ले ली थी। आरोप है कि सिपाही ने सिटी स्टेशन के पास ले जाकर कार में तमंचा दिखाते हुए मारने की धमकी दी। साथ ही मोबाइल पर सिपाही के भाई ने उसकी हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर से हत्या कराने की भी धमकी दी है। सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना का कहना है कि शिकायत पत्र के आधार पर जांच की जा रही है। रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को दी जाएगी।

जुबीन गर्ग मौत मामले में सिंगर के दो निजी सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

आज समाज नेटवर्क

गुवाहाटी। असम के मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की संदिग्ध मौत मामले में उनके दो पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (ढरड) को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (रक्ळ) ??ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया। दोनों का नाम नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य है, जो लंबे समय से जुबीन गर्ग के सिक्योरिटी ऑफिसर थे। पुलिस ने दोनों को उनके बैंक अकाउंट से पिछले चार-पांच सालों के दौरान ?1 करोड़ से ज्यादा के लेन-देन के मामले में गिरफ्तार किया है। इनमें से ?70 लाख बोरा और ?40 लाख बैश्य के खाते में आए थे। दोनों अफसरों को पहले ही सस्पेंड कर दिया गया था। सिंगर की मौत मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें जुबीन के चचेरे भाई और ऊढ संदीपन गर्ग, मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, सह गायिका अमृतप्रभा महंत, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकनु महंत, बैंड के ड्रम मास्टर शेखर ज्योति गोस्वामी शामिल हैं। जुबीन की 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र में डूबने से मौत हो गई थी। उस वक्त जुबीन नाव में कुल 17 लोगों के साथ सवार थे। जुबीन जिस कार्यक्रम के लिए सिंगापुर गए थे, उसे श्यामकनु ने ऑर्गनाइज किया था।

सरकार 17 दिन बाद भी नहीं दिखा रही दूसरी पीएम रिपोर्ट जुबीन गर्ग की मौत की जांच प्रक्रिया को लेकर असम सरकार भी सवालों के घेरे में आ गई है। असम के उट हिमंत बिस्वा सरमा के निर्देश पर 23 सितंबर को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में सिंगर का दूसरी बार पोस्टमॉर्टम हुआ। मगर 17 दिन बाद भी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई। सीएम का कहना है कि रिपोर्ट सार्वजनिक करने से यह ह्यकानूनी रूप से अमान्यह्न हो जाएगी। सिंगर की पहली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी मौत का कारण डूबना बताया गया, लेकिन अब जबरन डुबोने, जहर देने और आर्थिक साजिश के आरोपों ने केस को जटिल बना दिया है।

सरकार ने श्यामकनु को सरेंडर के लिए 17 दिन क्यों दिए

जुबीन की मौत के बाद श्यामकनु ने सिंगापुर से वीडियो मैसेज जारी किया कि असम लौटने पर जान का खतरा है। इसके बाद सरकार ने उन्हें 6 अक्टूबर तक सरेंडर का वक्त दे दिया। आरोप है कि श्यामकनु को राज्य सरकार पहले आर्थिक मदद देती रही है। वो सरकारी कॉलेज की गवर्निंग बॉडी में भी थे।

सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने वन क्षेत्र में चलाया था 'ऑपरेशन वर्सन'

कुपवाड़ा में भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद

आज समाज नेटवर्क

श्रीनगर। कुपवाड़ा जिले में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ऑपरेशन वर्सन के दौरान वन क्षेत्र से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद किया है। इसमें दो एके राइफलें, चार रॉकेट लॉन्चर, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य सामग्री शामिल हैं। सुरक्षाबलों द्वारा इसे एक बड़ी कामयाबी बताया जा रहा है क्योंकि यह हथियार आतंकवादियों के हाथों में पहुंचने से पहले सुरक्षाबलों के हाथ लग गए।

सूत्रों के अनुसार ओजीडब्ल्यू मॉड्यूल द्वारा यह हथियार यहां वन क्षेत्र में आतंकवादियों तक पहुंचाने के लिए छिपाए गए थे। वहीं हथियारों की बरामदगी की पुष्टि करते हुए घाटी में सेना की कमान संभालने वाली चिनार कोर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने 8 अक्टूबर 25 को कुपवाड़ा के वर्सन स्थित ब्रिजथोर वन क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। बता दें कि इससे पहले भी जिले के क्रॅापोरा में सुरक्षाबलों ने एक ओजीडब्ल्यू शकील अहमद को गिरफ्तार किया गया था और उसकी निशानदेही पर ठिकाने से 1 पिस्तौल, 10 पिस्तौल राउंड, 100 एके राउंड और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गई थी।

जम्मू संभाग में आतंकियों के खिलाफ तेज होगा अभियान

जम्मू संभाग के किश्तवाड़, उधमपुर और राजोरी जिले बढ़ती आतंकवाद घटनाएं और आगामी विधानसभा उप-चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती है। जम्मू-कश्मीर में एक साल बाद उपचुनाव हो रहे है। उप-चुनाव और बढ़ती आतंकी घटनाएं के बीच सुरक्षित माहौल बनाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी चुनौती है। जम्मू संभाग के तीन जिले बीते डेढ़ से दो साल से आतंकवाद से पीड़ित है।

आए दिन आतंकी हमला करने के बाद गायब हो जाता है। पूरी सुरक्षा तंत्र उन्हें ढूंढने में लता है लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाता है। किश्तवाड़ के दच्छन, पाड्डर के के दुर्गम इलाके, उधमपुर में डुडु- बसंगतढ के पहाड़ी इलाके, सियोजधार सहित अन्य इलाकों में आतंकी लंबे समय से सक्रिय है। सुरक्षा एजेंसियों का ही दावा है कि आतंकी पारंपरिक गुफाओं का इस्तेमाल आशियाने 9 के रूप में कर रहे है। इन सभी घटनाओं के बाद वीरवार को गृहमंत्री अमित शाह की जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा पर उच्च स्तरीय बैठक काफी अहम मानी जा रही है। ब्रिगेडियर विजय सागर (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह बैठक काफी अहम है। जम्मू संभाग में लगातार आतंकी हमले हो रहे है। सेना और पुलिस के बीच समन्वय और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है। आतंकी पारंपरिक रूट का इस्तेमाल कर रहे है। ऐसे बड़ी बैठकों मेंइस तरह के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होती है, रणनीतियां बनाई जाती है।

छत्तीसगढ़ में आईईडी ब्लास्ट, बच्चा गंभीर

जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के ग्राम पीड़िया से एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां नक्सलियों द्वारा बिछाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर एक मासूम आदिवासी बालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार की दोपहर बालक जैसे ही क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी वह विस्फोट की चपेट में आ गया। यह घटना नक्सल हिंसा की अमानवीयता को दशार्ती है, जिसमें निर्दोष ग्रामीणों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में जिले के अंदुरुनी इलाको में नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोटों की घटना में कई आम नागरिकों को क्षति उठानी पड़ी है।

रांची में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद चार हथियारबंद लोग गिरफ्तार, दो घायल

रांची। रांची में शुक्रवार को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में चार हथियारबंद लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा दो लोग घायल हो गए है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रातू थाना क्षेत्र के अंतर्गत होचार गांव के पास ठाकुरगांव मार्ग पर तड़के करीब तीन बजे एक मोटरसाइकल को रोकने की कोशिश की। मोटरसाइकल सवार दो लोगों ने पुलिस पर पिस्तौल से 25 बार गोली चलाई और भागने की कोशिश की। रांची ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रवीन पुष्कर ने कहा, पुलिस ने भी गोली चलाई जिसमें दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लग गई और फिर हमने उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा, ह्यपूछताछ के दौरान उन्होंने कहा कि उनके दो साथी चार पहिया वाहन में उनका इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें भी पास के इलाके से पकड़ लिया।

खबर एक्सप्रेस

चुनाव आयोग का फैसला: ईपिक नहीं है तो 12 वैकल्पिक पहचान पत्रों के सहारे कर सकेंगे मतदान

पटना/नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने वैसे मतदाता जिनके पास मतदाता पहचान पत्र (ईपिक) नहीं है, लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो वे 12 वैकल्पिक फोटो पहचान पत्रों में से किसी एक को दिखाकर मतदान कर सकेंगे। मतदाताओं की सुविधा के लिये गये इस अहम फैसले की जानकारी चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बयान जारी कर दी है। इस संबंध में चुनाव आयोग की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गयी है। चुनाव आयोग की ओर से मान्य वैकल्पिक पहचान पत्रों की सूची में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटो सहित बैंक या डाकघर द्वारा जारी पासबुक, श्रम मंत्रालय या आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के तहत आरजीआई की ओर से जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकार, पीएसयू, पब्लिक लिमिटेड कंपनी की ओर से जारी सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी यूडीआईडी कार्ड शामिल है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान के दिन वोट डालने के लिये मतदाता सूची में नाम दर्ज होना अनिवार्य है, केवल पहचान पत्र से काम नहीं चलेगा। साथ ही महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये, विशेषकर ह्यपर्दानशींह्न (बुर्का या पर्दा करने वाली) महिलाओं के लिये चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों पर विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिये हैं। महिला मतदान अधिकारियों की उपस्थिति में और गोपनीयता सुनिश्चित करते हुये उनकी पहचान की जायेगी। आयोग के अनुसार, बिहार में लगभग 100 प्रतिशत मतदाताओं को ईपिक कार्ड जारी किये जा चुके हैं। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि नये मतदाताओं को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर ईपिक कार्ड उपलब्ध करा दिया जाये।

ताजमहल का दीदार करेंगे अफगानिस्तान के विदेश मंत्री

आगरा/नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ताजमहल का दीदार करने के लिए 12 अक्टूबर को आगरा पहुंचेंगे। मिली जानकारी के अनुसार श्री मुत्ताकी रविवार सुबह आठ बजे दिल्ली से आगरा के लिए रवाना होंगे। यमुना एक्सप्रेस वे से होकर गाड़ियों का काफिला आगरा पहुंचेगा। तय कार्यक्रम के मुताबिक 11 बजे तक ताजमहल के पूर्वी गेट रोड पर स्थिति शिल्पग्राम पहुंचेंगे। शिल्पग्राम में वाहनों की अदला बदली होगी यानि की वह जिन वाहनों से आयेंगे, उन वाहनों को शिल्पग्राम में रोक दिया जाएगा। उसके बाद इलेक्ट्रिक गोल्फ कार्ट से से ताजमहल के गेट तक पहुंचेंगे। ताजमहल परिसर में करीब एक घंटे रहेंगे। ताजमहल दीदार के बाद ताजमहल के पूर्वी गेट के पास ही बने एक निजी होटल में दोपहर का खाना खाने के बाद दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। करीब डेढ़ बजे आगरा से गाड़ियों का काफिला यमुना एक्सप्रेस वे से होता हुआ दिल्ली रवाना हो जाएगा। अफगान विदेश मंत्री के आगमन को लेकर पुलिस और प्रशासन अलर्ट हो गया है। बताया जा रहा है कि अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के साथ एक डेलिगेशन भी आगरा ताजमहल देखने आयेगा। अफगान विदेश मंत्री की यात्रा के मद्देनजर सुक्षा के भी कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। विदेश मंत्री के प्रोटोकॉल के मुताबिक पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रहेगी जिसके लिए तैयारियां की जा रहीं हैं। ताजमहल विजिट के दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

नोएडा में मुठभेड़ के दौरान बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में दनकौर थाना पुलिस ने बृहस्पतिवार रात को गोकशी के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) सुधीर कुमार ने बताया कि दनकौर थाना पुलिस देर रात चपरगढ़ पुलिया के पास जांच कर रही थी तभी मोटरसाइकिल सवार कुछ लोगों पर शक होने पर पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया लेकिन उन्होंने भागने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उन लोगों का पीछा करके उन्हें घेर लिया जिसके बाद उन्होंने जान से मारने की नीयत से पुलिस दल पर गोली चलाई। उन्होंने बताया कि इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश के पैर में लगी जिसकी पहचान हापुड़ जिले के देहरा ग्राम निवासी राजा (23) के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि राजा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि राजा के खिलाफ हापुड़ सहित विभिन्न जगहों पर गोकशी और अवैध हथियार रखने सहित विभिन्न आरोपों के तहत मामले दर्ज हैं। पुलिस ने राजा के पास से एक मोटरसाइकिल, देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

आयुर्वेद के लाइसेंस पर एलोपैथिक उपचार का मामला : किशोर की मौत के बाद अस्पताल सील

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के प्यावली गांव में स्थित एक अस्पताल में इलाज के दौरान एक किशोर की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। उसने जांच में अनियमितता मिलने के बाद निजी अस्पताल को सील कर दिया है। अस्पताल के पास आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाइसेंस था, जबकि वहां पर एलोपैथिक उपचार चल रहा था। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को नोटिस जारी कर तीन दिन के अंदर जवाब मांगा है। जनपद गौतम बुद्ध नगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि प्यावली गांव के रहने वाले नरेंद्र कुमार ने स्वास्थ्य विभाग को शिकायत दी थी कि उनका भतीजा रजत भाटी चार अक्टूबर को गांव के एक निजी अस्पताल में इलाज कराने गया था। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगाया, जिससे रजत की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि नोडल अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार ने इस मामले की जांच की तथा अनियमितता पाए जाने पर अस्पताल को बृहस्पतिवार को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया। अस्पताल प्रबंधन को तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जवाब अगर संतोषजनक नहीं मिला तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि डॉ. रविंद्र कुमार की अगुवाई में स्वास्थ्य टीम ने मौके पर जाकर देखा तो पाया कि अस्पताल के पास केवल आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाइसेंस है, लेकिन वहां एलोपैथिक दवाएं, एक्स-रे मशीन और हड्डी जोड़ने के उपकरण मौजूद थे।

महाराष्ट्र भेजी जा रही 1.45 करोड़ रुपये की हवाला राशि लूटने के आरोप में नौ पुलिसकर्मी निलंबित

सिवनी (मध्यप्रदेश)। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के नौ पुलिसकर्मियों को एक चार-पहिया वाहन से महाराष्ट्र भेजी जा रही 1.45 करोड़ रुपये की हवाला राशि लूटने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह कथित अपराध तब प्रकाश में आया जब चालक और पैसे भेजने वाले एक व्यापारी ने पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद पुलिस महानिरीक्षक (जबलपुर) प्रमोद वर्मा ने जांच के आदेश दिए। सिवनी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुनील कुमार मेहता ने बताया कि बुधवार रात जांच अभियान के दौरान, बंडोल थाना प्रभारी और एसडीओपी (उप-विभागीय पुलिस अधिकारी) कार्यालय के कर्मचारियों ने सिलादेही के जंगल में एक चार-पहिया वाहन को रोका। उन्होंने कहा कि पुलिस ने बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की, जिसे मध्यप्रदेश के कटनी से महाराष्ट्र के जालना ले जाया जा रहा था। हालांकि, गाड़ी को जब्त करने के बजाय, उन्होंने चालक के साथ मारपीट कर उसे भगा दिया और नकदी हड़पने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने हवाला के पैसों के बारे में अपने वरिष्ठों को भी सूचित नहीं किया। पैसा गंवाने वाला व्यापारी बृहस्पतिवार सुबह कोतवाली थाने पहुंचा तब मामला सामने आया। जब पुलिसकर्मियों पर लगे गंभीर आरोप जबलपुर और भोपाल में उच्च अधिकारियों तक पहुंचे, तो नौ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। यह भी दावा किया जा रहा है कि गाड़ी में 2.96 करोड़ रुपये से ज्यादा थे। अधिकारी ने कहा कि गाड़ी में मिली रकम की सही मात्रा जांच के बाद ही पता चलेगी। घटना की जांच जबलपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता को सौंपी गई है। मेहता ने बताया कि आईजी ने तीन दिन के भीतर घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आईजी प्रमोद वर्मा ने बताया कि सिवनी एसडीओपी कार्यालय में तैनात नगर पुलिस अधीक्षक पूजा पांडे के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस मुख्यालय, भोपाल को प्रस्ताव भेजा गया है। निलंबित पुलिसकर्मियों की पहचान बंडोल थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अर्पित भैरम, प्रधान आरक्षक माखन और रवींद्र उइके, आरक्षक जगदीश यादव, योगेंद्र चौरसिया, रितेश (चालक), नीरज राजपूत, केदार और सदाफल के रूप में हुई है।

लग्जरी कार की मांग को लेकर हुई बहस के बाद पिता ने बेटे पर छड़ से किया हमला

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम में एक युवक द्वारा लग्जरी कार की मांग को लेकर हुई बहस और हाथापाई के बाद उसके पिता ने बेटे के सिर पर धातु की छड़ से हमला किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना यहां उनके आवास पर हुई। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार दोपहर को वंचियूर के पास हुई। पुलिस ने बताया कि इस घटना में घायल 28 वर्षीय बेटे को यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि युवक के पिता पर भारतीय न्याय संहिता के तहत हत्या के प्रयास का एक मामला दर्ज किया गया है और वह फिलहाल कहीं छिपा हुआ है। वंचियूर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि युवक के पिता ने हाल ही में अपने बेटे के लिए एक महंगी मोटरसाइकिल खरीदी थी लेकिन उसका बेटा उससे संतुष्ट नहीं था और वह एक लग्जरी कार की मांग कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को उनके घर पर इस मुद्दे पर बहस हुई और बेटे ने अपने पिता पर हमला कर दिया।

खबर एक्सप्रेस

मनोज प्रियंका अग्रवाल ने लिया राम जन्मोत्सव हिस्साा

बल्लभगढ। श्री गोपाल मंदिर गोपाल मंदिर ट्रस्ट जगदीश कलोनी द्वारा मनाये जा रहे 47 वें वार्षिकोत्सव पर वृंदावन से पधारे सुमेधानंद महाराज द्वारा शुक्रवार को राम जन्मोत्सव मनाया गया। मंदिर का प्रांगण अयोध्या नगरी की तरह लग रहा था, चारों ओर हर्ष उल्लास दिखाई दे रहा था। श्रीराम के बाल स्वरुप की सुंदर झांकी निकली गई। जन्मे है चारो भय्या, अवध में गाओ रे बधाइयां। चारो ओर मंगलगान हो रहा है। तुलसी बाबा कहते हैं मानो देवता भी स्वर्ग से उतरकर अयोध्या नगरी में अपना आशीर्वाद देने उतर आए हैं सबका मन प्रसन्न है सब एक दूसरे को बधाई दे रहे हैं महाराज सुमेधानन्द द्वारा सभी को बधाई दी गई। भए प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी हर्षित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी। सुंदर भजन महाराज द्वारा गाया गया । मुख्य अतिथि मनोज अग्रवाल व प्रियंका अग्रवाल द्वारा महाराज का पगड़ी पहना कर व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। राम जन्मोत्सव पर मोहित बोहरा द्वारा सभी के लिए सुंदर प्रसाद की व्यवस्था की गई।

करवा चौथ : बहनों का सुहाग सलामत रहे को लेकर चलाया सड़क सुरक्षा अभियान

फरीदाबाद। फरीदाबाद शहर में आए दिन हो रही दुर्घटना को लेकर शहर की माता बहनों के सुहाग की रक्षा के लिए एस्कॉर्ट मुजेसर पर.ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सुरक्षा अभियान चलाया गया। जिसमें लोगों को जागृत किया गया। आपको रॉन्ग साइड नहीं आना है 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन ना दें। गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। दोपहिया वाहन पर हेलमेट का प्रयोग करें। वाहन चलाते समय फोन पर बात न करें यह सभी दुर्घटना के कारण है। ट्रैफिक पुलिस टीम के द्वारा लोगों को समझाया गया कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें। आपातकाल में 112 नंबर डायल करें। सडक पर हुई दुर्घटना मैं घायल व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं।

विधायक पं मूलचंद शर्मा ने किया बल्लभगढ़ मोहना एलिवेटेड पुल का निरीक्षण

बल्लभगढ़। यहां मोहना रोड पर बनाए जा रहे एलिवेटेड पुल के निर्माण कार्य का निरीक्षण शुक्रवार को बल्लभगढ़ के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने किया। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पंडित मूलचंद शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने और तेज गति से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह एलिवेटेड पुल क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत आवश्यक परियोजना है, जिससे यातायात में सुगमता और जाम की समस्या से राहत मिलेगी। कार्यक्रम के उपरांत विधायक ने गुप्ता होटल, बल्लभगढ़ पर पहुंचकर उपस्थित अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ निर्माण कार्य की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने आसपास के दुकानदारों एवं निवासियों को आश्वासन दिया कि विभाग द्वारा यह कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर ही पूरा किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को जल्द ही बेहतर यातायात सुविधा मिल सके। पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता की सुविधा और विकास कार्यों को समय पर पूरा कराना है, जिसके लिए सभी अधिकारी तत्परता से कार्य करें। इस मौके पर जेई अरुण, निगरानी कमेटी के पूर्व चेयरमैन पारस जैन सहित स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

कांग्रेस सेवा दल करेगा जमीन पर कार्य,नए सदस्यों को जोड़ने के लिए अभियान शुरू

फरीदाबाद। प्रदेश मीडिया कोऑर्डिनेटर एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता गिरीश भारद्वाज के संयोजन में शुक्रवार को बल्लभगढ़ सेक्टर दो स्थित कांग्रेस कार्यालय, तिरंगा भवन में कांग्रेस सेवा दल द्वारा एक व्यापक सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रमश: सेवा दल ग्रामीण अध्यक्ष एसएस गौड़ एवं सेवा दल शहरी अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने की। इस अवसर पर प्रदेश मीडिया कोऑर्डिनेटर गिरीश भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस सेवा दल पार्टी की रीढ़ है। ऐसे में सेवा दल का यह सदस्यता अभियान कांग्रेस के विचार ह्यसेवा अनुशासन और राष्ट्रभक्तिह्न को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। हमें हर कार्यकर्ता तक यह संदेश पहुंचाना है कि सेवा दल केवल संगठन नहीं, बल्कि एक राष्ट्र निर्माण की भावना है। सेवा दल शहरी अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने कहा कि सेवा दल का सदस्य बनना केवल संगठन से जुड?ा नहीं, बल्कि विचार और अनुशासन से जुड?ा है। हम हर मोहल्ले, हर वार्ड में सेवा दल की सक्रिय इकाइयां गठित करेंगे। सेवा दल ग्रामीण अध्यक्ष एसएस गौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण अंचलों में सेवा दल के सदस्य समाज सेवा और संगठन सशक्तिकरण दोनों कार्यों में अहम भूमिका निभाएँगे। यह अभियान गांव-गांव तक कांग्रेस का संदेश लेकर जाएगा। कांग्रेस प्रवक्ता अंश वत्स ने कहा कि आज के युग में कांग्रेस विचारधारा को मजबूत करने के लिए सेवा दल सबसे सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित रहे कांग्रेस प्रवक्ता अंश वत्स, युवा विधानसभा अध्यक्ष बल्लभगढ़ प्रदीप सैन, सेवा दल यंग ब्रिगेड जिला अध्यक्ष विशाल पांडे, टेकचंद शर्मा, मंजीत सिंह, दीपक चौहान, मनोज खुटेला, सोनू शर्मा, करतार सिंह, नरेंद्र भारद्वाज सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रत्येक विभाग अपने पोर्टल मामलों की प्रगति की नियमित करें समीक्षा : डीसी

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल पर लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी जिला उपायुक्त अपने-अपने जिलों में समाधान शिविरों, सीएम विंडो, जन-संवाद तथा एसएमजीटी पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उपायुक्त (डीसी) विक्रम सिंह ने सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पोर्टल पर दर्ज शिकायतों और समस्याओं का निपटान प्रभावी, स्थायी और पारदर्शी ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि शिकायतों की एंट्री सटीक, स्पष्ट और वास्तविक स्थिति के अनुरूप दर्ज की जाए, ताकि मुख्यालय स्तर पर वही शिकायतें पुन: खुलने की स्थिति न बने। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर अधिकारी अपने विभाग से संबंधित पोर्टल पर पंजीकृत शिकायतों की पूरी जानकारी रखे तथा उनके समाधान की प्रगति की समय-समय पर समीक्षा भी करते रहे। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल के माध्यम से दर्ज शिकायतों की निगरानी कर रहे हैं और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला स्तर तक मामलों की समीक्षा की जा रही है, ऐसे में समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल में आने वाली समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका समयबद्ध तरीके से समाधान करें।

बैठक में एडीसी सतबीर मान, सीईओ जिला परिषद शिक्षा, एसडीएम बडखल त्रिलोक चंद, एसडीएम फरीदाबाद अमित कुमार, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, डीसीपी ऊषा सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अपने लक्ष्यों को पूरा करें लेकिन समुदाय का भी ख्याल रखें : राजेश

- मंत्री राजेश नागर ने लिंग्याज विद्यापीठ में दो दिवसीय हाईब्रिड वर्कशॉप का किया उद्घाटन

आज समाज नेटवर्क

ग्रेटर फरीदाबाद। लिंग्याज विद्यापीठ में दो दिवसीय हाईब्रिड वर्कशॉप का उद्घाटन करने पहुंचे हरियाणा के मंत्री राजेश नागर ने कहा कि अपने लक्ष्यों की ओर कदम बढ़ाएं लेकिन समुदाय का भी ख्याल रखें। ध्यान रहे कि रस्ते पर आप ही नहीं हैं और भी लोग हैं जो अपने लक्ष्यों को पाना चाहते हैं। इस वर्कशॉप का आयोजन विजयश्री एजुकेशनल सोशल वेलफेयर ट्रस्ट एवं आरोग्य योग्य फाउंडेशन ने किया था।इसमें लिंग्याज ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस ने सहयोग किया। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि लिंग्याज विद्यापीठ फरीदाबाद की न सिर्फ सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी है, बल्कि इसने लाखों लोगों की जिंदगी को संवारा है। उन्होंने सभी छात्रों को सामुदायिक भावना के साथ मिलजुलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि जब 2047 में भारत की आजादी को 100 वर्ष पूरे पूरे होंगे, तब यह देश विकसित देश होगा। ऐसी योजना हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनाई है, जिसमें युवाओं की बड़ी सक्रिय भूमिका की जरूरत है।

आप सभी लोग आगे बढकर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री राजेश नागर द्वारा दीप प्रज्वलन करने के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यापीठ के चांसलर डॉ पिचेश्वर गड्ढे ने मुख्य अतिथि मंत्री राजेश नागर का स्वागत किया। उन्होंने विशेष अतिथि अंकित आर्य को भी सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में वाइस चांसलर पी.के गुप्ता, प्रो वाइस चांसलर एडमिन (मेजर जनरल योगेश चौधरी), सीओओ प्रेम कुमार सालवान, एसोसिएट एकेडमिक डीन डॉ दिनेश जावलकर, ह्यूमैनिटीज डीन डॉ विदुषी भारद्वाज मौजूद रहे। इसके साथ सभी शैक्षिक विभागों के प्रमुख और गैर -शैक्षिक विभागों के प्रमुख भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ आकांक्षा श्रीवास्तव एवं डॉ शिवानी बिधूड़ी ने किया। सेमिनार में विजयश्री एजुकेशनल सोशल वेलफेयर ट्रस्ट के प्रतिनिधि सत्य प्रकाश अत्रि आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष व खेल राज्यमंत्री के नेतृत्व में भाजपा को हथीन क्षेत्र में बड़ी मजबूती मिली

आज समाज नेटवर्क

पलवल। भाजपा जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला व खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम के नेतृत्व में भाजपा को आज हथीन मे बड़ी मजबूती मिली है। जहां पूर्व पार्षद एवं हाल ही में हुए नगरपालिका चेयरमैन के चुनाव में प्रत्याशी रहे रबिन कुमार के साथ कई मौजूदा पार्षदों ने खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम और भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला के नेतृत्व में भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान खेल राज्यमंत्री और जिला अध्यक्ष ने सभी का पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और कहा कि इन सभी के आने से भाजपा को मजबूती मिलेगी। आपको बता दें कि इस मौके पर रबीन कुमार के साथ पूर्व वाइस चेयरमैन देवेंद्र शर्मा, पार्षद कपिल बघेल, पार्षद धीरज उपाध्यक्ष, पार्षद हेमन्त राजपूत, पार्षद इतेंद्र, पार्षद सुखपाल गोला, समाजसेवी सचिन राजपूत, प्रमोद जांगिड़, हेमंत उपाध्याय ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

भाजपा ज्वाइन करने के बाद रबीन कुमार और अन्य पार्षदों ने कहा कि वो भाजपा की आम जन के लिए बनाई जा रही तरह तरह की लाभकारी योजनाओं से प्रभावित होकर उन्होंने भाजपा में आस्था जताई है। उन्होंने कहा कि जिस तरह खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम जिले का चहुमुखी विकास कर रहे है वो सभी इससे बहुत प्रभावित है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भाजपा की रीति नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे और हथीन में भाजपा को मजबूत करेंगे। भाजपा के जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला ने कहा कि रबीन कुमार के नेतृत्व में कई पार्षदों ने भाजपा पार्टी ज्वाइन की है हम उनका स्वागत करते है और उनके आने से पार्टी को बहुत मजबूती मिलेगी।

अखिल भारतीय किसान सभा ने उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला उपायुक्त को मांग पत्र सौंपा

आज समाज नेटवर्क

पलवल। अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा राज्य कमेटी के राजव्यापी अभियान के तहत किसान सभा जिला कमेटी पलवल के तत्वावधान में किसानों ने उपायुक्त कार्यालय पलवल पर प्रदर्शन करते हुए 6 सूत्री मांगों का मांग पत्र उपायुक्त हरीश कुमार वशिष्ठ को सौंपा।प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान सभा का जिला प्रधान रूप राम तेवतिया ने तथा संचालन जिला सचिव दरियाब सिंह ने किया। किसानों ने औरंगाबाद निवासी किसान नेता और सामाजिक कार्यकर्ता श्रीचंद महाशय व शरीर निवासी किसान महावीर फौजी के आकस्मिक निधन पर दो मिनट मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रर्दशनकारियों को संबोधित करते हुए किसान सभा जिला प्रधान रूप राम तेवतिया और सचिव दरियाब सिंह ने कहा कि आज पूरे प्रदेश के अंदर डीएपी की भारी किल्लत है,प्रत्येक वर्ष सीजन में इस प्रकार की किल्लत रहती है परंतु प्रदेश सरकार और प्रशासन की तरफ से पीड़ित किसानों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता जबकि प्रतिवर्ष किसानों को खाद की किल्लत का सामना करना पड़ता है साथ ही किसानों के धान, बाजारा, कपास की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं की जा रही इसलिए किसानों को औने-पौने दामों पर अपनी फसल बेचनी पड़ती है।किसान सभा के उपप्रधान धर्मचंद व किसान मोर्चा पलवल के वरिष्ठ नेता मास्टर महेंद्र सिंह चौहान ने कहा पलवल जिले के अंदर भारी बारिश और जल भराव से करीब सवा लाख एकड़ में फसल नष्ट हुई है।

पराली नष्ट करने के लिए भी कोई व्यवस्था प्रशासन की तरफ से नहीं की गई इसलिए किसानों को पुनः आंदोलन के रास्ते पर आना पड़ा।उपायुक्त महोदय ने किसान नेताओं की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन भी दिया जिस पर किसान नेताओं ने कहा अगर समय रहते किसानों की मांगों का समाधान नहीं हुआ तो शीघ्र ही निर्णायक आंदोलन लेने का फैसला लिया जाएगा। प्रदर्शनकारी किसानों को किसान नेता डॉ रघुवीर सिंह, सोहन पाल चौहान, चरनजीत डागर,हुकम सिंह चौहान, नेमचंद शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, सबरजीत गहलोत, रमेश सौरोत,रमेश आर्य, चतर सिंह मीसा, श्याम दत्त शर्मा नम्बरदार,मान सिंह डागर, सतीश कामरावली, सतीश भुरजा, मास्टर पदम सिंह, किशन चंद शर्मा ने सम्बोधित किया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह संबंधी तैयारियां समयबद्ध सुनिश्चित हो : उपायुक्त

नरेश मेहंदीरत्ता

नूंह। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में आगामी 14 अक्टूबर को होने वाले महर्षि वाल्मीकी जयंती समारोह के संबंध में जरूरी तैयारियां व प्रबंध सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त अखिल पिलानी की अध्यक्षता में जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने मीटिंग रूम में आयोजित बैठक में कहा कि जिला नूंह के लिए बहुत की खुशी का अवसर है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में महर्षि वाल्मीकी जयंती समारोह आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक कार्यक्रम संबंधी सभी तैयारियों के लिए ओवरऑल इंचार्ज होंगे। सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूरी तत्परता व जिम्मेदारी से कार्य करें, ताकि मुख्यमंत्री का दौरा गरिमापूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। सभी कार्य आपसी तालमेल के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि समारोह में वीवीआईपी सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण, बैरिकेडिंग और पार्किंग आदि की समुचित व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा अधिकारी एंबुलेंस, चिकित्सीय सहायता, रक्त की उपलब्धता तथा खाद्य नमूनों की जांच करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही, शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज नल्हड़ व सिविल अस्पताल नूंह को डिजाइनेटेड सेफ हॉस्पिटल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद नूंह द्वारा सभी मार्गो की सफाई, पेड़ों की छंटाई, सडकों की मरम्मत, संकेतक बोर्ड, डिवाइडर पेंटिंग व नालियों की सफाई का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर मंच, बैरिकेडिंग, साउंड सिस्टम, एलईडी स्क्रीन, बिजली व जनरेटर आदि की व्यवस्था सही ढंग से की जाए। लोक निर्माण विभाग हेलीपैड संबंधी कार्य करेंगे तथा अग्निशमन विभाग फायरब्रिगेड की गाडि?ों व कर्मियों को तत्पर रखेंगे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, डीएमसी दलबीर सिंह फोगाट, डिप्टी सीईओ एमडीए अशोक कुमार, आरटीए मुनीष सहगल सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जल संरक्षण हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी : एसडीएम

आज समाज नेटवर्क

नूंह,तावडू। खंड के गांव बिस्सर अकबरपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में जल संरक्षण व जल प्रबंधन विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में खंड तावडू के गांव राठीवास, हसनपुर तावडू, मोहम्मदपुर अहीर, बिस्सर अकबरपुर, कलवाड़ी, गुरनावट, सुन्ध व जौरासी सहित विभिन्न विद्यालयों की जूनियर व सीनियर विंग से 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विकास एवं पंचायत विभाग के तत्वावधान में ग्राम पंचायत बिस्सर अकबरपुर ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के सहयोग से इस प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जिसमें एसडीएम तावडू जितेंद्र गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। पंचायती राज एसडीओ संगीता नोहथा ने भी इस प्रतियोगिता के दौरान अपनी सहभागिता दर्शाई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बिस्सर अकबरपुर के सरपंच राजबीर शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने जल संरक्षण पर अपने चित्रों की कलाओं से सबको भावविभोर कर दिया। इस प्रतियोगिता में सीनियर विंग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हसनपुर तावडू के बारहवीं कक्षा के छात्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं दूसरा स्थान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राठीवास की नौवीं की छात्रा ने प्राप्त किया और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोहम्मदपुर अहीर की छात्रा संजना रहीं। इसके अलावा जूनियर विंग में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलवाड़ी की आठवीं की छात्रा यसमीत ने प्रथम स्थान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलवाड़ी की छात्राओं ने ने दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि एसडीएम जितेंद्र गर्ग ने प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में बेहतर चित्रकला करने वाले विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम तावडू जितेंद्र गर्ग ने कहा कि जल का संरक्षण एवं प्रबंधन हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। किसी एक इन्सान के कहने या करने से पानी का संरक्षण नहीं

किया जा सकता है।

यदि आने वाली पीढियों को खुशहाल करना है तो हमें आज से ही जल प्रबंधन के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। इस अवसर पर बिस्सर अकबरपुर की छात्राओं ने जल संरक्षण व इसके बेहतर प्रबंधन को लेकर लघु नाटक प्रस्तुत किया जिसके माध्यम से यह संदेश दिया गया कि यदि हम आज जल का सही इस्तेमाल नहीं करेंगे तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत लघु नाटक की एसडीएम जितेंद्र गर्ग ने नगद इनाम देकर छात्राओं को सम्मानित भी किया। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार नरेंद्र भारद्वाज ने कहा की हमें वर्षा के पानी का भी संचयन करके जल संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके अलावा और भी छोटी-छोटी पानी की बचत भी जल भंडारण में बड़ी सहयोगी साबित हो सकती हैं। जल बचाने के लिए हमें अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करते रहना चाहिए। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ठ अभियंता हरेंद्र नागर जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन से खंड संयोजक संदीप शर्मा, मोहम्मद जैकम, हरिओम जांगडा, पंचायत विभाग से ग्राम सचिव सुनील कुमार, सुखबीर, स्कूल प्रिंसिपल सतीश शर्मा शास्त्री, सुखचैन, प्रवीण, त्रिलोक सिंह, विकास, अनीता, मीरा, निशा, सुशील तथा पवन सहित ग्रामीण भी उपस्थित थे।

जिला नूंह में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी अखिल पिलानी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

आज समाज नेटवर्क

नूंह। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिला नूंह में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 एवं मतदान केन्द्रों के रेशनलाईजेशन से संबंधित बैठक आज उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अखिल पिलानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ई.आर.ओ.) तथा सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ए.ई.आर.ओ.) उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र—79 नूंह, 80 फिरोजपुर झिरका तथा 81 पुन्हाना— की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का 1 जनवरी 2026 को क्वालिफाइंग तिथि मानकर विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा। इस प्रक्रिया से पूर्व विभिन्न गतिविधियों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी ई.आर.ओ. अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केन्द्रों की सूची का अद्यतन कार्य शीघ्र पूर्ण करें। इसमें भवन का नाम, गांव का नाम, डाकघर, पिनकोड, तहसील एवं जिला संबंधी विवरण शामिल किया जाए तथा अद्यतन रिपोर्ट के साथ प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 655 मतदान केन्द्र हैं और रेशनलाईजेशन का प्रस्ताव विशेष गहन पुनरीक्षण के आधार पर तैयार किया जाएगा। यदि किसी मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक पाई जाती है, तो वहां नया मतदान केन्द्र बनाया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मतदान केन्द्रों से संबंधित अपने सुझाव एवं प्रस्ताव संबंधित निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों को समय पर प्रस्तुत करें ताकि किसी भी स्तर पर असुविधा न हो। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के लिए तैयारियां तेज-बी.एल.ए. नियुक्त, बूथ स्तर पर होंगे व्यापक अभियान भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिले में विधानसभा क्षेत्रवार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। इस संबंध में निर्वाचन पंजीयन अधिकारी (ई.आर.ओ.) तथा सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारियों (ए.ई.आर.ओ.) की नियुक्ति कर दी गई है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों — 79-नूंह, 80-फिरोजपुर- झिरका और 81-पुन्हाना के लिए संबंधित एस.डी.ओ. (सी.) को निर्वाचन पंजीयन अधिकारी तथा तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को डेडिकेटेड एईआरओ नियुक्त किया गया है। 79-नूंह-बी.ई.ओ. नूंह, 80-फिरोजपुर झिरका, बी.ई.ओ. फिरोजपुर झिरका, 81-पुन्हाना बी.ई.ओ. पुन्हाना जिले में कुल 6,65,728 मतदाता पंजीकृत हैं, जबकि अनुमानित जनसंख्या 14,03,196 है। राजनीतिक दलों से प्राप्त प्रतिनिधियों के अनुसार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए बी.एल.ए.-1 एवं बी.एल.ए.-2 की नियुक्ति भी की गई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई.एन.सी.) द्वारा तीनों विधानसभा क्षेत्रों में बी.एल.ए. नियुक्त किए गए हैं। पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान हाउस टू हाउस सर्वे किया जाएगा, जिसमें घर-घर जाकर गणना प्रपत्र व घोषणा फॉर्म वितरित किए जाएंगे। पात्र नागरिक जिनकी आयु 01.01.2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वे फॉर्म-6 के माध्यम से नाम दर्ज करवा सकते हैं। नाम, पते या अन्य सुधार के लिए फॉर्म-7 व 8 का उपयोग किया जा सकता है। ये कार्य ऑनलाइन माध्यम से पर आनलाईन के जरिए भी किए जा सकते

हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी ईआरओ/एईआरओ को निर्देश दिए गए हैं कि उन्हें प्राप्त सभी आवेदन/फॉर्म का समयबद्ध निपटान करें और संबंधित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पारदर्शी प्रक्रिया में शामिल किया जाए।

इसके अतिरिक्त, खंड शिक्षा अधिकारियों को डेडिकेटेड सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूलों, शिक्षण संस्थानों व गांवों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि अधिक से अधिक युवा नए मतदाता के रूप में पंजीकृत हो सकें। जिला निर्वाचन अधिकारी, नूंह ने आम जनता से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने मत का अधिकार सुनिश्चित करने हेतु मतदाता सूची में नाम अवश्य दर्ज करवाएं।

दिल्ली टेस्ट के पहले दिन भारत- 318/2

यशस्वी का 7वां शतक, वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना बेस्ट स्कोर बनाया; वारिकन को 2 विकेट

दिल्ली टेस्ट के पहले ही दिन भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत पकड़ बना ली है। अरुण जेटली स्टेडियम में शुक्रवार को स्टंप्स तक टीम ने महज 2 विकेट खोकर 318 रन बना लिए। यशस्वी जायसवाल 173 और शुभमन गिल 20 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। यह यशस्वी का वेस्टइंडीज के खिलाफ बेस्ट टेस्ट स्कोर है। 2023 में उन्होंने 171 रन बनाए थे। भारत के कप्तान शुभमन ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। केएल राहुल 38 रन बनाकर आउट हुए, उन्होंने यशस्वी के साथ 58 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। साई सुदर्शन ने फिर यशस्वी के साथ 193 रन जोड़े। सुदर्शन 87 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज से लेफ्ट आर्म स्पिनर जोमेल वारिकन ने 2 विकेट लिए। टीम इंडिया ने दिल्ली टेस्ट में टॉस जीतने के साथ ही मैच में अपनी पकड़ बनानी शुरू कर दी। अरुण जेटली स्टेडियम की बैटिंग फ्रेंडली पिच पर टीम ने बल्लेबाजी चुन ली और वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेलना शुरू कर दिया। पहले सेशन में टीम ने 1 ही विकेट गंवाया और 94 रन बना लिए। केएल राहुल 38 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद यशस्वी जायसवाल ने साई सुदर्शन के साथ पारी संभाल ली। दोनों ने टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। दूसरे सेशन में भारत ने विकेट नहीं गंवाया। यशस्वी ने अपना 7वां टेस्ट शतक लगाया, वहीं सुदर्शन ने दूसरी फिफ्टी लगा दी। तीसरे सेशन में सुदर्शन 87 रन बनाकर आउट हुए, उन्होंने यशस्वी के साथ दूसरे विकेट के लिए 193 रन की पार्टनरशिप की। वेस्टइंडीज से दोनों विकेट लेफ्ट आर्म स्पिनर जोमेल वारिकन ने लिए।

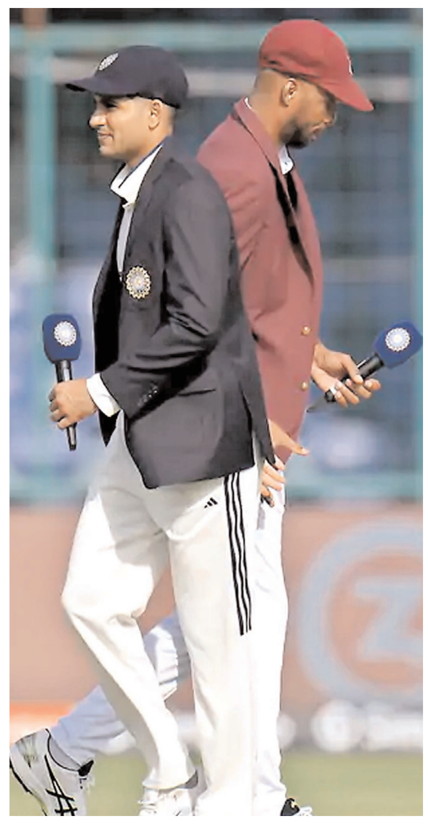

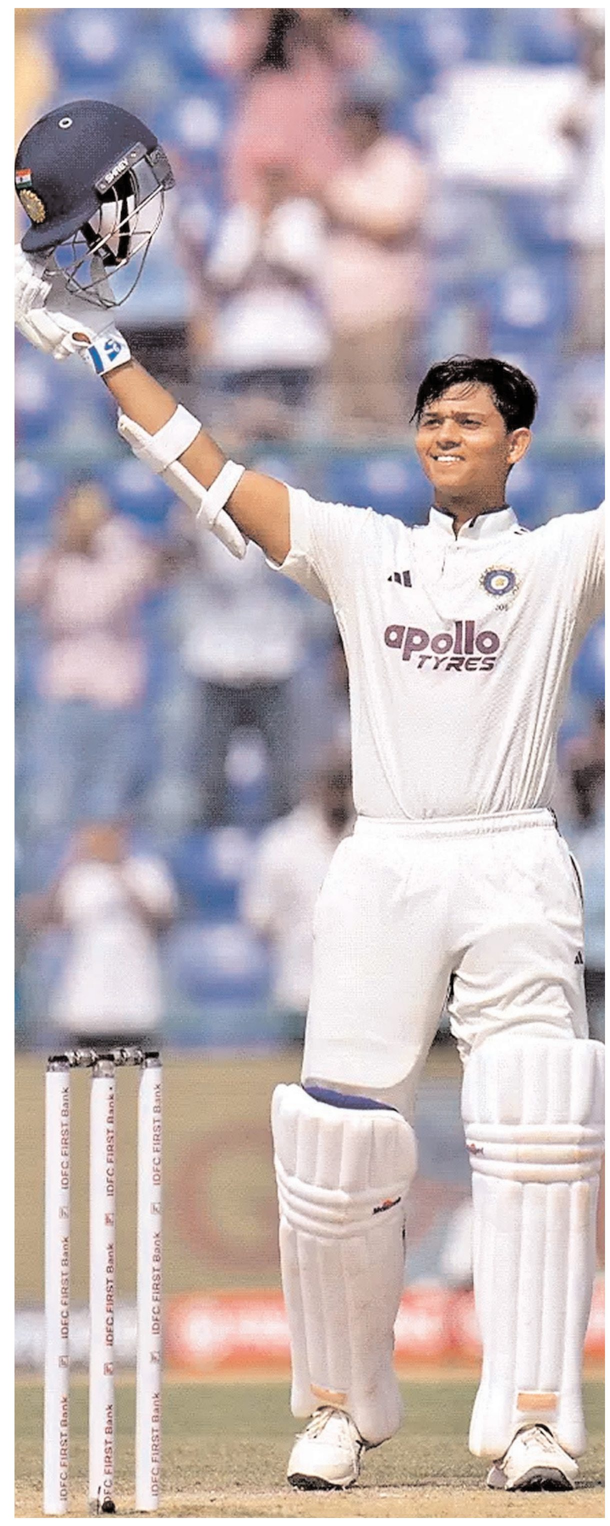

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज: तेगनारायण चंद्रपॉल, जोन कैम्पबेल, एलिक एथनाज, रोस्टन चेज (कप्तान), शाई होप, टेविन इमलाक (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, खैरी पीयर, जोमेल वारिकन, एंडरसन फिलिप, जैडन सील्स।

16वें ओवर में भारतीय ओपनर केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। केएल राहुल ने जस्टिन ग्रीव्स के ओवर की चौथी बॉल पर चौका लगाया और फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी की। 11वें ओवर में केएल राहुल अंपायर्स कॉल की वजह से आउट होने से बच गए। एंडरसन फिलिप की तीसरी बॉल पर केएल राहुल के पैड पर लगी। फील्ड अंपायर के अपील नकारने के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान ने रिव्यू की मांग की। रिप्ले से पता चला कि बॉल ऑफ स्टंप के ऊपरी हिस्सा में लग रही थी। भारतीय ओपनर केएल राहुल ने 9वां ओवर डाल रहे जैडन सील्स की आखिरी 2 बॉल पर लगातार दो चौके लगाए। उन्होंने 5वीं बॉल को कवर बाउंड्री के बाहर पहुंचा। फिर आखिरी बॉल पर मिडविकेट पर चौका लगाया।

खबर एक्सप्रेस

डी क्लर्क के सिक्स से साउथ अफ्रीका जीती

क्रांति ने एक हाथ से कैच लपका, शतक से चूकीं रिचा, फुल टॉस बॉल पर आउट

नई दिल्ली। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका ने भारत को 3 विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर बल्लेबाजी कर रही भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 252 रन का टारगेट दिया था। जवाब में नदिन डी क्लर्क के 84 रन की बदौलत साउथ अफ्रीका ने 48.5 ओवर में 252/7 का स्कोर बनाकर जीत हासिल कर ली। विशाखापट्नम स्टेडियम में शानदार मोमेंट्स देखने को मिले। नदिन डी क्लर्क ने सिक्स लगाकर प्रोटीयाज को जीत दिला दी। पेसर क्रांति गौड़ ने खुद की ही बॉलिंग में एक हाथ से कैच लपका। ऋचा घोष फुल टॉस बॉल पर आउट हुई। वहीं प्रतिका रावल ने मैच की पहली ही बॉल पर चौका लगाया। 5वें ओवर की 5वीं बॉल पर प्रतिका रावल के खिलाफ अपील हुई। मरीजान कैप की बॉल प्रतिका के पैड पर जा लगी। साउथ अफ्रीकी प्लेयर ने अपील की लेकिन अंपायर ने नो बॉल दे दी। ऐसा ही एक वाकया छठे ओवर की पहली बॉल पर भी हुआ। यहां स्मृति मंधाना के खिलाफ छ्इह की जोरदार अपील हुई। साउथ अफ्रीकी कप्तान रिव्यू के बारे में सोचती।

इससे पहले ही अंपायर्स ने नो-बॉल का इशारा कर दिया। 17वें ओवर में भारतीय टीम ने दूसरा विकेट गंवाया। हरलीन देओल 13 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें नोन्कुलुलेको मलाबा ने बोल्ड किया। हरलीन मालाबा की अंदर आती हुई बॉल को समझ नहीं पाई और बोल्ड हो गई। मलाबा ने 3 विकेट लिए। भारतीय विकेटकीपर ऋचा घोष ने 44वें ओवर की 5वीं बॉल पर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 53 बॉल पर अर्धशतक लगाया। ऋचा ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में पहली फिफ्टी लगाई। उन्होंने वनडे करियर का 7वां अर्धशतक भी लगाया।46वें ओवर में ऋचा घोष ने एक हजार वनडे रन पूरे कर लिए।

न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट में दोनों मैच गंवाए

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप का 11वां मैच न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच खेला जा रहा है। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने बैटिंग चुनी। टीम ने 38 ओवर के बाद 3 विकेट खोकर 150 रन बना लिए हैं। टीम से ब्रूक हालिडे और कप्तान सोफी डिवाइन पिच पर हैं।टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरूआत खराब रही। टीम ने 38 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। जॉर्जिया प्लिमर 4 और अमीलिया केर 1 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों को राबेया खान ने पवेलियन भेजा। सूजी बैट्स 29 रन बनाने के बाद रन आउट हुईं। 11वें ओवर में 3 विकेट गिर जाने के बाद कप्तान सोफी डिवाइन और ब्रूक हालिडे ने टीम को संभाल लिया। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। हालिडे ने हाफ सेंचुरी भी लगा दी। न्यूजीलैंड टीम का प्रदर्शन अभी तक टूर्नामेंट में काफी निराशाजनक रहा है। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 88 रन की हार के बाद न्यूजीलैंड को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।दूसरी ओर, बांग्लादेश ने पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर एक अच्छी शुरूआत की लेकिन दूसरे मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। पॉइंट्स टेबल में न्यूजीलैंड 7वें और बांग्लादेश चौथे नंबर पर है। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के बीच 4 विमेंस वनडे खेले गए। इनमें से 1 न्यूजीलैंड ने जीते। जबकि 2 मुकाबलों का रिजल्ट नहीं निकल सका। वनडे वर्ल्ड कप में दोनों के बीच 1 मैच खेला गया है। 2022 में खेला गया यह मुकाबला न्यूजीलैंड ने 9 विकेट से जीता। बांग्लादेश की सोभना मोस्तरी, राबेया खान तथा फाहीमा खातून ने इस लो स्कोरिंग मुकाबले में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और पिछले मैच में इंग्लैंड को अच्छी टक्कर दी थी। सोभना मोस्तरी टूर्नामेंट में टीम की टॉप स्कोरर हैं।

रोहतक की हर्षिता ने जीते 3 गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। रोहतक की हर्षिता अहलावत ने राज्य स्तरीय स्विमिंग प्रतियोगिता में 3 गोल्ड मेडल जीते। प्रतियोगिता में मेडल जीतने के बाद हर्षिता अहलावत का चयन राष्ट्रीय स्तरीय स्विमिंग प्रतियोगिता के लिए किया गया है। अब हर्षिता राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयारी कर रही हैं।

राज्य स्तरीय स्विमिंग प्रतियोगिता का आयोजन अंबाला के वार हीरोज मेमोरियल स्टेडियम में किया गया, जिसमें प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के 3 इवेंट में हर्षिता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 गोल्ड मेडल अपने नाम किए। अब हर्षिता दिल्ली में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी। मीडिया कन्वीनर डॉ. जनक राज ने बताया कि हर्षिता ने अंडर 19 में 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 800 मीटर फ्रीस्टाइल में गोल्ड मेडल अपने नाम किए। इससे पहले हर्षिता ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। हर्षिता का रोहतक पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया जाएगा। हर्षिता अहलावत राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 4 इवेंट में भाग लेंगी।

WPL में पहली बार मेगा ऑक्शन

5 प्लेयर्स रिटेन होंगे, हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ का बजट, राइट-टु-मैच कार्ड भी मिलेगा

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) में पहली बार मेगा ऑक्शन होगा। ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी टीमें 5 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारिख 5 नवंबर है, जिसकी जानकारी टीमों को दे दी गई है। जबकि ऑक्शन की प्रक्रिया 25 से 29 नवंबर के बीच हो सकती है। गुरुवार को WPL ने सभी फ्रेंचाइजी को एक ईमेल भेजे। इसमें कहा कि हर टीम ज्यादा से ज्यादा तीन कैप्ड भारतीय, दो विदेशी और दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी रिटेन कर सकती है। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उनमें कम से कम एक अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी होना अनिवार्य है। ऑक्शन के लिए हर फ्रेंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का पर्स है। वहीं, रिटेंशन स्लैब्स के लिए गाइडलाइन भी जारी की हैं। अगर कोई फ्रेंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसकी पर्स से 9.25 करोड़ रुपए काटे जाएंगे। चार खिलाड़ियों के लिए 8.75 करोड़ रुपए, तीन के लिए 7.75 करोड़ रुपए, दो के लिए 6 करोड़ रुपए और एक के लिए 3.5 करोड़ रुपए घटाए जाएंगे।

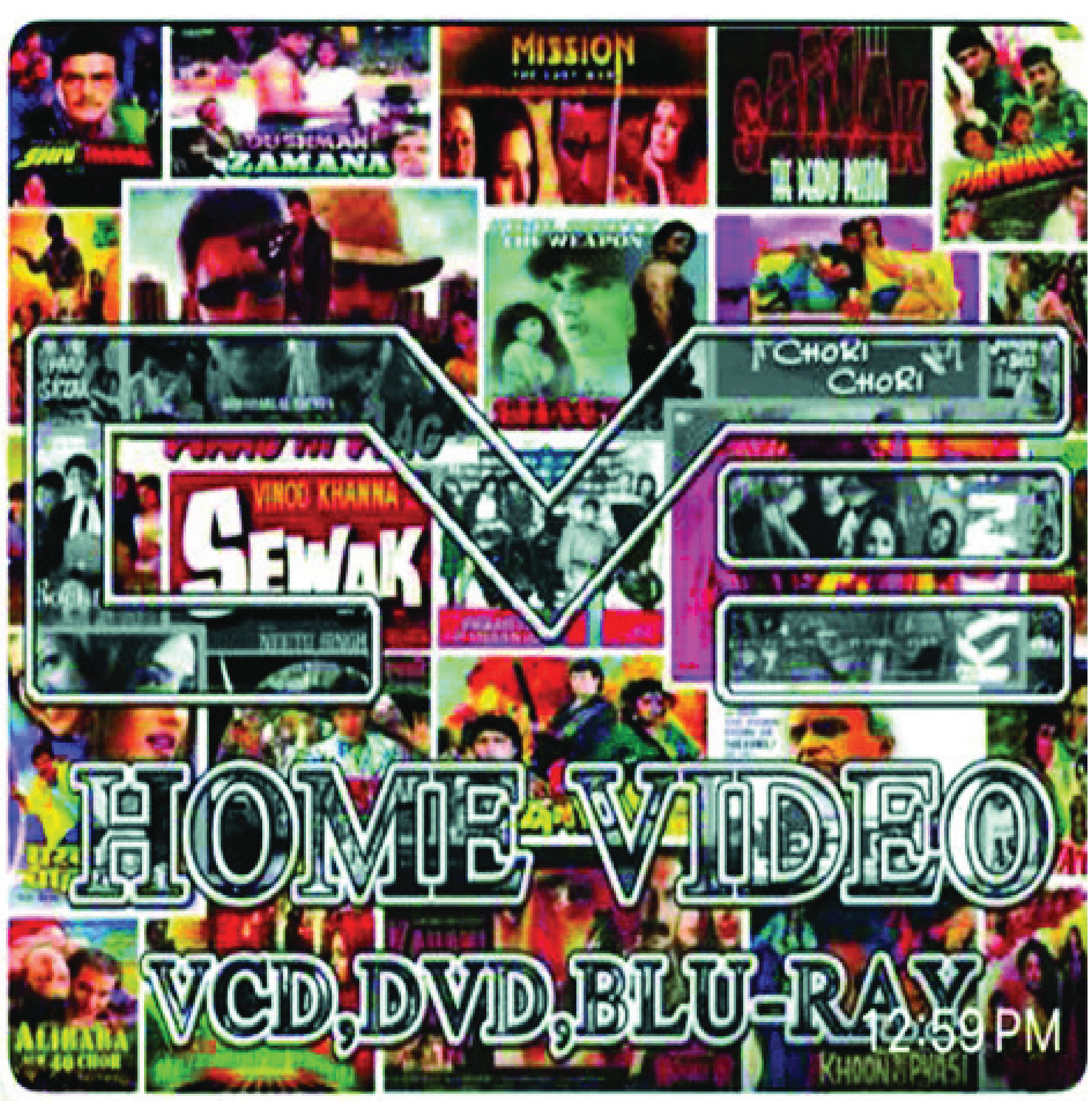

खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 15 नवंबर

IPL ऑक्शन 13 से 15 दिसंबर के बीच मुमकिन

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। अगला IPL ऑक्शन 13 से 15 दिसंबर के बीच भारत के ही किसी शहर में हो सकता है। इस बार मिनी ऑक्शन होना है। पिछले दो साल नीलामी दुबई और जेद्दा में हुई थी। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों की रिटेंशन लिस्ट जारी करने की आखिरी तारीख 15 नवंबर तय की गई है। रिटेंशन लिस्ट में फ्रेंचाइजी को यह बताना होता है कि अपने स्क्वॉड में से किन खिलाड़ियों को वह रोक रही है और किनको ऑक्शन के लिए रिलीज कर रही है। BCCI ने इस बारे में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।कोई भी IPL फ्रेंचाइजी अधिकतम 6 खिलाड़ियों को ही रिटेन कर सकती है। बाकी खिलाड़ियों को ऑक्शन के लिए रिलीज करना होता है। 6 रिटेन खिलाड़ियों में से 5 से ज्यादा इंटरनेशनल प्लेयर और 2 से ज्यादा अनकैप्ड प्लेयर नहीं हो सकते हैं। IPL ऑक्शन में हर टीम के पास 120 करोड़ रुपए का पर्स होता है। हालांकि, पर्स में रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या के हिसाब से कटौती होती है। अगर कोई टीम 1 इंटरनेशनल खिलाड़ी को रिटेन करती है तो पर्स में से 18 करोड़ रुपए कट जाते हैं। दूसरा खिलाड़ी रिटेन करने पर 14 करोड़ रुपए और कम हो जाते हैं। इसी तरह तीसरे रिटेंशन के एवज में 11 करोड़, चौथे के लिए 18 करोड़ और पांचवें के लिए 14 करोड़ रुपए की कटौती होती है। अनकैप्ड खिलाड़ी को रिटेन करने पर 4 करोड़ रुपए पर्स से कम हो जाते हैं। सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें आखिरी दो पोजिशन पर रही थी। इस वजह से माना जा रहा है कि ये दो टीमें सबसे कम खिलाड़ियों को रिटेन करेगी। राजस्थान की टीम कप्तान संजू सैमसन को रिलीज कर सकती है। इसी तरह चेन्नई भी कई बड़े नामों को रिलीज कर सकती है।

1700 करोड़ का परोपकार में कैसे इस्तेमाल करें, इस पर रहा फोकस

- बाम्बे हाउस में साढ़े दो घंटे चली बैठक: कुछ सदस्य व्यक्तिगत रूप से और कुछ वीडियो कॉल से जुड़े।
- 1,700 करोड़ के उपयोग पर मतभेद: लाभांश राशि को परोपकार में खर्च करने पर एकमत नहीं बन सका।
- विजय सिंह और मेहली मिस्त्री की नियुक्तियों पर विवाद: बोर्ड में नामांकन को लेकर गहराया टकराव।

मुंबई। टाटा ट्रस्ट के बोर्ड की बैठक बैठक 10 अक्तूबर को समूह के मुख्यालय बाम्बे हाउस में दोपहर दो बजे तक चली। इसमें बोर्ड के कुछ सदस्य व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे रहे, जबकि कुछ सदस्य वीडियों कॉल के जरिए बोर्ड की बैठक से जुड़े। सूत्रों के अनुसार बैठक में ट्रस्ट प्रशासन के उचित संचालन, फंडिंग की जानकारी, नियमों के अनुपालन की समीक्षा हो सकती है। खबरें है कि ट्रस्टियों की नियुक्ति और उनके कार्यकाल को नया करने पर विशेष चर्चा नहीं हुई है। माना जा रहा है कि बैठक के दौरान मुख्य मुद्दा रहा- टाटा ट्रस्ट को टाटा संस से हाल ही में लाभांश के रूप में मिले 1,700 करोड़ रुपये का परोपकर के क्षेत्र में कैसे इस्तेमाल किया जाए? इस चर्चा के बीच ट्रस्टियों के बीच तनाव देखा जा रहा है। इसमें संतुलन बनाए रखना और बढ़ते तनाव को कम करने के प्रयास जारी है। इसकार की भी इस गहमागमी पर नजर है। माना जा रहा है कि शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक भी सरकार की ओर से की गई पहल का नतीजा है। फिलहाल बोर्ड की बैठक में क्या-क्या फैसला लिए गए, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

भारत के सबसे प्रतिष्ठित औद्योगिक समूहों में से एक टाटा ग्रुप इन दिनों आंतरिक विवादों के कारण सुर्खियों में है। यह विवाद टाटा ट्रस्ट और टाटा संस के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष से जुड़ा है। मामला रतन टाटा की पहली पुण्यतिथि से ठीक पहले सामने आया है। ऐसे समय में जब देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता की आवश्यकता है, टाटा ग्रुप की स्थिरता काफी मायने रखनती है।

क्या है टाटा समूह में विवाद का कारण?

विवाद की शुरूआत टाटा के बोर्ड में नियुक्तियों और संचालन से जुड़ी नीतियों को लेकर हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, टाटा ट्रस्ट में दो धड़े बन गए हैं। एक धड़ा नोएल टाटा यानी दिवंगत रतन टाटा के सौतेले भाई के साथ है। दूसरा धड़ा मेहली मिस्त्री (दिवंगत साइरस मिस्त्री के चचेरे भाई) के साथ है। इनका संबंध शापूरजी पल्लोनीजी परिवार से है। जिनकी टाटा समूह में अच्छी-खासी हिस्सेदारी है। इससे पहले, 11 सितंबर को हुई बोर्ड मीटिंग में पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी विजय सिंह बोर्ड में फिर से नॉमिनेट करने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन कुछ ट्रस्टियों ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद मेहली मिस्त्री को नामित करने का प्रस्ताव आया। लेकिन नोएल टाटा और वीनू श्रीनिवासन ने इसका विरोध किया। इससे विवाद और गहरा गया।

टाटा समूह की गतिविधियों पर क्यों है सरकार की नजर?

एक समय पर टाटा समूह में विवाद इतना बढ़ गया कि गृह मंत्री अमित शाह औरवित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने नोएल टाटा और टाटा संस के चेयरपर्सन एन चंद्रशेखरन के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। विशेषज्ञ सुनील दवे के अनुसार, टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस की लगभग 66% हिस्सेदारी है। इससे यह यह समूह की होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करता है। यदि यह विवाद और गहराता है, तो इसका असर सिर्फ शेयर बाजार और निवेशकों पर ही नहीं, बल्कि सीधे भारत की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। टाटा ग्रुप की सूचीबद्ध कंपनियों में करीब ?25 लाख करोड़ से अधिक का निवेश है। यह समूह भारत की जीडीपी में लगभग 4% का योगदान देता है।

वीवर्क इंडिया की स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री, घाटे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। फ्लेक्सिबल वर्कस्पेस ऑपरेटर वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट के लिमिटेड शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 648 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 1.50 रुपये डिस्काउंट के साथ 646.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 2 रुपये प्रीमियम के साथ 650 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयरों के भाव में और गिरावट आ गई। सुबह 11 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 633.85 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

वीवर्क इंडिया मैनेजमेंट के लिमिटेड का 3,000 करोड़ रुपये का आईपीओ 3 से 7 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.15 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.79 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

पाकिस्तान को नवंबर में मिल सकती है 1.2 अरब डॉलर की राहत किश्त

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईमएफ) के साथ स्टाफ-लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) के जल्द फाइनल होने की उम्मीद कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह समझौता वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के आगामी अमेरिका दौरे के दौरान संभव है। रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते को अंतिम रूप देने से पहले बाहरी खाते और बाढ़ से संबंधित नुकसान के सत्यापन पर सहमति जरूरी है। इसके अलावा, केंद्र और प्रांतीय खातों के बीच वित्तीय समायोजन को लेकर भी सहमति बननी बाकी है। इन मुद्दों को आगामी आईएमएफ-विश्व बैंक वार्षिक बैठकों के दौरान अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है, जहां वित्त मंत्री के नेतृत्व में और एसबीपी गवर्नर और एफबीआर चेयरमैन सहित पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताहांत रवाना होगा। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की कि आईएमएफ ने दो सप्ताह की व्यस्तताओं के बाद पाकिस्तान से रवाना होने वाले एक प्रतिनिधिमंडल से पहले अधिकारियों के साथ आर्थिक और वित्तीय नीतियों के ज्ञापन (एमईएफपी) का मसौदा साझा किया था। आईएमएफ टीम ने 24 सितंबर से 8 अक्तूबर के बीच कराची और इस्लामाबाद का दौरा किया, जहां विस्तारित फंड सुविधा (एत्रऋ) की दूसरी समीक्षा और रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (फत्रऋ) की पहली समीक्षा पर चर्चा हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि समझौते के लगभग अंतिम चरण में दो महत्वपूर्ण वित्तीय तालिकाओं पर कुछ संशोधन बाकी हैं। अधिकारी ने कहा कि विदेशी प्रेषण से जुड़ा नया डेटा पाकिस्तान के बाहरी खाते को लेकर देश की स्थिति को और मजबूत करता है। उन्होंने बताया कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान फिलहाल अपनी सतर्क मौद्रिक नीति बनाए रखेगा। वहीं, बाढ़ से हुए नुकसान के आकलन और सत्यापन की प्रक्रिया अभी जारी है। आईएमएफ मिशन ने चेतावनी दी है कि आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए समय पर सुधारात्मक कदम, विशेषकर टैरिफ समायोजन, बेहद जरूरी हैं। सरकार को वादे के अनुसार सब्सिडी जारी करनी होगी और उन प्रांतों को लंबित बिलों का भुगतान करना होगा जहां बाढ़ग्रस्त जिलों में उपभोक्ताओं के बिलों में छूट दी गई थी। साथ ही, प्रांतों को बाढ़ से हुए नुकसान के मद्देनजर अपने नकद अधिशेष लक्ष्यों को भी पूरा करना होगा। सरकार विकास निधियों के वितरण में सख्त वित्तीय नीति अपनाएगी, जबकि बाढ़ प्रभावित इलाकों में चल रहे विकास कार्य फिलहाल स्थगित रहेंगे।

एसबीआई की डिजिटल सेवाएं आज एक घंटे के लिए रहेंगी बंद

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने शनिवार, 11 अक्तूबर को सुबह के शुरूआती समय में नियोजित मेंटेनेंस की जानकारी दी है। इसके दौरान बैंक की कई डिजिटल सेवाएं अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं रहेंगी।

किस समय सेवाएं होंगी प्रभावित?

एसबीआई के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (वढक), इमीडिएट पेमेंट सर्विस (क्टढर), डठड, इंटरनेट बैंकिंग, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (ठएत्रऋ) और रियल-टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (फळॠ) जैसी सेवाएं 1:10 बजे से 2:10 बजे तक (कऌ) प्रभावित रहेंगी। बैंक ने बताया कि सभी सेवाएं 2:10 बजे के बाद

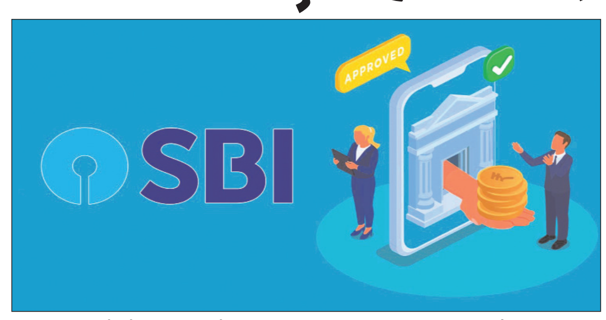

सामान्य रूप से दोबारा शुरू हो जाएंगी।

एसबीआई ने किया ग्राहकों से अनुरोध

एसबीआई ने अपने ग्राहकों से अनुरोध किया है कि वे अपने लेन-देन की योजना इसी के अनुसार बनाएं। बैंक ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान, उपयोगकर्ता जरूरी लेन-देन के लिए एटीएम सेवाओं और यूपीआई लाइट का उपयोग जारी रख सकते हैं।

यूपीआई लाइट

यूपीआई लाइट एक नया पेमेंट समाधान है, जिसे 1,000 रुपये से कम के छोटे मूल्य वाले लेनदेन को तेज और पिनलेस तरीके से करने के लिए डिजाइन किया गया है। यूपीआई लाइट में रखे गए बैलेंस को नकदी के समान माना जाएगा, और उपयोगकर्ता

अमेजन ग्रॉसरी के साथ दिवाली को बनाएं और भी खास

फरीदाबाद। 22 सितंबर से शुरू हुआ अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2025, पूरे भारत में ग्राहकों के लिए खुशी और समृद्धि का मौसम लेकर आया है। अमेजन ग्रॉसरी आवश्यक वस्तुओं, त्योहारी उपहारों और गॉरमेट उत्पादों की श्रेणियों में मजबूत वृद्धि देख रहा है, जो दशार्ता है कि ग्राहक किस तरह से स्वास्थ्य-सचेत विकल्पों को पारंपरिक पसंद के साथ मिला रहे हैं। बेरी और एवोकाडो जैसे प्रीमियम फलों की बिक्री क्रमश: 3 गुना और 2 गुना बढ़ी है, जबकि सूखे मेवों की मांग 21 गुना बढ़ी है, जो प्रीमियम और वेलनेस-केंद्रित उपहार देने की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी को दशार्ता है। हाल ही में हुई जीएसटी कटौती ने विभिन्न श्रेणियों में ग्राहक मांग को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, पेय पदार्थ, तेल और अनाज की बिक्री सामान्य स्तर (बीएयू) की तुलना में 100प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। डी2सी ब्रांड्स से हाई-प्रोटीन फूड्स और स्प्रेड्स की मांग में 150प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।

कामकाजी दृष्टिबाधितों की चुनौतियों को आसान करने की सरकार से अपील

नई दिल्ली। भारत भर में नेत्रहीन और कम दृष्टि वाले बैंक कर्मचारियों के सशक्तिकरण के लिए प्रयासरत अपनी तरह के पहले पंजीकृत संघ, विजुअली इम्पेयर्ड बैंक एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन (वाइबेवा)

ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) और वित्त मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक संपन्न की। इन गहन सत्रों के दौरान, वाइबेवा के नेताओं ने भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में दृष्टिबाधित व्यक्तियों की कामकाजी परिस्थितियों पर सर्वेक्षण रिपोर्ट : सरकारी दिशानिदेर्शों के कार्यान्वयन की समीक्षा और आगे का रास्ता नामक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित अपनी व्यापक रिपोर्ट औपचारिक रूप से प्रस्तुत की। बैठकों के बाद वाइबेवा के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमने रचनात्मक बातचीत की है और चुनौतियों के अकाट्य प्रमाण प्रस्तुत किए हैं। अब निर्णायक कार्रवाई करने की जिम्मेदारी मंत्रालयों पर है।

टाटा पंच बनी होशियारपुर की पसंदीदा एसयूवी: इस फेस्टिव सीजन की सबसे चर्चित कार

होशियारपुर : टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने सितंबर 2025 में जबरदस्त बिक्री दर्ज करते हुए भारत की नंबर 2 पैसेंजर व्हीकल कंपनी के रूप में अपनी जगह बनाई है। इस सफलता की सबसे बड़ी वजह रही टाटा पंच — जो देश की टॉप 5 सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में शामिल रही।

पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक झ तीनों वैरिएंट्स में उपलब्ध पंच एक कॉम्पैक्ट लेकिन दमदार एसयूवी है। शानदार फीचर्स और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के साथ यह न सिर्फ एसयूवी में अपग्रेड करने वालों की सबसे पसंदीदा चॉइस बनी है, बल्कि देशभर में पहली बार कार खरीदने वाले 69% ग्राहकों की भी पहली पसंद रही है। अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच टाटा पंच ने पंजाब में टीएमपीवी की कुल बिक्री में 35% योगदान दिया, जिससे यह राज्य की सबसे पसंद की जाने वाली कारों में शामिल हो गई है।

सेबी द्वारा आयोजित सीआईआई चंडीगढ़ फेयर, 2025 में निवेशकों ने सीखे ऑनलाइन-फ्रॉड से बचने के गुर

चंडीगढ़: निवेश और सुरक्षा, दोनों को एक ही मंच पर जोड़ते हुए, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने आज 28वें सीआईआई मेले में 'भारत का शेयर बाजार' पवेलियन का शुभारंभ किया। एनएसई, बीएसई, एमसीएक्स, एनसीडीईएक्स, एमएसईआई, एएमएफआई,

एनआईएसएम, सीडीएसएल और एनएसडीएल के सहयोग से लगाए गए इस स्टॉल का उद्देश्य लोगों को स्मार्ट निवेश और धोखाधड़ी से सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना रहा। परेड ग्राउंड, सेक्टर-17, चंडीगढ़ में आयोजित यह पहल निवेशकों को सशक्त बनाने और निवेश सुरक्षा के विषय में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से की गई। कार्यक्रम को "स्मार्ट निवेश, सुरक्षित भविष्य!", "सही ज्ञान ही सुरक्षा है!" तथा "बुद्धिमान निवेशक, सुरक्षित धन!" के संकल्प के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान, विजयंत कुमार वर्मा, क्षेत्रीय निदेशक- एनआरओ, सेबी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस पवेलियन में निवेशकों को वित्तीय साक्षरता, ऑनलाइन-फ्रॉड से बचाव और सुरक्षित निवेश के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही, यह समझाया गया कि धोखाधड़ी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है- सही जानकारी। किस प्रकार किसी भी इंटरमीडियरी को भुगतान करने से पहले उसके वैध खाते की जाँच आवश्यक है, सेबी द्वारा उपलब्ध कराए गए टूल्स एवं ऐप के माध्यम से यह जाँच तुरंत की जा सकती है। कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने कार्यक्रम पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा, "सत श्री अकाल। मैं सीआईआई के इस आयोजन में उपस्थित होकर प्रसन्नता महसूस करता हूँ। 28 वर्षों से यह प्रदर्शनी सतत रूप से लोगों को जोड़ रही है और भविष्य में इसकी समान सफलता की कामना है। मेरी शुभकामना है कि यह आयोजन केवल चंडीगढ़ तक सीमित न रहे, बल्कि पंजाब के अन्य शहरों में भी आयोजित हो, ताकि लोग यात्रा की कठिनाइयों से मुक्त होकर अधिक सहज तरीके से लाभ उठा सकें। मैंने सेबी के स्टॉल पर देखा कि वहाँ फ्रॉड से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है, विशेषकर ऑनलाइन फ्रॉड में वृद्धि के मद्देनजर यह जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। वह वाकई सराहनीय है।"

डिजिटल भुगतान वॉल्यूम एफवाई25 में 35 प्रतिशत बढ़ा

फरीदाबाद। शहरी भारत में डिजिटल भुगतान वॉल्यूम एफवाई25 में 35प्रतिशत वृद्धि हुई, जिसका नेतृत्व महिलाओं, युवा पेशेवरों और छोटे शहरों के उपभोक्ताओं ने किया है, जो डिजिटल भुगतान के नए तरीकों को अपना रहे हैं। यह जानकारी आज केरनी इंडिया और अमेजन पे द्वारा जारी हाऊ अर्बन इंडिया पे 2025 रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट इस पर प्रकाश डालती है कि आकांक्षी खरीदार अब डिजिटल लेनदेन को विभिन्न खर्च श्रेणियों में फैला रहे हैं, जहां डिजिटल तरीकों को अब केवल उच्च मूल्य वाले खरीद जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स और परिधान के लिए ही नहीं बल्कि नियमित श्रेणियों जैसे उपयोगिता बिल के लिए भी प्राथमिकता दी जा रही है। यह परिवर्तन भारत को 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। अमेजन पे इंडिया के सीईओ विकास बंसल ने कहा भारत का भुगतान परिदृश्य तेजी से विकसित हो रहा है, और हम यह परिवर्तन केवल महानगरों में नहीं बल्कि पूरे देश में देख रहे हैं। ऑफलाइन लेनदेन के लिए डिजिटल भुगतान की प्राथमिकता सिर्फ एक वर्ष में 48प्रतिशत से बढ़कर 56प्रतिशत होना उपभोक्ता व्यवहार में एक मौलिक बदलाव को दशार्ता है। को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के बढ़ते उपयोग और 87प्रतिशत डिजिटल यूटिलिटी बिल भुगतान की मजबूत प्राथमिकता एक परिपक्व डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत है। अमेजन पे में, हम इस बदलाव को अपनी व्यापक समाधान श्रृंखला के माध्यम से सक्षम कर रहे हैं छोटे लेनदेन के लिए यूपीआई और वॉलेट से लेकर अमेजन पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड और पे लेटर विकल्प तक जिससे डिजिटल भुगतान सभी भारतीयों के लिए अधिक फायदेमंद और सुलभ बन सके।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी जारी, नए शिखर पर सोना और चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सरार्फा बाजार में सोना और चांदी की कीमत में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। ये दोनों चमकीली धातुएं आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर पहुंची हुई हैं। आज के कारोबार में सोना 200 रुपये से लेकर 220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है।

इसी तरह चांदी 7,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल कर नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। कीमत में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,24,160 रुपये से लेकर 1,24,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,13,810 रुपये से लेकर 1,13,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज 1,67,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,24,310 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,24,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,24,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,24,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,13,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,24,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,24,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,13,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,24,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,13,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,24,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सरार्फा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

कैलेंडर वर्ष 2025 में भारतीय कंपनियों ने 14.2 अरब डॉलर की राशि जुटाई

आईपीओ से धन जुटाने में भारत विश्व में चौथे नंबर पर

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये पैसा जुटाने के मामले में भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है। बर्नस्टीन के विश्लेषण के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2025 में भारतीय कंपनियों ने आईपीओ के जरिये 14.2 अरब डॉलर की राशि जुटाई। अमेरिका 52.9 अरब डॉलर के साथ इस सूची में शीर्ष पर है। हांगकांग 23.4 अरब डॉलर के साथ दूसरे और चीन 16.2 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर है। विश्लेषण के मुताबिक, रुपये के संदर्भ में

कैलेंडर वर्ष 2025 में प्राथमिक बाजार में 74 भारतीय कंपनियों ने आईपीओ से 85,241.08 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह पिछले पांच वर्षों में प्राथमिक बाजार से जुटाई गई तीसरी सबसे बड़ी राशि है। इसमें 30,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए खुले तीन बड़े आईपीओ बीवर्क इंडिया, टाटा कैपिटल और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया शामिल नहीं हैं। इससे पहले 2024 में 91 आईपीओ से 1,59,783.76 करोड़ और 2021 में 63 इश्यू से 1,18,723.17 करोड़ रुपये की रकम जुटाई गई थी। निवेशकों को मिला औसतन 22 फीसदी रिटर्न जनवरी, 2024 से अब तक यानी 21 महीने में भारत में 161 कंपनियों के आईपीओ सूचीबद्ध हुए। इन शेयरों ने निवेशकों को औसतन 22 फीसदी का रिटर्न दिया है, जो बड़े बाजार सूचकांकों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन है। इन शेयरों ने पिछली सात तिमाहियों में से पांच में निफ्टी के रिटर्न को पीछे छोड़ दिया है। 161 में से 61 फीसदी शेयरों ने छह महीने में निफ्टी सूचकांक के मुकाबले निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। छोटे आकार के इश्यू से ज्यादा मुनाफा

खबर एक्सप्रेस

हिमाचल प्रदेश सरकार और रेडबस ने विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया

शिमला-हिमाचल प्रदेश सरकार, दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन बस टिकटिंग प्लेटफॉर्म, रेडबस और विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के साथ मिलकर, वंचित हिमालयी समुदायों को विजन केयर सेवाएँ प्रदान

कर रही है। इसका लक्ष्य हिमाचल प्रदेश में नेत्र जाँच, चश्मा वितरण, विजन केयर रेफरल और जागरूकता अभियानों के माध्यम से 5,000 लोगों तक पहुँचना है। हिमाचल प्रदेश सरकार और रेडबस इस पहल का समर्थन कर रहे हैं, जो विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के व्यापक मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत भर में उन 55 करोड़ लोगों की मदद करना है जिनके पास स्पष्ट रूप से देखने के लिए आवश्यक चश्मे नहीं हैं। इनमें हिमाचल प्रदेश के 30 लाख लोग शामिल हैं जिनके पास विजन केयर की सीमित या कोई पहुँच नहीं है। चश्मा एक सिद्ध, किफायती समाधान है, जो कमाई की क्षमता को 33.4 प्रतिशत तक और उत्पादकता को 32 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है।

पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की

शिमला-पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड ने हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित हिमाचल प्रदेश के परिवारों

की मदद के लिए कदम उठाया है। अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत कंपनी ने जनभावना के रूप में राहत बैग बांटे, जिनमें जरूरी खाद्य सामग्री शामिल है और जहाँ पर पी मार्क सरसों तेल ब्रैंड नौ दशकों से लोगों की सेवा कर रहा है। प्रत्येक राहत बैग में आटा, चावल, दाल, नमक, हल्दी, मिर्च पाउडर और सरसों तेल शामिल हैं ताकि प्रभावित परिवारों को तुरंत पोषण और राहत मिल सके। पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड की निदेशक तेजस्विनी पुरी ने इस अवसर पर कहा कि हम उन सभी परिवारों के साथ है जो हिमाचल प्रदेश की बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ऐसे कठिन समय में हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने नागरिकों के साथ दृढ़ता से खड़े रहें। इस राहत सामग्री वितरण के माध्यम से हम परिवारों को जरूरी खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना चाहते हैं ताकि उनके लिए ये मुश्किल थोड़ी आसान हो सके।

मीडियाटेक ने एआई पावर्ड चिपसेट्स के लिए विजन पेश किया

चंडीगढ़-विश्व की अग्रणी फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने अपने टेक्नोलॉजी रूपरेखा को अत्याधुनिक ढंग से मजबूत करते हुए एआई के भविष्य को आकार प्रदान करने के लिए अपना

विजन पेश किया। मीडियाटेक ने विस्तृत एन2पी प्रोसेस पर अगली पीढ़ी का अग्रणी एसओसी विकसित करने के लिए टीएसएमसी के साथ गठबंधन की भी घोषणा की और अगले वर्ष बड़ी मात्रा में इसका उत्पादन शुरू होने की संभावना है। मीडियाटेक ने अपना नवीनतम अग्रणी चिपसेट दि मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9500 पेश किया जिसे अगली पीढ़ी के 5जी स्मार्टफोन को सुपरचार्ज करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह चिपसेट उद्योग के अग्रणी ऑन-डिवाइस एआई, कंसोल-ग्रेड गेमिंग और बेजोड़ पावर दक्षता का मेल कराती है जिससे मोबाइल का निष्पादन नए सिरे से परिभाषित होता है।

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मिला यूएस एफडीए रजिस्ट्रेशन

चण्डीगढ़- लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड को अपने सर्जिकल कंज्यूमेबल्स, ऑर्थोपेडिक सपोर्ट्स

और हाइजीन उत्पादों की श्रृंखला के लिए यूएस एफडीए रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि कंपनी की उत्कृष्ट विनिर्माण क्षमता को दशार्ती है और वैश्विक हेल्थकेयर सप्लाई चेन में भारत की स्थिति को और मजबूत करती है। यूएस एफडीए रजिस्ट्रेशन उत्पाद सुरक्षा, गुणवत्ता और अनुपालन के सर्वोच्च मानक का प्रतीक है। भारतीय निर्माताओं के लिए यह संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और मध्य पूर्व जैसे नियंत्रित अंतरराष्ट्रीय बाजारों के द्वार खोलता है, जिससे व्यापार में अभूतपूर्व वृद्धि की संभावनाएं बढ़ती हैं। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज के लिए यह उसकी वैश्विक विस्तार यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण है, जो निर्यात के अवसरों को बढ़ाता है और हेल्थकेयर मैन्युफैक्चरिंग में भारत को विश्व नेतृत्व की दिशा में अग्रसर करता है।

फ्रेडरिक कॉन्स्टैंट ने पेश किया टाइमलेस फेस्टिव गिफ्टिंग

चंडीगढ़: फ्रेडरिक कॉन्स्टैंट ने दो शानदार टाइमपीस पेश किए हैं जो इस त्योहार के मौसम की

भावना को दशार्ते हैं — महिलाओं के लिए हाईलाइफ लेडीज क्वार्ट्ज और पुरुषों के लिए क्लासिक्स प्रीमियर। स्विस कारीगरी और शाश्वत शालीनता का प्रतीक ये घड़ियाँ सिर्फ आभूषण नहीं हैं, बल्कि प्रेम, एकता और नई शुरूआत के वादे का प्रतीक बनने वाले अनमोल उपहार हैं। महिलाओं के लिए, हाईलाइफ लेडीज क्वार्ट्ज अपने समय की भावना को समेटे हुए है — यह आधुनिक ट्रेंड्स को अपनाते हुए एक साथ स्टाइलिश और निडर भी है। हाईलाइफ लेडीज क्वार्ट्ज मॉडल घंटे, मिनट, सेकंड और तीन बजे की स्थिति पर तारीख दशार्ते हैं। इनका क्वार्ट्ज मूवमेंट 5 वर्ष की बैटरी लाइफ प्रदान करता है।

हरबेलिन घड़ी के साथ इस दिवाली मनाएं रौशनी का त्योहार

चंडीगढ़-इस दिवाली के मौसम को हरबेलिन के साथ नई शुरूआत और प्रेम व प्रकाश से भरे पलों के साथ अपनाएं। हरबेलिन आपको उत्कृष्टता और सटीकता की कविता को दशार्ते हुए, साधारण से

परे अलंकृत घड़ियाँ तैयार करके, चमक और स्नेह की इस सिम्फनी में समय का सम्मान करने के लिए आमंत्रित करता है। कैप कैमरैट क्रोनोग्राफ - ब्लैक एंड रोज गोल्ड पीवीडी 37645पीआर14सीए के साहसी समकालीन अंदाज से लेकर आर्ट डेको - 17438टीआर08बी की शाश्वत सुंदरता तक, हर एक पीस फ्रांसीसी सावोयर-फेयर को दशार्ता है, जो नवीनता और विरासत का एक परिष्कृत मिश्रण है। रोज गोल्ड पीवीडी हाइलाइट्स के साथ जो सूक्ष्मता से शक्ति और सुंदरता का मिश्रण करते हैं, कैप कैमरैट क्रोनोग्राफ अपने काले डायल से ध्यान आकर्षित करता है।

जिंदल स्टेनलेस ने लॉन्च किए हल्के, जंग-रोधी और ऊर्जा-कुशल सॉल्ट ट्रेलर्स

हिसार-भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील निमार्ता कंपनी जिंदल स्टेनलेस ने भारत के नमक उद्योग का केंद्र कहे जाने वाले गुजरात में आयोजित अपने टेक्निकल कॉन्क्लेव में अत्याधुनिक सॉल्ट टिपर ट्रेलर लॉन्च किया। सॉल्ट ट्रेलरों में स्टेनलेस स्टील के उपयोग से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की लंबे

समय से चली आ रही समस्याओं, जैसे जंग लगना, कम सस्टेबेनलिटी, सीमित उपयोग अवधि और उच्च रखरखाव खर्च, का समाधान संभव होगा। ये ट्रेलर हल्के वजन, जंग-रोधी होने, ऊर्चा बचाने और सस्टेनेबलिटी जैसे गुणों से युक्त है। कंपनी ने इन ट्रेलरों के निर्माण के लिए 304 और जेटी (बीआईएस 6911 विनिदेर्शों के अनुसार एन7) ग्रेड के आधुनिक स्टेनलेस स्टील का उपयोग किया है, जो बेहतर जंग-रोधी, आग-रोधी और बेमिसाल इंपैक्ट जैसे गुणों के साथ-साथ अत्यधिक मजबूती के लिए जाना जाता है। सॉल्ट ट्रेलर के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पदार्थ पर आमतौर पर 3-4 वर्षों में जंग लग जाता है, जिससे कामकाज में रुकावट आती है और मरम्मत का खर्च बढ़ जाता है। इसके विपरीत, स्टेनलेस स्टील के इस्तेमाल से ट्रेलर का वजन लगभग 25 प्रतिशत तक कम हो जाता है, जो अन्य कारणों के साथ मिलकर 10 वर्षों में लगभग 25-30 लाख रुपये की लागत बचत और लगभग 15-20 वर्षों की अनुमानित आयु प्रदान कर सकता है।

कृषि के परिवेश को संगठित करने के लिए एग्रीकॉन इंडिया लांच

हिसार - कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की नींव है। यह लगभग आधी आबादी को रोजगार प्रदान करती है, और देश के जीडीपी में लगभग पाँचवें हिस्से के बराबर योगदान देती है। इन सभी वाताओं को संगठित करने के उद्देश्य से मेसे मुंशेन नेएग्रीकॉन इंडिया का लॉन्च किया। यह 16

दिसंबर से 18 दिसंबर 2026 के बीच आयोजित होने वाला एक राष्ट्रीय ट्रेड फेयर है। इसका आयोजन ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में होगा। भूपिंदर सिंह, प्रेसिडेंट, आईएमईए, मेसे मुंशेन और सीईओ, मेसे मुंशेन इंडिया ने कहा कि आज कृषि की जरूरत अलग-अलग समाधानों तक सीमित नहीं है। किसानों को एक ऐसे परिवेश की जरूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी, पॉलिसी और फाईनेंस साथ में मौजूद हों। एग्रीकॉन इंडिया इस बारे में बातचीत करने और उसके निष्कर्षों को अमल में लाने के लिए शुरू किया गया है। एग्रीकॉन इंडिया के उद्देश्यों में शामिल हैं: टेक्नोलॉजी, नीति, फाईनेंस और जमीनी स्तर पर खेती की जरूरतों के बीच अंतर को दूर करना। खेती की उत्पादकता और मजबूती बढ़ाने के लिए इनोवेशन अपनाने में तेजी लाना। कृषि उत्पादकों और उद्यमों के लिए घरेलू और विदेशी बाजार खोलना। संस्थानों, शिक्षा जगत और किसान नेटवर्क के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान संभव बनाना।

आईएफएटी इंडिया 2025 का 14 से होगा आयोजन

चंडीगढ़-वॉटर, सीवेज, सॉलिड वेस्ट और रिसाईक्लिंग टेक्नोलॉजी के लिए देश के सबसे बड़े ट्रेड फेयर, आईएफएटी इंडिया 2025 का आयोजन 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर के बीच बॉम्बे

एग्जिबिशन सेंटर (एनईएससीओ), मुंबई में हो रहा है। आईएफएटी इंडिया 2025 के आयोजक मेसे मुंशेन इंडिया हैं। पर्यावरण और इन्फ्रास्ट्रक्चर के बढ़ते दबाव के बीच यह अभी तक का सबसे बड़ा आयोजन है, जिसमें पूरे विश्व के इनोवेटर्स, घरेलू खरीददार और नीति निमार्ता हिस्सा ले रहे हैं। 45,000 वर्गमीटर में फैले इस साल के ट्रेड फेयर में 30 से अधिक देशों के 500 से अधिक संस्थान व्यापारिक प्रदर्शनियाँ लगा रहे हैं। इन्हें देखने के लिए 50 से अधिक देशों के 28,000 से अधिक ट्रेड विजिटर्स के आने की उम्मीद है। ट्रेड फेयर में कैनेडा, नीदरलैंड्स, जर्मनी, साउथ कोरिया, हंगरी और ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के पवेलियन दिखाई देंगे। भूपिंदर सिंह, प्रेसिडेंट आईएमईए (इंडिया, मिडिल ईस्ट, अफ्रीका), मेसे मुंशेन और सीईओ, मेसे मुंशेन इंडिया ने कहा कि भारत एक ऐसे मोड़ पर आ गया है, जब अपशिष्ट और जल समाधान कोई विकल्प नहीं, बल्कि सस्टेनेबल आर्थिक विकास के सबसे महत्वपूर्ण पहलू बन गए हैं। टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, निवेश के अवसरों और व्यापारिक नेटवर्किंग के लिए आईएफएटी एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म बन गया है। इस साल इसके लिए मिली रिकॉर्ड प्रतिभागिता के साथ हमें उम्मीद है कि यहाँ पर बड़े वैश्विक गठबंधन होंगे।

नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ का नया गाना 'कोका कोला-2' रिलीज, फैंस उत्साहित

मशहूर गायिका नेहा कक्कड़ और उनके भाई टोनी कक्कड़ का बहुप्रतीक्षित गाना कोका कोला-2 रिलीज हो गया है। टोनी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए इस गाने की रिलीज की घोषणा की। प्रशंसकों के बीच इस गाने को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि यह 2019 में आए हिट गाने कोका कोला का सीक्वल है। टोनी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। इस क्लिप के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, कोका कोला-2 अब रिलीज हो चुका है। इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया, और फैंस ने कमेंट्स में गाने की तारीफ शुरू कर दी। कोका कोला-2 में नेहा कक्कड़, टोनी कक्कड़ और जूनियर ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल टोनी कक्कड़ ने लिखे हैं। इसके अलावा, गाने का म्यूजिक भी टोनी ने ही कंपोज किया है, और उन्होंने इसे प्रोड्यूस भी किया है। गाने का म्यूजिक वीडियो भी दर्शकों को खूब लुभा रहा है। इसमें नेहा कक्कड़, टोनी कक्कड़ और जूनियर की शानदार परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। नेहा के एनर्जेटिक डांस मूव्स और उनकी आवाज गाने को और आकर्षक बनाती हैं। वीडियो में रंग-बिरंगे सेट्स, मॉडर्न बीट्स और ट्रेंडी वाइब्स का मिश्रण है, जो दर्शकों को खास तौर पर पसंद आ रहा है। कोका कोला-2 गाना रिलीज के कुछ ही समय में यूट्यूब पर काफी व्यूज बटोर चुका है। नेहा और टोनी की जोड़ी पहले भी कई हिट गाने दे चुकी है, और यह गाना भी उसी कड़ी का हिस्सा बन गया है। सोशल मीडिया पर फैंस इसे पार्टी एंथम बता रहे हैं। वहीं, नेहा के पति रोहनप्रीत ने कमेंट में फायर का इमोजी शेयर किया। एक यूजर ने लिखा, भाई-बहन की जोड़ी ने फिर से धमाका कर दिया। बता दें, इससे पहले टोनी ने रैपर यंग देसी के साथ मिलकर कोका-कोला रिलीज किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। गाना इतना ट्रेंड किया था कि इसे 2019 में फिल्म लुक्का-छुप्पी में नए वर्जन में रिलीज किया गया था।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री को अनुपम खेर की एक फिल्म बहुत है पसंद, एक्टर से की मुलाकात

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में यूके-इंडिया साझेदारी के उपलक्ष्य में आयोजित एक भव्य रिसेप्शन में शिरकत की। इस खास मौके पर उनकी मुलाकात ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से हुई। इस मुलाकात की जानकारी अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए प्रशंसकों के साथ शेयर की। उन्होंने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा कि उन्हें रिसेप्शन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री से मिलकर बेहद खुशी हुई। अभिनेता ने कीर स्टार्मर के भाषण की तारीफ करते हुए कहा कि यह गर्मजोशी से भरा था और इसमें भारत-ब्रिटेन के बीच मजबूत रिश्तों की संभावनाओं पर जोर दिया गया। अनुपम ने यह भी बताया कि कीर स्टार्मर को उनकी पहली हॉलीवुड फिल्म ह्वबेंड इट लाइक बेकहमह्न बेहद पसंद है, जिसे जानकर उन्हें बेहद खुशी हुई। इस शानदार आयोजन के लिए उन्होंने ब्रिटिश हाई कमिश्नर हरजिंदर कांग को भी धन्यवाद दिया। यह आयोजन यूके और भारत के बीच सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया था। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा हुई। अनुपम खेर लंबे समय से भारतीय सिनेमा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। उनकी फिल्म ह्वबेंड इट लाइक बेकहम ने वैश्विक स्तर पर खूब प्रशंसा बटोरी थी। बेंड इट लाइक बेकहमह्न साल 2002 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन गुरिंदर चड्ढा ने किया था। यह फिल्म एक ब्रिटिश भारतीय सिख लड़की की कहानी है, जो अपने परिवार की इच्छाओं के खिलाफ जाकर फुटबॉल खेलना चाहती है, लेकिन उसके माता-पिता चाहते हैं कि वह वकील बने और शादी करे। यह फिल्म डेविड बेकहम के फ्री किक मारने के कौशल से प्रेरित है। इसमें परमिंदर नागरा, केइरा नाइटली (जूल्स की भूमिका में), और अनुपम खेर ने अभिनय किया है।

करवा चौथ की परंपरा को मिला आधुनिक अंदाज

फेम और अग्सी का नया कैंपेन, चमक आपकी, मर्जी आपकी

नई दिल्ली – डाबर समूह के भारत के प्रमुख फेयरनेस ब्रांड फेम, ने एक नया अभियान शुरू किया है जो आज की दुनिया में प्रेम और नारीत्व को मनाने के अर्थ को फिर से परिभाषित करता है। इसमें प्रसिद्ध हसल फेम रैपर अग्सी को दिखाया गया है, यह फिल्म करवा चौथ की परंपराओं को एक ताजा, बेबाक नजरिए से देखती है झ्र जहाँ भक्ति का मेल व्यक्तित्व से होता है और रीति-रिवाज समय के साथ विकसित होते हैं। अपने शक्तिशाली गीतों और आत्मविश्वास से भरी ऊर्जा के माध्यम से, अग्सी आधुनिक महिला की आवाज को दशार्ती हैं झ्र वह जो रीति-रिवाजों को अपनी शर्तों पर अपनाती है, बिना उनके द्वारा परिभाषित हुए। यह अभियान नारीवाद के लिए एक सम्मान है झ्र महिलाएँ अपने फैसलों की मालिक हैं, अपनी विलक्षणता में मजबूती से खड़ी हैं, और आत्म-अभिव्यक्ति में शक्ति पाती हैं। फेम सौंदर्य से परे महिलाओं को सशक्त बनाने की अपनी विरासत को जारी रखता है झ्र उन्हें न केवल प्रेम, बल्कि स्वयं होने के साहस का भी जश्न मनाने के लिए प्रेरित करता है। इस करवा चौथ, फेम हर महिला को याद दिलाता है कि वह अपने तरीके से प्रेम का, शक्ति का, और अपनी चमक का जश्न मनाए। डाबर इंडिया लिमिटेड के स्किनकेयर मार्केटिंग हेड, श्री विराट खन्ना ने कहा, "फेम में, हमने हमेशा माना है कि एक महिला की चमक सतह से कहीं ज्यादा गहरी होती है झ्र यह उसके आत्मविश्वास, उसके फैसलों और उसकी ताकत का प्रतिबिंब है।" डाबर इंडिया लिमिटेड की डीजीएम , जसलीन कोहली ने कहा, "नारीवाद की सच्ची चमक महिलाओं से आती है, जो अपनी आवाज और फैसलों की मालिक हैं। डिजिटल उस सशक्तिकरण के लिए नया मंच बन गया है — जहाँ आत्म-अभिव्यक्ति आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है। यह अभियान उसी बेबाक चमक का जश्न मनाता है।"

अरविंद अकेला कल्लू ने शेयर किया 'दिले में बाडू' गाने पर स्पेशल वीडियो

भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता और गायक अरविंद अकेला कल्लू ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे ज्योती पासवान के साथ अपने गाने ह्वदिल में बाडूह्न पर डांस करते नजर आ रहे हैं।

अरविंद ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, ह्लकरवा चौथ स्पेशल सॉन्ग ए धनिया तू त ह्वदिले में बाडू' अभिनेता की इस रील पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस उनके लुक और अदाओं की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

गौरतलब है कि ह्वदिले में बाडूह्न गाना हाल ही में यूट्यूब पर रिलीज हुआ था, जिसमें अरविंद और खुशी तिवारी की जोड़ी को बहुत पसंद किया जा रहा है।

वीडियो में खुशी तिवारी उनकी पत्नी का किरदार निभा रही हैं और दोनों के बीच की प्यारी केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। गाने के वीडियो में पति-पत्नी के बीच का इमोशनल और रोमांटिक रिश्ता बेहद खूबसूरती से दिखाया गया है।

रकुल प्रीत सिंह को जन्मदिन पर जैकी भगनानी ने खास अंदाज में दी बधाई

मुंबई। मशहूर अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह शुक्रवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर उनके पति और अभिनेता-निमार्ता जैकी भगनानी ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। जैकी ने इंस्टाग्राम पर रकुल के लिए एक मोनोक्रोम वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने दिल की बात लिखी। उन्होंने कैप्शन में कहा, ह्लमेरी प्यारी, मेरी दुनिया, जन्मदिन की बधाई। तुम मेरी जिंदगी में भगवान का अनमोल तोहफा हो। तुम्हारी मुस्कान से सब कुछ खूबसूरत लगता है। तुम सबसे अच्छी पत्नी, बेटी, बहू और बहन हो। मेरी दुआ है कि तुम्हारे सारे सपने पूरे हों और तुम हमेशा खुश रहो। मेरा प्यार चांद-सितारों से भी बढ़कर है। रकुल मुख्य रूप से साउथ और हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग से की थी। अभिनेत्री ने साल 2009 में कन्नड़ फिल्म ह्वगिल्लीह्न से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद 2011 में फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जहां वह पांचवें स्थान पर रहीं थी। इस प्रतियोगिता ने उन्हें बॉलीवुड में प्रवेश करने का मौका दिया। रकुल ने तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम कर अपनी पहचान बनाई। साल 2014 में उन्होंने बॉलीवुड फिल्म ह्वयारियांह्न से डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ हिमांश कोहली मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वे ह्वअय्यारीह्न, ह्वदे दे प्यार देह्न, ह्वमरजावांह्न, ह्वछत्तरीवालीह्न, और साउथ की ह्वध्रुवाह्न जैसी कई सफल फिल्मों में नजर आई थी। अभिनेत्री को पिछली बार फिल्म ह्वमेरे हसबैंड की बीवीह्न में देखा गया था। रकुल ने 21 फरवरी 2024 को गोवा में जैकी भगनानी के साथ पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज से शादी की। यह जोड़ा अपनी केमिस्ट्री और एक-दूसरे के प्रति प्यार के लिए अक्सर चर्चा में रहता है। फैंस भी रकुल के जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। जैकी भगनानी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह एक सफल निमार्ता हैं, जो पूजा एंटरटेनमेंट के जरिए फिल्में प्रोड्यूस करते हैं, जबकि उन्होंने अभिनेता के तौर पर भी फिल्मों में काम किया है, जिनमें ह्वफालतूह्न, ह्वमिशन रानीगंजह्न, और ह्वबड़े मियां छोटे मियांह्न जैसी फिल्में शामिलहैं।

बॉबी देओल ने अपनी कमबैक का श्रेय सलमान खान को दिया

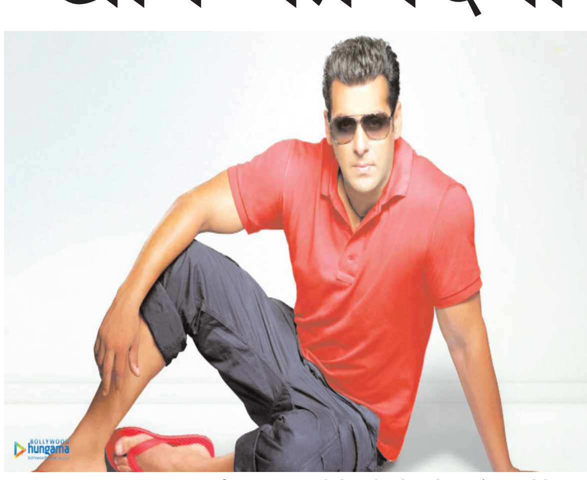

बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने अपनी कमबैक का श्रेय सलमान खान को दिया है। सलमान खान उन सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक हैं जो दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। उनके पास बहुत बड़ी और वफादार फैन फॉलोइंग है। वह एक ऐसे सुपरस्टार हैं जिनका दिल बहुत बड़ा है और जो हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आते रहते हैं।

सलमान खान सालों से कई कलाकारों को इंडस्ट्री में उनका पहला कदम रखने में मदद करते आ रहे हैं, और उनमें से एक बॉबी देओल भी हैं। सलमान ने बॉबी की फिल्म रेस 3 के साथ कमबैक करने में काफी मदद की थी। इस फिल्म ने बॉबी के करियर में बहुत अहम भूमिका निभाई, और इसी वजह से वह सलमान को अपना आइडल मानते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान, जब बॉबी देओल से पूछा गया कि वह अपने परिवार के अलावा अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे, तो उन्होंने कहा "मैं बहुत से लोगों को श्रेय देता हूँ जिन्होंने एक अभिनेता के तौर पर मुझ पर भरोसा किया। खासकर मेरे दूसरे फेज में, जब चीजें सही दिशा में नहीं जा रही थीं। मुझे लगता है, सलमान खान सबसे पहले होंगे। उन्होंने मुझे अपनी फि ल्म में काम करने का मौका दिया और इसने मेरी बहुत मदद की। पूरी दुनिया चाहती है कि अगर आपको उनकी फि ल्म में कोई रोल मिल जाए, तो पूरी दुनिया उसे देखेगी।" इसके अलावा, सलमान खान की फिल्मों की लाइनअप भी जबरदस्त है, जिसमें उनकी आने वाली और काफी चर्चित वॉर ड्रामा फिल्म, बैटल ऑफ गालवान शामिल है, जिसने पहले लुक के सामने आने के बाद से ही इंटरनेट पर खूब चर्चा और दर्शकों में उत्सुकता पैदा कर दी है। दूसरी तरफ कबीर खान के साथ उनकी मुलाकात, खासकर बजरंगी भाईजान 2 के जरिए, उनके पहले के काम की तरह इमोशनल और असरदार कहानी कहने की राह में एक नया मोड़ साबित हो सकती है।